



# दिल्ली विश्वविद्यालय University of Delhi

परिषद शाखा - II, कमरा नं: 211, नया प्रशासनिक खंड, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007, दूरभाष: 011-27001156/54  
Council Branch - II, Room No. 211, New Administrative Block, University of Delhi, Delhi - 110007, Ph: 27001156/54

CNC-II/093/1/EC-1282/26/3(ii)

Dated: 07.07.2026

## NOTIFICATION

Sub: Amendment to Ordinance V

(ECR 4-1-3/ dated 29.04.2026)

Following addition be made to Annexure-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

The syllabi of following Departments under the Faculty of Arts based on Postgraduate Curriculum Framework 2024 are notified herewith for the information of all concerned:

| DEPARTMENT | SYLLABI                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
|------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| Hindi      | <ul style="list-style-type: none"><li>(i) One year M.A. Hindi for Semester I (Coursework) and 2 year M.A. Hindi for Semester-III (Coursework+Research) - <b>Annexure-1</b></li><li>(ii) One year M.A. Hindi for Semester II (Coursework) and 2 year M.A. Hindi for Semester-IV (Coursework+Research) - <b>Annexure-2</b></li><li>(iii) Pool of Generic Electives offered by Department for all PG courses in Semester-II - <b>Annexure-3</b></li><li>(iv) M.A. Hindi Patrakarita Semester-II- <b>Annexure-4</b></li><li>(v) M.A (Hindi) - Structure-III - Semester-I (for one year PG)/ Sem-III (for two year PG) and Semester-II (for one year PG)/ Sem-IV(for two year PG)- <b>Annexure-5</b></li></ul> |

*Handwritten signature*  
REGISTRAR



**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**M.A. Hindi**

**Structure 1 (Level 6.5) : PG Curricular Structure with only  
course work/Structure 2 (Level 6.5): PG Curricular Structure  
with Course work + Research**

**Semester I (For One Year PG) /  
Semester III (For Two Year PG)**

| No. | Paper Type            | Paper Name                                       | Page No. |
|-----|-----------------------|--------------------------------------------------|----------|
| 1   | DSC7                  | 1. आलोचना                                        |          |
| 2   | DSC8                  | 2. सामान्य भाषा विज्ञान                          |          |
| 3   | Pool of DSE           | 1. शोध : प्रविधि, प्रक्रिया एवं तकनीक (अनिवार्य) |          |
|     |                       | 2. स्त्री अस्मिता और हिंदी साहित्य               |          |
|     |                       | 3. हिंदी की लोकनाट्य शैलियां                     |          |
|     |                       | 4. हिंदी जनसंचार माध्यमों का विकास               |          |
|     |                       | 5. आधुनिक भारतीय साहित्य                         |          |
|     |                       | 6. हिंदी समाचार : निर्माण एवं लेखन               |          |
| 4   | Pool of GE (Any one)  | 1. हिंदी के संपादक-साहित्यकारों का निबंध साहित्य |          |
|     |                       | 2. हिंदी का लोकप्रिय साहित्य                     |          |
| 5   | Pool of SBC (Any one) | 1. प्रयोजनमूलक हिंदी                             |          |
|     |                       | 2. हिंदी रंगमंच : व्यावहारिक पक्ष                |          |



**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**एम. ए. (हिंदी)**  
**Semester I ( For One Year PG)**  
**Semester III (For Two Year PG)**  
**DSC 7 आलोचना**

| Course title & Code            | Credits | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|--------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                |         | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| <b>DSC- 7</b><br><b>आलोचना</b> | 4       | 3                                 | 1        | —                    | स्नातक उत्तीर्ण                      | Annexure                              |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course objectives)**

- आलोचना की परंपरा से परिचय कराना।
- हिंदी आलोचना के प्रमुख सिद्धांतों एवं आलोचकों से परिचय कराना।
- रचना के मूल्यांकन का आलोचकीय विवेक विकसित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course learning Outcome)**

- विद्यार्थी रचना एवं समाज के अंतर्संबंधों को विश्लेषित कर सकेंगे।
- साहित्य की सामाजिक भूमिका को समझ सकेंगे।
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय बोध से सम्पन्न होंगे।

**इकाई – 1 आलोचना: अर्थ अवधारणा और स्वरूप**

**(13 घंटे)**

- आलोचना : अर्थ, आलोचना की विभिन्न अवधारणाएँ और स्वरूप
- रेमंड विलियम्स, टेरी ईगलटन, रैनेवैलेक की अवधारणा
- सॉस्यूर, सार्त्र, रोलां बार्थ की अवधारणाएँ
- भारतेंदु युगीन आलोचना

**इकाई – 2 हिंदी आलोचना का विकास-1**

**(12 घंटे)**

- द्विवेदी युगीन आलोचना
- रामचंद्र शुक्ल



- हजारी प्रसाद द्विवेदी
- नंददुलारे वाजपेयी

इकाई - 3 हिंदी आलोचना का विकास-2

(10 घंटे)

- महादेवी वर्मा
- रामविलास शर्मा
- डॉ. नगेन्द्र
- नामवर सिंह

इकाई - 4 हिंदी आलोचना का विकास-3

(10 घंटे)

- मुक्तिबोध
- विजयदेव नारायण साही
- मलयज
- मैनेजर पांडेय

व्यावहारिक कार्य

- समूह चर्चा करना।
- हिंदी आलोचना से संबंधित पुस्तकों की समीक्षा करना।
- हिंदी के प्रमुख आलोचकों और उनकी आलोचना दृष्टि पर टिप्पणी लेखना।
- रचनाकार, आलोचकों पर रिपोर्ट लेखना।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य।

सहायक ग्रंथ :

- नवल, नंदकिशोर. *हिन्दी आलोचना का विकास*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
- त्रिपाठी, विश्वनाथ. *हिन्दी आलोचना*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1970
- शर्मा, रामविलास. *भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परंपरा*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1975
- सिंह, वच्चन. *आलोचक और आलोचना*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2025
- डॉ. नगेन्द्र. *नई समीक्षा नए संदर्भ*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1970
- शर्मा, रामविलास. *परंपरा का मूल्यांकन*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981
- साही, विजयदेव नारायण. *छठवाँ दशक, हिन्दुस्तानी एकेडेमी*, प्रयाग, 1987
- मलयज, रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1987



- मलयज, कविता से साक्षात्कार, संभावना प्रकाशन, 1979
- शर्मा, रामविलास. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1977
- वाजपेयी, नंददुलारे. आधुनिक साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1943
- सिंह, सुधा. आधुनिक साहित्य और रामविलास शर्मा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली, 2002
- डॉ नगेन्द्र. आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियां, गौतम बुक डिपो, दिल्ली, 1951
- पाण्डेय, मैनेजर. साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011



## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम.ए. (हिंदी)

Semester I (For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

## DSC 8 सामान्य भाषा विज्ञान

| Course title & Code                  | Credits | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|--------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                      |         | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| <b>DSC 8</b><br>सामान्य भाषा विज्ञान | 4       | 3                                 | 1        | —                    |                                      | Annexure                              |

## पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

- भाषा के स्वरूप एवं क्षेत्र की पहचान कराना।
- भाषाविज्ञान की सैद्धांतिक समझ विकसित कराना।
- भाषा एवं भाषाविज्ञान का तात्त्विक बोध।

## पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- भाषा का सम्यक बोध हो सकेगा।
- भाषाविज्ञान की विशिष्ट समझ विकसित होगी।
- भाषा एवं भाषाविज्ञान के अंगोंपांग से परिचित हो सकेंगे।

## इकाई-1 : भाषा, संरचना और भाषा विज्ञान

(13 घंटे)

- भाषा : अर्थ और परिभाषा, स्वरूप एवं लक्षण
- भाषाविज्ञान : परंपरा और विकास
- भाषाविज्ञान की अध्ययन-पद्धतियां
- भाषा संरचना और व्यवहार

## इकाई-2 : ध्वनि विज्ञान

(12 घंटे)



- स्वन की अवधारणा और स्वन परिवर्तन के कारण
- स्वनिम की संकल्पना
- स्वनिम के भेद
- स्वनिम और सहस्वन का निर्धारण

इकाई-3 : रूप एवं अर्थ विज्ञान

(10 घंटे)

- रूप, रूपिम, सहरूप : अवधारणा एवं भेद
- अर्थतत्त्व एवं संबंध तत्त्व, संबंध तत्त्व के प्रकार, शब्द और अर्थ का संबंध
- अर्थ-प्रतीति के साधन
- अर्थ-परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं

इकाई-4 : वाक्य विज्ञान

(10 घंटे)

- वाक्य की परिभाषा एवं वाक्य संरचना के तत्व एवं आधार
- वाक्य के प्रकार
- प्रोक्ति का स्वरूप
- प्रोक्ति विश्लेषण

व्यवहारिक कार्य :

- भाषिक नमूनों का संग्रहण।
- भाषा सर्वेक्षण।
- विभिन्न माध्यमों में भाषा के स्वरूप की पहचान।
- आसपास के परिवेश से मुहावरे और लोकोक्तियों का संग्रहण।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य।

सहायक ग्रंथ :

1. तिवारी, भोलानाथ .भाषा विज्ञान, किताबमहल, नई दिल्ली, 2022
2. शर्मा, देवेन्द्रनाथ .भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015
3. तिवारी, उदयनारायण .भाषाशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2017
4. शर्मा, रामविलास .भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014



5. (अनुवाद : प्रसाद, डॉ. विश्वनाथ) .भाषा : ब्लूमफील्ड, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1968
6. सक्सेना, बाबूराम. सामान्य भाषाविज्ञान, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 2024
7. वर्मा, धीरेंद्र .हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 2016
8. धल, श्री गोलोक बिहारी .ध्वनिविज्ञान, प्रेम बुक डिपो, आगरा, 1958



**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**एम. ए. (हिंदी)**  
**Course Work**  
**Semester I (For One Year PG)**  
**Semester III (For Two Year PG)**  
**DSE 1- शोध : प्रविधि, प्रक्रिया एवं तकनीक**

| Course title & Code                                        | Credits  | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|------------------------------------------------------------|----------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                            |          | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| <b>DSE1</b><br>शोध :<br>प्रविधि,<br>प्रक्रिया एवं<br>तकनीक | <b>4</b> | <b>3</b>                          | <b>1</b> | <b>—</b>             | स्नातक<br>उत्तीर्ण                   | <b>Annexure</b>                       |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को शोध के स्वरूप एवं अवधारणा से परिचित कराना ।
- शोध के प्रकार एवं प्रक्रिया से अवगत कराना ।
- शोधकार्य में कंप्यूटर के उपयोग की जानकारी के साथ शोध संहिता से परिचय प्राप्त करना ।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. विद्यार्थी शोध के स्वरूप एवं अवधारणा से परिचित हो सकेंगे ।
2. शोध के प्रकार एवं प्रक्रिया से अवगत होंगे ।
3. शोधकार्य में कंप्यूटर के उपयोग की जानकारी के साथ शोध संहिता से परिचय प्राप्त करेंगे ।

**इकाई -1: शोध का स्वरूप : सैद्धांतिक पक्ष (13 घंटे)**

- शोध: स्वरूप एवं महत्व, शोध परिकल्पना एवं शोध प्रयोजन



- शोध के मूल तत्व ,शोध में तथ्य, तर्क, अनुमान, कल्पना, वस्तुनिष्ठता आदि की भूमिका
- शोध के उपकरण
- हिंदी साहित्य :शोध का इतिहास ,संभावनाएं एवं चुनौतियां

**इकाई-2 :शोध के प्रकार (12 घंटे)**

- मात्रात्मक एवं गुणात्मक शोध और इनके क्षेत्र :साहित्यिक एवं वैज्ञानिक शोध, ऐतिहासिक तथा अंतरानुशासनिक शोध
- शोध की पद्धतियां अथवा प्रविधियां : समाजशास्त्रीय, तुलनात्मक, सर्वेक्षणपरक ,आलोचनात्मक, विश्लेषणात्मक, शैली वैज्ञानिक ,सांस्कृतिक अध्ययन
- पाठानुसंधान-स्वरूप और सीमा, पाठ निर्धारण की प्रक्रिया ,भाषा एवं लिपि, हस्तपाठ और समस्याएं, पाठ विकृतियां, शुद्ध पाठचयन के सामान्य सिद्धांत
- पाठानुसंधान ,पाठालोचन एवं साहित्यालोचन में अंतर

**इकाई-3 :शोध के चरण एवं प्रक्रिया**

**(10 घंटे)**

- विषय चयन :शोध कार्य हेतु विषय चयन ,शोध समस्या का निर्धारण , शोध समस्या का सूत्रीकरण ,पूर्व शोधकार्य की समीक्षा
- शोध सामग्री संकलन की विभिन्न पद्धतियां (हस्तलेखों का संकलन, प्रश्नावली, साक्षात्कार) ,सामग्री संकलन की उपयोग विधि: टीप(नोट्स) लेना, नोटकार्ड तैयार करना, दस्तावेजीकरण की विभिन्न शैलियां , संचित सामग्री की प्रमाणिकता की जांच
- स्रोतों के प्रकार: प्राथमिक स्रोत तथा द्वितीयक स्रोत ,परिशिष्ट
- शोध प्रबंध की रूपरेखा निर्माण की वैज्ञानिक पद्धति

**इकाई - 4 : शोध संहिता एवं कंप्यूटर अनुप्रयोग**

**(10 घंटे)**



- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी 2016 या अद्यतन शोध-संबंधी अधिनियम ,शोध आचार संहिता-साहित्यिक चोरी तथा उपचार ,कॉपीराइट
- शोध में कंप्यूटर का उपयोग ,शोध और कंप्यूटर प्रौद्योगिकी ,शोध के क्षेत्र में ICT का प्रयोग ,शोध में इंटरनेट सामग्री का उपयोग
- ई-स्रोतों का परिचय और शोध में उनकी प्रासंगिकता ,वेबसाइट, पत्रिकाएं, पुस्तकें ,पुस्तकालय एवं ऑनलाइन आर्काइव का उपयोग एवं प्रयुक्ति
- सॉफ्टवेयर उपकरण : साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर, जैसे-टर्निटिन और उरकुंड

#### व्यावहारिक कार्य :

- शोध हेतु ई-सामग्री की वेबसाइट ,ऑनलाइन आर्काइव ,पत्रिकाओं एवं पुस्तकों की सूची तैयार करना ।
- शोध में सहायक सॉफ्टवेयर पर रिपोर्ट लेखन ।
- सर्वेक्षण एवं साक्षात्कार हेतु प्रश्नावली का निर्माण ।
- साहित्य समीक्षा ।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना अथवा अन्य कार्य ।

#### सहायक ग्रंथ :

- सिन्हा एवं स्नातक ,सावित्री एवं विजयेन्द्र ;*अनुसंधान की प्रक्रिया* ,नैशनल पब्लिशिंग हाउस ,नई दिल्ली
- शर्मा ,विनयमोहन ;*शोध प्रविधि* ,नैशनल पब्लिशिंग हाउस ,नई दिल्ली
- सिंह ,सरनाम ;*शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका* ,आत्माराम एंड संस ,नई दिल्ली
- त्रिपाठी ,विनायक ;*शोध प्रविधि : अवधारणा एवं तकनीक* ,ओमेगा पब्लिकेशन ,नई दिल्ली
- गणेशन ,एस .एन .; *अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया* ,लोकभारती प्रकाशन ,प्रयागराज ,उत्तर प्रदेश



- सिंहल ,वैजनाथ ;शोध :स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि ,वाणी प्रकाशन ,दिल्ली
- राजूरकर एवं बोरा ,भ.ह., एवं राजमल) संपादक), हिंदी अनुसंधान का स्वरूप ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,नयी दिल्ली
- सूरती ,डॉ .उर्वशी जे ;अनुसंधान का व्यावहारिक स्वरूप ,हिंदी ग्रंथ रत्नाकर ,मुंबई ,महाराष्ट्र



# राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Semester I ( For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

DSE 2 स्त्री अस्मिता और हिंदी साहित्य

| Course title & Code                             | Credits  | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------------------|----------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                 |          | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| <b>DSE 2</b><br>स्त्री अस्मिता और हिंदी साहित्य | <b>4</b> | <b>3</b>                          | <b>1</b> | —                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | <b>Annexure</b>                       |

## पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों को स्त्री अस्मिता की अवधारणा की समझ प्रदान करना।
- विद्यार्थियों में स्त्री संदर्भित सवालों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।
- हिंदी स्त्री लेखन की समृद्ध परम्परा से परिचित करना।

## पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी स्त्री लेखन के गंभीर्य को समझेंगे।
- विद्यार्थी समाज में व्याप्त लैंगिक असमानता को दूर करने के प्रति सजग बनेंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक समरसता को मजबूत करेंगे।



इकाई 1. सिद्धांत पक्ष

(13 घंटे)

- स्त्री अस्मिता की अवधारणाएं और स्वरूप
- भारतीय और पाश्चात्य स्त्री अस्मिता की पृष्ठभूमि
- महिला आंदोलन और स्त्रीवाद का भारतीय परिप्रेक्ष्य
- पश्चिम में स्त्री आंदोलन और चेतना के विभिन्न सोपान

इकाई 2. स्त्री-काव्य

(13 घंटे)

- जुगलप्रिया: वगुला-भक्तन सों डरिये री (कविता)
- गोपाल देवी: भेड़ और भेड़िया (कविता)
- सुभद्रा कुमारी चौहान: वीरों का कैसा हो वसंत (कविता)
- विद्यावती कोकिल-घासवाली, मुझको मेरी मुक्ति मिल गई है।

इकाई 3. स्त्री कथा-साहित्य

(10 घंटे)

- उषा देवी मित्रा: प्यासी हूँ (कहानी)
- होमवती देवी: सलूनों का त्योहार (कहानी)
- मंजुल भगत: सैलानियों का कश्मीर (कहानी)
- मैत्रेयीपुष्पा: इदन्नमम (उपन्यास)

इकाई 4. स्त्री लेखन: अन्य गद्य विधाएँ

(10 घंटे)

सत्यवती मलिक: केसर के देश में (यात्रा साहित्य)

एक अज्ञात हिन्दू औरत: सीमंतनी उपदेश (आत्मकथा)

महादेवी वर्मा: आधुनिक नारी (निबंध)

नासिरा शर्मा: जहाँ फव्वारे लहू रोते हैं (यात्रा साहित्य)

व्यावहारिक कार्य:

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबंधित पुस्तकों / रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन



- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

#### सहायक ग्रन्थ

- माधव, नीरजा, *हिंदी साहित्य का ओझल नारी इतिहास (1857-1947)*, सामयिक बुक्स, नई दिल्ली, 2022
- चतुर्वेदी, जगदीश्वर, सिंह, सुधा(सं.). *स्त्री-काव्यधारा*, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2006
- सिंह, सुधा(सं.). *स्त्री कथा*, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2005
- डॉ. धर्मवीर(सं.). *सीमंतनी उपदेश, एक अज्ञात हिन्दू औरत*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2017
- मिल, जॉन स्टुअर्ट. *स्त्री पराधीनता*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2016
- वर्मा, महादेवी, *शृंखला की कड़ियाँ*, लोकभारती प्रकाशन, प्रयाग, 2008
- ग्रीयर, जर्मेन. *वधिया स्त्री*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2005
- सिंह, सुधा, *ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ*, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली, 2015
- वर्मा, अर्चना. *अस्मिता विमर्श का स्त्री स्वर*, मेधा बुक्स, दिल्ली, 2008
- सिंह, सुधा (सं.). *विषमता का कथा संसार, होमवती देवी की कहानियाँ*, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2026
- मिश्र, अल्पना. *स्त्री विमर्श का नया चेहरा*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2023



**हिंदी विभाग**  
**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**एम. ए. (हिंदी)**

Semester I (For One Year PG)  
Semester III (For Two year PG)  
**DSE3 हिंदी की लोकनाट्य शैलियां**

| Course title & Code            | Credits | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|--------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                |         | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| DSE3 हिंदी की लोकनाट्य शैलियां | 4       | 3                                 | 1        | —                    | स्नातक उत्तीर्ण                      | Annexure                              |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को लोकनाट्य के स्वरूप से परिचित कराना ।
- लोकनाट्य की विभिन्न शैलियों की जानकारी देना ।
- लोकनाट्य की समृद्ध परंपरा से अवगत कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी लोकनाट्य के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे ।
- लोकनाट्य की विभिन्न शैलियों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी ।
- लोकनाट्य की समृद्ध परंपरा से परिचय होगा ।

**इकाई -1: लोकनाट्य की अवधारणा, स्वरूप एवं इतिहास**

**(13 घंटे)**

- लोकनाट्य की अवधारणा : परिभाषा एवं स्वरूप
- लोकनाट्य की परंपरा
- हिंदी नाटक एवं रंगमंच के विकास में लोकनाट्य का महत्व एवं योगदान





## इकाई -2:लोकनाट्य के विविध रूपों का परिचय

(12 घंटे)

- जात्रा (बंगाल,उड़ीसा), अंकिया-नाट और भाओना (असम), असमिया रास (असम), मणिपुरी रास (मणिपुर)
- भवई (गुजरात), तमाशा (महाराष्ट्र)
- भांड (पंजाब,कश्मीर), सांग (हरियाणा), नौटंकी (उत्तर प्रदेश), रामलीला (उत्तर प्रदेश), रासलीला (उत्तर प्रदेश), बिदेसिया (बिहार), ख्याल (राजस्थान), कीर्तनिया (बिहार)
- यक्षगान (कर्नाटक), विथिनाटकम् (कर्नाटक)
- माच(मध्यप्रदेश),पंडवानी,(छत्तीसगढ़),नाचा (छत्तीसगढ़)

## इकाई -3:पाठ आधारित अध्ययन – 1

(10 घंटे)

- वीर अभिमन्यु – राधेश्याम 'कथावाचक'  
कथानक, भाषा, रंगमंचीयता, पारसी रंगमंच की विशेषता

## इकाई -4:पाठ आधारित अध्ययन – 2

(10 घंटे)

- पारिजात हरण –श्रीमंत शंकर देव  
कथानक, भाषा, रंगमंचीयता, भाओना की विशेषता

## व्यावहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबंधित पुस्तकों / रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

## सहायक ग्रंथ:

- माथुर, जगदीशचंद्र. परंपराशील नाट्य, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नयी दिल्ली, 2006





- कुमार, (प्रो.) चंदन. श्रीमंत शंकरदेव : जीवन और दर्शन, प्रभाकर प्रकाशन, दिल्ली, 2022
- कुमार, आचार्य (डॉ.) चंदन. छत्तीसगढ़िया बहुरूपक, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली, 2025
- सिन्हा, दया प्रकाश. 'लोकरंग' उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 1990
- सामर, देवीलाल. भारतीय लोकनाट्य: वस्तु और शिल्प, भारतीय लोककला मंडल, उदयपुर, राजस्थान, 1976
- वात्स्यायन, कपिला. बद्धीउज्जमा(अनु.). पारंपरिक भारतीय रंगमंच: अनंत धाराएं, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नयी दिल्ली, 2024
- गार्गी, बलवंत. फोक थियेटर ऑफ इंडिया, यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन प्रेस, अमेरिका, 1966





- माथुर ,जगदीशचंद्र. परंपराशील नाट्य, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नयी दिल्ली, 2006
- कुमार) ,प्रो(. चंदन. श्रीमंत शंकरदेव :जीवन और दर्शन ,प्रभाकर प्रकाशन , दिल्ली, 2022
- कुमार, आचार्य )डॉ(. चंदन. छत्तीसगढ़िया बहुरूपक ,स्वराज प्रकाशन , दिल्ली, 2025
- सिन्हा ,दया प्रकाश.' लोकरंग' उत्तर प्रदेश ,उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान , लखनऊ ,उत्तर प्रदेश, 1990
- सामर ,देवीलाल. भारतीय लोकनाट्य :वस्तु और शिल्प,भारतीय लोककला मंडल,उदयपुर ,राजस्थान, 1976
- वात्स्यायन ,कपिला. बट्टीउज्जमा(अनु .(.पारंपरिक भारतीय रंगमंचअनंत : ,धाराएंराष्ट्रीय पुस्तक न्यास ,नयी दिल्ली, 2024
- गार्गी ,बलवंत. फोक थियेटर ऑफ इंडिया, यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन प्रेस , अमेरिका,1966



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020  
 एम. ए. (हिंदी)  
 Semester I (For One Year PG)  
 Semester III (For Two Year PG)  
**DSE 4 हिंदी जनसंचार माध्यमों का विकास**

| Course title & Code                             | Credits  | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------------------|----------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                 |          | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| <b>DSE 4</b><br>हिंदी जनसंचार माध्यमों का विकास | <b>4</b> | <b>3</b>                          | <b>1</b> | —                    | स्नातक उत्तीर्ण                      | <b>Annexure</b>                       |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- जनसंचार माध्यम की विकास यात्रा को स्पष्ट करना ।
- रेडियो ,टेलीविजन व इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की विकास यात्रा को रेखांकित करना ।
- जनसंचार माध्यमों के विकास यात्रा में डिजिटल प्रभाव को रेखांकित करना ।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

7. विद्यार्थी जनसंचार माध्यम की विकास यात्रा से परिचय प्राप्त करेंगे ।
8. विद्यार्थी रेडियो ,टेलीविजन व इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की विकास यात्रा से परिचित होंगे ।
9. विद्यार्थी जनसंचार माध्यमों के विकास यात्रा में डिजिटल प्रभाव के बारे में परिचित होंगे ।

इकाई –1: जनसंचार की अवधारणा

(13 घंटे)



- संचार और जनसंचार का एक सामान्य अवलोकन
- मीडिया ,तकनीक और समाज का अंतरसंबंध
- जनसंचार की प्रमुख अवधारणा

**इकाई-2:प्रिंट मीडिया**

**(12 घंटे )**

- प्रिंट मीडिया का उद्भव
- आजादी के पूर्व प्रिंट मीडिया व हिन्दी पत्रकारिता
- आजादी के बाद प्रिंट मीडिया व हिन्दी पत्रकारिता
- संचार क्रान्ति व प्रिंट मीडिया

**इकाई -3:रेडियो ,टेलीविजन व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया**

**(10 घंटे)**

- रेडियो को विकास यात्रा का अवलोकन
- टेलीविजन की विकास यात्रा
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की विकास यात्रा
- डिजिटलीकरण के दौर में रेडियो ,टेलीविजन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

**इकाई-4: डिजिटल मीडिया**

**(10 घंटे)**

- डिजिटल मीडिया :एक परिचय
- संचार क्रांति ,डिजिटल मीडिया व समाज का अंतरसंबंध
- सोशल मीडिया :एक परिचय
- डिजिटल मीडिया व इंटरनेट के दौर में हिन्दी पत्रकारिता का बदलता स्वरूप :चुनौतियाँ व संभावनाएं

**व्यावहारिक कार्य :**

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबंधित पुस्तकों रचनाओं की समीक्षा करना /
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद



- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

#### सहायक ग्रंथ:

- वुड, मैकचेसनी. *पूंजीवाद और सूचना युग*, ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन, दिल्ली, 2006
- जोशी, पी.सी.. *संस्कृति विकास और संचार क्रांति*, मेधा पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2014
- मिश्र, कृष्ण बिहारी. *हिन्दी पत्रकारिता*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2022
- रॉबिन्स, जेफ्री. *भारत की समाचारपत्र क्रांति*, भारतीय जनसंचार संस्थान, दिल्ली, 2004
- चतुर्वेदी, जगदीश्वर. *हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका*, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स लिमिटेड (.प्रा), दिल्ली, 1997
- जोशी, शिवप्रसाद. *वेब पत्रकारिता नया मीडिया रुझान*, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2012
- सिंह, कुमार अजय. *मीडिया की बदलती भाषा*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012



**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**एम. ए. (हिंदी)**  
**Semester I ( For One Year PG)**  
**Semester III (For Two Year PG)**

**DSE 5 आधुनिक भारतीय साहित्य**

| Course title & Code            | Credits | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|--------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                |         | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| DSE 5<br>आधुनिक भारतीय साहित्य | 4       | 3                                 | 1        | —                    | स्नातक उत्तीर्ण                      | Annexure                              |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

- विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में तुलनात्मक साहित्य की समझ विकसित करना।
- विद्यार्थियों में भारतीय साहित्य में चित्रित भारतीय सांस्कृतिक वैविध्य की पहचान कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

- विद्यार्थी भारतीय साहित्य की अवधारणा समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी विभिन्न भाषाओं के साहित्य का अध्ययन करने के क्रम में तुलनात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी साहित्य में चित्रित भारतीय संस्कृति के वैविध्य से परिचित हो सकेंगे।

**इकाई 1 भारतीय साहित्य की संकल्पना**

(13 घंटे)

(क) भारतीयता : अर्थ और अवधारणा



- (ख) भारतीय साहित्य की एकात्मकता
- (ग) भारतीय साहित्य का वैशिष्ट्य
- (घ) भारतीय साहित्य के सांस्कृतिक आधार और मूल्यबोध

इकाई 2 भारतीय साहित्य : कविता

(13 घंटे)

- (क) बंकिम चंद्र चटोपाध्याय(बांग्ला) – वंदेमातरम् (1882, आनंदमठ)
- (ख) सुब्रह्मण्यम भारती (तमिल) – भारत माता की नवरत्न माला
- (ग) सीताकान्त महापात्र (उड़िया) – प्रतिवेशी, जाराशबर का संगीत
- (घ) वृजनारायण 'चक्रवर्त', 'खाक-ए-हिंद'

इकाई 3 भारतीय साहित्य : कथा साहित्य

(10 घंटे)

- (क) भैरप्पा (कन्नड़ उपन्यास) – आवरण
- (ख) गुमशुदा गाँव (गुजराती कहानी) – भावजी महेश्वरी
- (ग) एक अविस्मरणीय यात्रा (असमिया कहानी) – इंदिरा गोस्वामी
- (घ) लाल लुंगी (कन्नड़ कहानी) – बानू मुश्ताक

इकाई 4 भारतीय साहित्य : नाटक एवं अन्य गद्य विधाएं

(10 घंटे)

- (क) नट सम्राट (मराठी नाटक) – विष्णु वामन शिखाडकर

व्यवहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबंधित पुस्तकों रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य



### सहायक ग्रंथ

- डॉ नगेन्द्र(सं.). भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 2009
- शर्मा, डॉ. रामविलास. भारतीय साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2017
- शर्मा, डॉ. रामविलास. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2019
- श्रीनिवासराम, के. भारतीय साहित्य और संस्कृति, भावना प्रकाशन, दिल्ली, 2023
- दिनकर, रामधारी सिंह. संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, 2024
- सुब्रह्मण्यम. त्रिपाठी, कुमार प्रभात (अनु.). उदगाता, श्रीनिवास. पुरोहित, शंकरलाल. राष्ट्रीय कविताएं एवं पांचाली शपथम, जयश्री प्रकाश, दिल्ली,
- अपनी स्मृति की धरती, सीताकान्त महापात्र, अनुवादक प्रभात कुमार त्रिपाठी, श्रीनिवास उदगाता, शंकरलाल पुरोहित, जयश्री प्रकाशन, दिल्ली
- सुबह-ए-वतन, पं. वृज नारायण चक्रवर्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- गुरुदत्त, प्रधान (अनु.). आवरण, भैरप्पा, किताबधर प्रकाशन, दिल्ली, 2010
- केलकर, र.श. (अनु.). नट सम्राट, विष्णु वामन शिरवाडकर, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली
- चट्टोपाध्याय, बंकिमचंद्र, आनंदमठ, लोकभारती प्रकाशन, 2026

## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)



**Semester I ( For One Year PG)****Semester III (For Two Year PG)****DSE 6 हिंदी समाचार : निर्माण एवं लेखन**

| Course title<br>& Code                                | Credits  | Credit distribution of the course |          |                         | Pre-requisite<br>of the course<br>(if any) | Content of<br>Course and<br>reference is in |
|-------------------------------------------------------|----------|-----------------------------------|----------|-------------------------|--------------------------------------------|---------------------------------------------|
|                                                       |          | Lecture                           | Tutorial | Practical /<br>Practice |                                            |                                             |
| <b>DSE 6</b><br>हिंदी समाचार :<br>निर्माण एवं<br>लेखन | <b>4</b> | <b>3</b>                          | <b>1</b> | <b>0</b>                |                                            | —                                           |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- विद्यार्थियों को समाचार की अवधारणा तथा संरचना की समझ प्रदान करना।।
- समाचार लेखन के विभिन्न रूपों और तकनीकों का अभ्यास कराना।
- प्रिंट, रेडियो, टीवी और ऑनलाइन माध्यमों में समाचारों के लेखन क्षमता को विकसित करना।
- समाचार लेखन के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी समाचार की अवधारणा तथा संरचना की समझ प्राप्त कर सकेंगे।
- समाचार लेखन के विविध रूपों और तकनीकों से परिचित होंगे।
- विविध माध्यमों के लिए समाचार लेखन करना सीख सकेंगे।
- समाचार लेखन में दक्षता प्राप्त कर रोजगार के अवसर तलाश सकेंगे।

**इकाई-1: समाचार निर्माण और संपादन : सामान्य परिचय****(13 घंटे)**

- ❖ समाचार : अर्थ, तत्त्व एवं प्रकार
- ❖ समाचार के स्रोत : संवाददाता, संवाद समिति, सोशल मीडिया, प्रेस विज्ञप्ति
- ❖ फील्ड रिपोर्टिंग : तकनीक और चुनौतियाँ
- ❖ समाचार लेखन के सिद्धांत, संपादन का सिद्धांत

**इकाई-2: समाचार निर्माण : प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया****(12 घंटे)**

- ❖ पृष्ठ सज्जा, पेज मेकिंग ले-आउट और डिजाइनिंग, प्रूफ रीडिंग



- ❖ समाचार की संरचना - शीर्षक, वाय लाइन, लीड बॉडी, टेल
- ❖ रेडियो और टेलीविजन : समाचार संकलन, कॉपी लेखन, वाचन
- ❖ समाचार निर्माण (कैमरा, माइक, लाइटिंग, ग्राफिक्स और वीएफएक्स, एडिटिंग)

इकाई-3: समाचार निर्माण का आधुनिक संदर्भ

(10 घंटे)

- ❖ डिजिटल न्यूज़रूम
- ❖ न्यूज़ पोर्टल, मोबाइल जर्नलिज़्म (MoJo)
- ❖ ऑडियो-विजुअल समाचार, सोशल मीडिया
- ❖ एआई और डेटा-आधारित समाचार उत्पादन, सत्यापन की चुनौतियाँ

इकाई-4 : समाचार लेखन: व्यावहारिक कार्य

(10 घंटे)

- ❖ न्यूज़ कॉपी तैयार करना (प्रिंट/ऑनलाइन/ऑडियो विजुअल)
- ❖ प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए प्रेस विज्ञप्ति से समाचार तैयार करना
- ❖ ऑनलाइन और मोबाइल पत्रकारिता के लिए लेखन
- ❖ मल्टीमीडिया न्यूज़ कंटेंट की भाषा, सोशल मीडिया पोस्ट और कैप्शन लेखन

**व्यावहारिक कार्य :**

- समूह चर्चा करना।
- किसी विषय पर प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए समाचार तैयार करना।
- समाचार का संपादन करना, कॉपी लेखन करना।
- प्राप्त डाटा को समाचार में रूपांतरित करना।
- मोबाइल की सहायता से दो से पांच मिनट का समाचार क्लिप तैयार करना।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य अथवा अन्य कार्य।

**सहायक ग्रंथ :**

- हरिमोहन, समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 2023
- नारायणन, के.पी. संपादन कला, हिंदी ग्रंथ अकादमी, मध्यप्रदेश, 2011
- शर्मा, श्यामसुन्दर. आधुनिक समाचार पत्र मुद्रण और पृष्ठ सज्जा, हिंदी ग्रंथ अकादमी, मध्यप्रदेश, 2012
- सिंह, सुधा. सूचना समाज, नॉटनल



- परांजपे, वी. के. *समाचार लेखन और संपादन*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
- शर्मा, रमेश. *पत्रकारिता के सिद्धांत और समाचार लेखन*, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय प्रकाशन, भोपाल, 2012
- शर्मा, रमेश. *समाचार निर्माण और संपादन कला*, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 2013
- दाधीच, बालेन्दु शर्मा. *तकनीक तेरे कितने आयाम*, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 2022

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**एम. ए. (हिंदी)**  
**Semester I (For One Year PG)**



Semester III (For Two Year PG)  
**GE1** हिंदी के संपादक-साहित्यकारों का निबंध साहित्य

| Course title & Code                                         | Credits  | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------------------------------|----------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                             |          | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| <b>GE1</b><br>हिंदी के संपादक-साहित्यकारों का निबंध साहित्य | <b>4</b> | <b>3</b>                          | <b>1</b> | <b>—</b>             | स्नातक उत्तीर्ण                      | <b>Annexure</b>                       |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):**

- निबंध की अवधारणा एवं प्रकार से परिचित कराना ।
- संपादक-साहित्यकारों-पत्रकारों द्वारा लिखे गए निबंधों की जानकारी देना ।
- पत्रकारों द्वारा लिखे गए हिंदी निबंधों की चेतना से अवगत कराना ।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी निबंध की अवधारणा से परिचित होंगे ।
- संपादक-साहित्यकारों द्वारा लिखे गए निबंधों की जानकारी प्राप्त करेंगे ।
- निबंधों में व्यक्त चेतना से अवगत होंगे ।

**इकाई-1 : हिंदी निबंध : अर्थ एवं अवधारणा (13 घंटे)**

- हिंदी निबंध :अर्थ ,अवधारणा एवं प्रकार
- हिंदी निबंध का विकास
- हिंदी के प्रमुख संपादक-साहित्यकारों की परंपरा



- संपादक-साहित्यकारों के निबंध :वैशिष्ट्य और सीमाएं

#### इकाई-2:संपादक-साहित्यकारों के निबंध-1(12घंटे)

- भारतेन्दु हरिश्चंद्र – जातीय संगीत
- महावीर प्रसाद द्विवेदी– स्त्रियों का सामाजिक जीवन
- प्रेमचंद– मानसिक पराधीनता
- हीरा देवी चतुर्वेदी)मनोरमा ,संपादक : (भारतीय नारी की आकांक्षा

#### इकाई – 3 :संपादक-साहित्यकारों के निबंध-2(10घंटे)

- गणेश शंकर विद्यार्थी : स्वराज्य की आकांक्षा
- राधामोहन गोकुल: सत्यं शिवं सुंदरम्
- प्रभाष जोशी : नर्मदा के बरमान घाट पर जिनकी झोंपड़ी
- महादेवी वर्मा :हमारी शृंखला की कड़ियां 1 –

#### इकाई –4 :संपादक-साहित्यकारों के निबंध-3(10घंटे)

- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय : 'कला भाषा और औपनिवेशिक मानस
- धर्मवीर भारती : आधुनिकता अर्थात् संकट का बोध
- मृणाल पांडेय :गरीबी का महिलाकरण
- रघुवीर सहाय : ऊबे हुए सुखी

#### व्यावहारिक कार्य:

- समूह चर्चा करना ।
- संपादक-साहित्यकारों द्वारा लिखे गए अन्य निबंधों की समीक्षा करना ।
- वर्तमान में निबंध लेखन में सक्रिय संपादक-साहित्यकारों की सूची तैयार करना एवं रिपोर्ट लेखन।
- वर्तमान संपादक-साहित्यकारों के साक्षात्कार ।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य अथवा अन्य कार्य ।



### सहायक ग्रंथ:

- सिंह ,सुधा) संपादक.(हिंदी का आरंभिक स्त्री चिंतन, एकेडमिक पब्लिकेशन , 2024
- जोशी ,प्रभाष.मसिकागद, राजकमल प्रकाशन2010 ,
- तिवारी ,विनोद) संपादक.(आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी के श्रेष्ठ निबंध, लोकभारती प्रकाशन2016 ,
- वर्मा एवं गोयनका ,निर्मलएवं कमल किशोर )संपादक,(प्रेमचंद रचना संचयन, साहित्य अकादेमी2006 ,
- सहाय ,रघुवीर.ऊबे हुए सुखी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,प्रथम संस्करण 1983
- शिशिर ,कर्मेदु) संपादक.(राधामोहन गोकुल की प्रतिनिधि रचनाएं ,संभावना प्रकाशन2003 ,
- रस्तोगी ,गिरीश) चयन एवं संपादन.(भारतेंदु रचना संचयन, साहित्य अकादमी 2010 ,
- सलिल ,सुरेश) चयन एवं संपादन.(गणेश शंकर विद्यार्थी संचयन, साहित्य अकादमी 2014 ,
- पांडेय ,मृणाल .परिधि पर स्त्री, राधाकृष्ण प्रकाशन ,नई दिल्ली1996 ,

### राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Semester I (For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)



**GE 2 हिंदी का लोकप्रिय साहित्य**

| Course title & Code                      | Credits  | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|------------------------------------------|----------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                          |          | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| <b>GE 2</b><br>हिंदी का लोकप्रिय साहित्य | <b>4</b> | <b>3</b>                          | <b>1</b> | <b>—</b>             | स्नातक उत्तीर्ण                      | <b>Annexure</b>                       |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को लोकप्रिय साहित्य के अर्थ , अवधारणा और परंपरा से परिचित कराना ।
- लोकप्रिय साहित्य और लोकप्रिय संस्कृति के अंतरसंबंधों की जानकारी देना ।
- हिंदी के लोकप्रिय साहित्य के महत्व , तत्वों और उपलब्धियों से परिचित कराना ।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी लोकप्रिय साहित्य के अर्थ , स्वरूप , परंपरा और महत्व से परिचित होंगे ।
- लोकप्रिय साहित्य और लोकप्रिय संस्कृति के साम्य-वैषम्य की जानकारी प्राप्त करेंगे ।
- हिंदी के लोकप्रिय साहित्य के तत्वों , उपलब्धियों और इनके व्यापक प्रसार के कारणों से परिचित होंगे ।

**इकाई –1 : लोकप्रिय साहित्य और लोकप्रिय संस्कृति और वैश्विक संदर्भ (13 घंटे)**

- लोकप्रिय साहित्य और लोकप्रिय संस्कृति : अर्थ, प्रकृति एवं अवधारणा



- लोकप्रिय साहित्य का इतिहास : वैश्विक संदर्भ
- हिंदी के लोकप्रिय साहित्य का विकास : युग , परिवेश और तत्व
- तिलस्मी, ऐय्यारी , जासूसी एवं रोमानी साहित्य , मंचीय कविता, लोकप्रिय सम्मेलनी गीत

**इकाई – 2 : लोकप्रिय साहित्य : परंपरा, विकास, तत्व और बाजार की संस्कृति (12घंटे)**

- शिष्ट-शास्त्रीय साहित्य एवं लोकप्रिय साहित्य का अन्तर्सम्बन्ध
- हिंदी के लोकप्रिय साहित्य की प्रवृत्तियाँ : मनोरंजन, पठनीयता, कल्पना व रोमांच
- लोकप्रिय साहित्य : यथार्थ से सम्बन्ध , बाजार की संस्कृति और लोकप्रिय साहित्य
- लोकप्रिय साहित्य : विषय-वस्तु , भाषा और सोशल मीडिया

**इकाई – 3 : हिंदी का लोकप्रिय साहित्य : पाठ-संदर्भ और विश्लेषण-1 (10घंटे)**

- चंद्रकांता: देवकीनंदन खत्री
- अद्भुत लाश: गोपालराम गहमरी
- चौदह फेरे: शिवानी
- किस्मत का खेल : सुरेंद्र मोहन पाठक

**इकाई – 4 : हिंदी का लोकप्रिय साहित्य: पाठ-संदर्भ और विश्लेषण – 2 (10घंटे)**

- अनुशासनहीनता और भ्रष्टाचार , दहेज की बारात , अमंगल आचरण, सारे जहां से अच्छा : काका हाथरसी
- दो दिलों के दरमियां, बेटियां , उंगलियां थाम के खुद, उतनी दूर पिया तू मेरे गांव से : कुंवर बेचैन
- आओ साथ हमारे , कल हमारा है , तू जिंदा है तो जिंदगी की जीत पर यकीन कर , पंद्रह अगस्त: शंकर शैलेंद्र
- सिक्के की औकात , नया आदमी , जंगल गाथा, मेमने ने देखे जब गैया के आंसू : अशोक चक्रधर



**व्यावहारिक कार्य:**

- समूह परिचर्चा करना।
- इस प्रश्न से संबंधित रचनाओं की समीक्षा करना।
- लोकप्रिय साहित्य के सामाजिक प्रभाव को समझना।
- लोकप्रिय साहित्य के प्रमुख रचनाकारों का साक्षात्कार।
- हिंदी के लोकप्रिय साहित्य की प्रमुख विद्याओं की प्रतिनिधि कृतियों की सूची तैयार करना ।

**संदर्भ ग्रंथ सूची :**

- पचौरी ,सुधीश. *पापुलर कल्चर*, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण, 2004.
- एडानो ,टी .डब्ल्यू. *संस्कृति उद्योग*, ग्रंथशिल्पी प्रकाशन, दिल्ली ,प्रथम हिंदी संस्करण, 2006.
- ग्राम्शी ,एंटोनियो. *सांस्कृतिक और राजनीतिक चिंतन के बुनियादी सरोकार*, ग्रंथशिल्पी प्रकाशन, दिल्ली .2012
- रंजन ,प्रभात. *पापुलर हिंदी लुगदी हिंदी*, जानकीपुल .2017 ,
- Fiske, John. *Understanding Popular Culture*, Routledge, 1989.
- बेचैन ,कुंअर. *दिन दिवंगत हुए*, हिंदी साहित्य निकेतन.2005 ,
- कृष्ण ,संजय)सं..(*गोपालराम गहमरी की जासूसी कहानियां*, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ,2019.
- सुधांशु एवं सिंह ,डॉ. अनिरुद्ध कुमार एवं हेमंत कुमार. *लोकप्रिय हिंदी साहित्य*, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली.2024 ,

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Semester I ( For One Year PG)



**Semester III (For Two Year PG)**  
**SBC1 प्रयोजनमूलक हिंदी**

| Course title & Code              | Credits  | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|----------------------------------|----------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                  |          | Lecture                           | Tutorial | Practical/Practic e |                                      |                                       |
| <b>SBC1</b><br>प्रयोजनमूलक हिंदी | <b>2</b> | <b>1</b>                          | <b>0</b> | <b>1</b>            | BA (H.) Hindi                        | —                                     |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- प्रयोजनमूलक हिंदी की आधारभूत समझ विकसित करना ।
- प्रयोजनमूलक हिंदी और हिंदी के अन्य भाषा रूपों के साथ अंतःसंबंध से परिचय कराना ।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- प्रयोजनमूलक हिंदी की आधारभूत समझ विकसित होगी ।
- प्रयोजनमूलक हिंदी के उद्देश्य एवं प्रयोग क्षेत्र का परिचय प्राप्त हो सकेगा ।
- रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों से प्रयोजनमूलक हिंदी के महत्व की जानकारी प्राप्त होगी ।

**इकाई-1: प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थ स्वरूप एवं प्रकार** (..... घंटे)

- प्रयोजनमूलक हिंदी का अभिप्राय, विशेषताएं
- कार्यालयी हिंदी और प्रयोजनमूलक हिंदी में अंतर
- वित्त-वाणिज्य एवं बैंकिंग के क्षेत्र की हिंदी : स्वरूप, तत्व और विशेषताएं
- विधि, संचार माध्यम और विज्ञापन की हिंदी : स्वरूप, तत्व और विशेषताएं

**इकाई- 2 : प्रयोजनमूलक हिंदी : व्यावहारिक कार्य** (..... घंटे)

- प्रशासनिक पत्राचार लेखन-सामान्य आदेश, परिपत्र, टिप्पण लेखन, प्रतिवेदन, आवेदन
- प्रशासनिक शब्दावली और उसका प्रयोग



- प्रमुख अभिव्यक्तियों और वाक्यांशों के अर्थ और अनुप्रयोग
- प्रमुख पदनाम और संक्षिप्तियां

#### व्यवहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबंधित पुस्तकों रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

#### सहायक ग्रंथ:

- गोस्वामी, प्रो. कृष्ण कुमार; प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, कलिंगा पब्लिकेशंस, दिल्ली
- मिश्र, राजेंद्र; प्रयोजनमूलक हिंदी और जनसंचार, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
- सोनटक्के, माधव; प्रयोजनमूलक हिंदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- पाण्डेय, कैलाश नाथ; प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- श्रीवास्तव, राजेंद्र प्रसाद; प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**एम. ए. (हिंदी)**  
**Semester I ( For One Year PG)**



Semester III (For Two Year PG)  
SBC2 हिंदी रंगमंच : व्यावहारिक पक्ष

| Course title & Code                    | Credits | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|----------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                        |         | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| SBC2<br>हिंदी रंगमंच : व्यावहारिक पक्ष | 2       | 1                                 | 0        | 1                    | स्नातक उत्तीर्ण                      | Annexure                              |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को रंगमंच के विभिन्न घटकों से परिचित कराना ।
- रंगमंच के विविध व्यावहारिक पक्षों की जानकारी देना ।
- नाटक की प्रस्तुति प्रक्रिया से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- 10. विद्यार्थी रंगमंच के विविध घटकों से परिचित हो सकेंगे ।
- 11. रंगमंच के विविध व्यावहारिक पक्षों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी ।
- 12. नाटक की प्रस्तुति प्रक्रिया से परिचय होगा ।

इकाई –1:रंगमंच की सृजन प्रक्रिया (.... घंटे)

- नाटककार एवं नाटक –भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद, जगदीश चन्द्र माथुर, बर्तोल्त ब्रेख्त
- निर्देशक एवं प्रस्तुति आलेख – रामगोपाल बजाज, इब्राहिम अल्का जी, देवेन्द्र राज अंकुर, सत्यदेव दुबे



- अभिनेता एवं अभिनय -
- मूल आलेख, सृजनशीलता एवं देशकाल

## इकाई -2: रंगमंच की प्रस्तुति प्रक्रिया

(.... घंटे)

- मंच सज्जा )ध्वनि ,संगीत ,नृत्य एवं प्रकाश(
- संवाद-लेखन तिप्रस्तु/
- प्रस्तुति पूर्व अभ्यास) रिहर्सल (
- प्रस्तुति /मंचन

### व्यावहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबंधित पुस्तकों रचनाओं की समीक्षा करना /
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

### सहायकग्रंथ:

- जैन ,नेमिचंद्र . रंगदर्शन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2023
- जैन ,नेमिचंद्र. दृश्य-अदृश्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1994
- तनेजा, जयदेव. आधुनिक भारतीय रंगलोक, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 2006
- अंकुर ,देवेन्द्रराज. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2023
- अंकुर ,देवेन्द्रराज . अंतरंग-बहिरंग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2013
- ओझा ,डॉ .दशरथ .हिंदी नाटक उद्भव और विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली, 2013
- प्रसाद ,जयशंकर . काव्य कला तथा अन्य निबंध, डायमंड पॉकेट बुक्स, दिल्ली ।
- कुमार ,आचार्य )डॉ (.चंदन . रंग का लोक ,स्वराज प्रकाशन ,दिल्ली ।



- कुमार ,सिद्धनाथ .*नाटकालोचन के सिद्धांत*, भावना प्रकाशन, दिल्ली
- मलिक कुसुमलता. *स्वातंत्र्योत्तर पारंपरिक रंग प्रयोग*, इंडियन पब्लिशर डिस्ट्रीब्यूटर, कमला नगर, दिल्ली, 2009



## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

## M.A. Hindi

## Structure 3 (Level 6.5) : Research

Semester I (For One Year PG) /  
Semester III (For Two Year PG)

| No. | Paper Type                     | Paper Name                                           | Page No. |
|-----|--------------------------------|------------------------------------------------------|----------|
| 1   | DSC 1                          | 1. शोध : क्षेत्र, विषय और संभावनाएं                  |          |
| 2   | Pool of DSE<br>(For I/III Sem) | 1. आदिकालीन साहित्य : शोध की संभावनाएं और समस्याएं   |          |
|     |                                | 2. भक्तिकालीन साहित्य : शोध की संभावनाएं और समस्याएं |          |
|     |                                | 3. रीतिकालीन साहित्य : शोध की संभावनाएं और समस्याएं  |          |
|     |                                | 4. आधुनिक कविता : शोध की संभावनाएं और समस्याएं       |          |
|     |                                | 5. काव्यशास्त्र : शोध की संभावनाएं और समस्याएं       |          |
| 3   | Research<br>Methodology        | 1. शोध : प्रक्रिया, प्रविधि एवं दिशाएं               |          |



**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**एम. ए. हिंदी**  
**Structure 3 (Level 6.5): Research**  
**सेमेस्टर I (For One Year PG)**  
**सेमेस्टर III (For Two Year PG)**  
**DSC 1 – शोध: क्षेत्र, विषय और संभावनाएं**

| Course title & Code                             | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                 |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSC 1<br>शोध : क्षेत्र,<br>विषय और<br>संभावनाएं | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- ❑ विद्यार्थियों को हिंदी के विभिन्न शोध क्षेत्रों से परिचित कराना ।
- ❑ हिंदी भाषा एवं साहित्य से संबंधित विभिन्न समस्या मूलक शोध विषयों की जानकारी देना ।
- ❑ हिंदी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में शोध की संभावनाओं से अवगत कराना ।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- ❑ विद्यार्थी हिंदी के विभिन्न शोध क्षेत्रों से परिचित होंगे ।
- ❑ हिंदी भाषा एवं साहित्य से संबंधित विभिन्न समस्या मूलक शोध विषयों की जानकारी प्राप्त होगी।
- ❑ हिंदी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में शोध की संभावनाओं से अवगत होंगे।

**इकाई 1 : मध्यकालीन हिंदी साहित्य (8वीं शताब्दी से 18वीं शताब्दी तक) (13 घंटे)**

- आदिकालीन साहित्य: शोध की संभावनाएं और समस्याएं



- भक्तिकालीन साहित्य: शोध की संभावनाएं और समस्याएं
- रीतिकालीन साहित्य: शोध की संभावनाएं और समस्याएं

### **इकाई 2 : आधुनिक हिंदी साहित्य (कविता, नाटक-रंगमंच, कथा साहित्य एवं अन्य गद्य विधाएं) (12 घंटे)**

- कविता: शोध की संभावनाएं और समस्याएं
- नाटक एवं रंगमंच: शोध की संभावनाएं और समस्याएं
- कथा साहित्य : शोध की संभावनाएं और समस्याएं
- अन्य गद्य विधाएं : शोध की संभावनाएं और समस्याएं

### **इकाई 3 : प्रमुख शोध दृष्टियां (10 घंटे)**

- शास्त्रीय दृष्टि
- मनोविश्लेषणवादी दृष्टि
- सांस्कृतिक अध्ययन
- समाजशास्त्रीय दृष्टि
- मार्क्सवादी दृष्टि

### **इकाई 4 : हिंदी साहित्य में शोध के नवीन क्षेत्र (10 घंटे)**

- स्त्री विमर्श और हिंदी साहित्य
- दलित विमर्श और हिंदी साहित्य, जनजातीय विमर्श, विकलांग विमर्श और हिंदी साहित्य
- भाषा विज्ञान, अनुवाद
- जनसंचार माध्यम के विविध रूप और हिंदी साहित्य

### **व्यावहारिक कार्य :**

- हिंदी भाषा एवं साहित्य में संभावित शोध विषयों की सूची तैयार करना ।
- हिंदी भाषा एवं साहित्य विषयक शोध में सहायक सॉफ्टवेयर पर रिपोर्ट लेखन ।
- सर्वेक्षण एवं साक्षात्कार हेतु प्रश्नावली का निर्माण ।
- साहित्य समीक्षा ।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना अथवा अन्य कार्य ।

### **सहायक ग्रंथ:**

- शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, उत्तर प्रदेश ।
- द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य का आदिकाल, राजकमल प्रकाशन, संस्करण, दिल्ली
- सिंह, नामवर सिंह, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण.2008 उत्तर प्रदेश ।
- तिवारी, रामचंद्र; हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर, संस्करण.2016 उत्तर प्रदेश।



- जैन, नेमिचंद; रंगदर्शन, राधाकृष्ण प्रकाशन, संस्करण.2015, नई दिल्ली ।
- शर्मा, देवेन्द्रनाथ; भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, संस्करण.2014, नई दिल्ली ।
- शर्मा, राम विलास; भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- सिंह, सुधा, जनमाध्यम सैद्धांतिकी मॉडल और विचारधारा, एकैडमिक पब्लिकेशन, 2021, दिल्ली ।
- चतुर्वेदी, जगदीश्वर; दलित साहित्य और विचारधारा, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2021 दिल्ली ।
- विद्यार्थी, ललित प्रसाद; भारतीय आदिवासी, उनकी संस्कृति और सामाजिक पृष्ठभूमि,
- रविकांत; हिंदी सिनेमा का साहित्यिक परिदृश्य, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली ।
- मुकुल, मंजु; मीडिया में अनुवाद का संप्रेषणधर्मी नवीन मॉडल, हंस प्रकाशन, दिल्ली ।



## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

## एम. ए. हिंदी

## Structure 3 (Level 6.5) : Research

## Semester I ( For One Year PG)

## Semester III (For Two Year PG)

## DSE - आदिकालीन साहित्य: शोध की संभावनाएं एवं समस्याएं

| Course title & Code                                              | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|------------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                  |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>आदिकालीन<br>साहित्य : शोध की<br>संभावनाएं एवं<br>समस्याएं | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

## पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- ❑ विद्यार्थियों को आदिकालीन हिंदी साहित्य के विभिन्न शोध क्षेत्रों से परिचित कराना।
- ❑ आदिकालीन साहित्य संबंधी विभिन्न समस्यामूलक शोध विषयों की जानकारी देना।
- ❑ आदिकालीन साहित्य में शोध की संभावनाओं से अवगत कराना।

## पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- ❑ विद्यार्थियों में आदिकालीन साहित्य की काल-निर्धारक शोध दृष्टि विकसित हो सकेगी।
- ❑ आदिकालीन साहित्य संबंधी विभिन्न समस्यामूलक शोध विषयों से अवगत हो सकेंगे।
- ❑ आदिकालीन साहित्य के विविध क्षेत्रों एवं विषय संबंधी शोध की संभावनाओं का बोध होगा।

## इकाई 1 : आदिकालीन हिंदी साहित्य : काल विभाजन और नामकरण

(10 घंटे)

- आदिकालीन हिंदी साहित्य का आरंभ
- काल निर्धारण का ऐतिहासिक एवं भाषिक आधार
- आदिकाल का नामकरण संबंधी विविध दृष्टिकोण
- आदिकाल एवं भक्तिकाल : हिंदी साहित्य का संक्रांति स्थल

## इकाई 2 : आदिकालीन साहित्य के पाठ-अनुसंधान की समस्याएं

(13 घंटे)

- पाठ अनुसंधान के प्राथमिक स्रोत



- पाठ के विविध संस्करणों की उपलब्धता एवं प्रामाणिकता का प्रश्न
- आदिकालीन भाषा काव्य और अर्थ अन्वेषण
- उपलब्ध पाठों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भ

**इकाई 3 : आदिकालीन रासक एवं रासो काव्य : शोध की संभावनाएं**

(11 घंटे)

- रास काव्य की परंपरा
- रासक काव्य की सौन्दर्य चेतना
- रासो काव्य का स्वरूप एवं अर्थ अन्वेषण
- रासो काव्य की प्रामाणिकता का प्रश्न एवं लोक मान्यताएं

**इकाई 4 : आदिकालीन हिंदी साहित्य की भाषा एवं विविध काव्यरूप**

(11 घंटे)

- अपभ्रंश और हिंदी का अंतःसंबंध
- अपभ्रंश की साहित्यिक परंपरा : सिद्ध एवं नाथ साहित्य
- अपभ्रंश के विविध काव्यरूप और प्रारंभिक हिंदी
- विद्यापति, अमीर खुसरो एवं अन्य रचनाकारों की भाषा एवं काव्यरूप

**सहायक ग्रंथ :**

1. शुक्ल, रामचंद्र. हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, 2025, वाराणसी
2. द्विवेदी, हजारी प्रसाद. हिंदी साहित्य का आदिकाल, वाणी प्रकाशन, 2021
3. द्विवेदी, हजारी प्रसाद. हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, संस्करण. 2017 दिल्ली
4. गुलेरी, चंद्रधर शर्मा. पुरानी हिंदी, नागरी प्रचारिणी सभा, संस्करण. 1960 वाराणसी
5. त्रिपाठी, राममूर्ति. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादेमी, संस्करण. 1973 भोपाल
6. सिंह, नामवर. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग, लोकभारती प्रकाशन, संस्करण. 1952 प्रयागराज
7. राय, अनिल. आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएं, वाणी प्रकाशन, संस्करण. 2024 दिल्ली
8. कोछड़, हरिवंश. अपभ्रंश साहित्य, आत्माराम एण्ड संस, संस्करण. 1965, दिल्ली



## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Structure 3 (Level 6.5) : Research

Semester I ( For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

DSE – भक्तिकालीन साहित्य: शोध की संभावनाएं एवं समस्याएं

| Course title & Code                                               | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                   |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>भक्तिकालीन<br>साहित्य: शोध की<br>संभावनाएं एवं<br>समस्याएं | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

## पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- ❑ विद्यार्थियों को भक्तिकाल की सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और भाषा-आधारित पृष्ठभूमि को समझाना ।
- ❑ भक्तिकालीन काव्य और साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियां, कवि तथा संप्रदायों का ज्ञान विकसित करना ।
- ❑ भक्तिकालीन साहित्य के आलोचनात्मक विमर्श, समकालीन प्रासंगिकता और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों की पहचान करना ।

## पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- ❑ विद्यार्थी भक्तिकालीन साहित्य के सामाजिक, धार्मिक, भाषाई और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य को समझने में सक्षम होंगे ।
- ❑ भक्तिकाल पर विभिन्न समकालीन आलोचनात्मक दृष्टिकोण (जैसे नारीवादी, दलित, उत्तर-औपनिवेशिक) से विचार कर सकते हैं ।
- ❑ भक्ति साहित्य के प्रति गहरी समझ, सांस्कृतिक सहिष्णुता, मानवता और समाज सुधार के प्रति जागरूकता विकसित होगी ।

## इकाई 1 : भक्तिकाल का उदय

- भक्ति कविता और भारतबोध
- राजनीतिक हस्तक्षेप, विदेशी आक्रमण और धार्मिक दृष्टि
- अवतरवाद, लीला, लोक और भारतीय समाज
- भक्तों की यात्राएं, भाषा संस्कार और भारतभाव



### इकाई 2 : भक्ति साहित्य : दार्शनिक पीठिका

- अद्वैत, विशिष्टाद्वैत
- द्वैत, द्वैताद्वैत
- शुद्धाद्वैत, सूफी
- भक्तिकाल की धाराएं

### इकाई 3 : भक्तिकाल का आदर्शलोक

- संत काव्यधारा
- सगुण काव्यधारा
- निर्गुण काव्यधारा
- सूफी काव्यधारा

### इकाई 4 : भक्तिकाल का सातत्य : शिल्प और उत्सव का आरोहण

- गार्हस्थ्य बोध की प्रेम कविताएं
- काव्यशास्त्रीय पदचिह्न : शिल्प का सौंदर्य
- निर्गुण-सगुण अभिव्यक्ति का अभिव्यंजना कौशल
- संस्कृति का उत्सव बोध : रस का लोकतंत्र

#### व्यावहारिक कार्य:

- भक्ति काल के उदय की विभिन्न मान्यताओं पर समूह चर्चा
- भक्ति काल के दार्शनिक पक्षों को साथ रखकर भक्त कवियों की समीक्षा करना
- वर्तमान में भक्त कवियों के स्वप्नलोक की प्रासंगिकता की दृष्टि से लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य अथवा अन्य कार्य

#### सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, रामचंद्र. हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1929.
2. ताराचंद, भारतीय संस्कृति में इस्लाम का प्रभाव, ग्रंथ शिल्पी, इंडिया
3. द्विवेदी, हजारी प्रसाद. हिंदी साहित्य की भूमिका. हिंदी-ग्रंथ रत्नाकर कार्यालय, बंबई, 1940.
4. शर्मा, कृष्ण गोपाल, भारत की संत परंपरा और सामाजिक समरसता, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 2011
5. शर्मा, रामविलास. भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2001.
6. मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद. हिंदी साहित्य का अतीत, भाग 1-2, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी, 1959-1960.
7. सिंह, सुधा (सं.), मध्यकालीन साहित्य विमर्श, ई-बुक, नॉटनल डॉट कॉम
8. पचौरी, सुधीश, तीसरी परंपरा की खोज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2019



9. ., आचार्य (डॉ.) चन्दन. ... हिंदुवानी हों रहूँगी, भारतीय विद्या अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली, 2025

### राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Structure 3 (Level 6.5) : Research

Semester I ( For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

DSE – रीतिकालीन साहित्य: शोध की सम्भावनाएँ एवं समस्याएँ

| Course title & Code                                               | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                   |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>रीतिकालीन<br>साहित्य: शोध की<br>सम्भावनाएँ एवं<br>समस्याएँ | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

#### पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

- ❑ विद्यार्थियों को रीतिकालीन साहित्य की साहित्यिक, सौन्दर्यशास्त्रीय और कला बोध की परम्परा से परिचित कराना.
- ❑ विद्यार्थियों को रीतिकालीन साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियों, साहित्यायिक तत्वों और उसके सामाजिक संदर्भों की जानकारी देना.
- ❑ रीतिकालीन साहित्य के माध्यम से भारतीय सौन्दर्यबोध की मान्यताओं, काव्यशास्त्रीय मानदंडों और भाषाई उपलब्धियों के क्षेत्र में शोध की नवीन संभानाओं से परिचित कराना.

#### पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- ❑ विद्यार्थी रीतिकालीन साहित्य के सौन्दर्य और उसमें अंतर्निहित कलात्मक अभिरुचि से परिचित हो सकेंगे.
- ❑ हिन्दी का रीतिकालीन साहित्य की काव्यात्मक, काव्यशास्त्रीय और व्याकरणिक दृष्टि से अध्ययन-अध्यापन एवं शोध की नवीन दृष्टियों और दिशाओं की जानकारी प्राप्त करेंगे.
- ❑ इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी के रीतिकालीन साहित्य की संरचना और ब्रज भाषा के अन्तर्सम्बन्धों जानकारी प्राप्त करने के साथ ही इस क्षेत्र में शोध एवं अनुसन्धान की समस्याओं को समझने और उनके तार्किक समाधान की दिशा में अग्रसर हो होंगे.

इकाई 1 : रीतिकालीन साहित्य : परम्परा, प्रेरणा और काव्यशास्त्र

(13 घंटे)



- रीतिकालीन साहित्य और हिन्दी साहित्य का इतिहास, ऐतिहासिक सन्दर्भ, सामाजिक-सांस्कृतिक अवस्थिति, साहित्येहास की संरचना और रीतिकालीन साहित्यिक तत्वों का अध्ययन विश्लेषण, साहित्येहास में रीतिकाव्य के आंतरिक विभाजन (रीतिबद्ध, रीति सिद्ध और रीतिमुक्त) सम्बन्धी अध्ययन की समस्याएँ, औचित्य और उक्त विभाजन सम्बन्धी वैकल्पिक एवं नवीन दृष्टिकोणों का शोध
- रीतिकालीन साहित्य और संस्कृत काव्यशास्त्र : रस, रीति, वक्रोक्ति, ध्वनि, औचित्य, संस्कृत काव्यशास्त्र के साहित्यिक मानदंड और रीतिकालीन काव्य में नव्य तत्वों का शोध-विश्लेषण
- रीतिकालीन साहित्य और आचार्य परम्परा, आचार्यत्व की भंगिमा, लक्षण-ग्रन्थ एवं अन्य साहित्यिक कृतियों का शास्त्रीय, सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन एवं इसकी समकालीन साहित्य के संरचना, कला पक्ष और भाव पक्ष के आधार पर उपादेयता की खोज और शोध-अध्ययन
- रीति काव्य , रीति तत्व, रस, छंद और अलंकार, काव्य निरूपण, नायिका भेद, शास्त्रीय विवेचन, प्रेम, भक्ति, श्रृंगार, नीति, रीति, वीर रस से सम्बन्धी प्रवृत्तियों का सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन

## इकाई 2 : रीतिकालीन साहित्य और भारतीय सौन्दर्यशास्त्र

( 1 1

घंटे)

- सौन्दर्यशास्त्र : अर्थ, अवधारणा और भारतीय एवं पाश्चत्य सौन्दर्यशास्त्र के मानदंडों के आलोक में रीतिकालीन साहित्य का अध्ययन.
- रीतिकालीन साहित्य में सौन्दर्यशास्त्रीय तत्व और कला सम्बन्धी समकालीन बहसों का तार्किक विश्लेषण और शोध.
- रीतिकालीन साहित्य और समकालीन कलाएँ : चित्रकला, स्थापत्यकला, मूर्तिकला और संगीत की आपसदारी तथा प्रेरणा और प्रभाव की अन्योन्याश्रयिता का शोध और अध्ययन.
- रीतिकालीन साहित्य : लक्षण ग्रन्थ, पद्य रचनाएँ, गद्य रचनाएँ और समकालीन उर्दू कविता के साथ सहसम्बन्धों की दिशा और दशा का विश्लेषण. रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख एवं अल्पज्ञात ग्रन्थों का पाठालोचन, पाठकेन्द्रित अध्ययन और विश्लेषण.

## इकाई 3 : रीतिकालीन साहित्य के मूल्यांकन की समस्याएँ और आलोचकीय कसौटियाँ (11 घंटे)

- आलोचना और रीतिकालीन साहित्य, रीतिकालीन साहित्य संदर्भित विभिन्न आलोचना-दृष्टियाँ, काव्य निरूपण, श्रृंगारपरक, भक्तिपरक, नीतिपरक, वीरपरक रीतिकालीन साहित्य सम्बन्धी आलोचना की समर्थ और सीमाओं का अध्ययन
- औपनिवेशिक साहित्यिक नैतिकता और रीतिकालीन साहित्य के मूल्यांकन की समस्याएँ और समाधान की नई दृष्टि, भारतीय चिन्तन परम्परा के साहित्यिक मूल्य और रीतिकालीन साहित्य
- दरबारी साहित्य, जन साहित्य, साहित्य की सामाजिक भूमिका जैसी आलोचकीय संरचनाएँ और रीतिकालीन साहित्य के मूल्यांकन सम्बन्धी तथ्य, तार्किकता और वास्तविकता का शोध अध्ययन
- रीतिकाव्य द्वारा अध्यात्मिक व्यंजना के बरक्स इहलौकिकता के कलात्मक सौन्दर्य के वैभव की प्रतिष्ठा, भौतिकता का आकर्षण के मूल्यांकन की सीमाओं का अध्ययन एवं तत्कालीन उर्दू-फारसी कविता की साझा सांस्कृतिक एवं भाषायी भूमि और भूमिका का अध्ययन-विश्लेषण

## इकाई : 4 – रीतिकालीन साहित्य : शोध अध्ययन की नई संभावनाएँ

(10 घंटे)



- मध्यकालीन काव्य शैलियाँ, लक्षण ग्रन्थ, प्रबंध ग्रन्थ, खंड काव्य, मुक्तक काव्य. कथानक रुढ़ियाँ, कवि समय और पारम्परिक काव्य प्रतिमानों के आलोक में रीतिकालीन साहित्य का अध्ययन.
- ब्रजभाषा का विकास, रीतिकालीन साहित्य, उर्दू और फारसी कविता और ब्रज भाषा में रचित रीतिकालीन साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन.
- रीतिकालीन साहित्य में चित्रित मध्यकाल का समाज, सामंतवादी परिदृश्य, कृषक, मजदूर, स्त्री-समाज और जीवन के वास्तविक तथ्यों की खोज, रीतिकालीन कवियों की व्यक्तिगत रुचि, लौकिक प्रेम का आधुनिक बोध के संदर्भ में शोध और विश्लेषण.
- भक्तिकाल के रीतिकाल में रूपांतरण की साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक परिस्थितियों सम्बन्धी पारम्परिक मान्यताओं का मूल्यांकन, साहित्यिक परम्परा के रूप में आदिकालीन साहित्य से रीतिकालीन साहित्य की यात्रा के साझा साहित्यिक तत्वों का शोध और विश्लेषण.

#### संदर्भ ग्रन्थ :

1. शुक्ल, रामचन्द्र, रस मीमांसा, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, 2020
2. नगेन्द्र, डॉ., रीतिकाव्य की भूमिका, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, 2021
3. शुक्ल, रामदेव, साक्षात् रसमूर्ति : आनन्दघन कृत 'कृपानंद', अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017
4. Santayana, George The Sense of Beauty, Anson Street Press, America, 2025
5. मिश्र, भगीरथ, हिन्दी रीति साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1999
6. जैन, निर्मला, रस सिद्धांत और सौंदर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1999
7. पाण्डेय. के.सी. कम्परेटिव एस्थेटिक्स, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1950
8. तिवारी, रामचन्द्र, रीतिकालीन हिन्दी कविता और सेनापति, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2002
9. मेघ, रमेश कुंतल, मध्ययुगीन रस दर्शन और समकालीन सौन्दर्यबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
10. पचौरी, सुधीश. रीतिकाल सेक्सुअलिटी का समारोह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2017.



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. हिंदी

Structure 3 (Level 6.5) : Research

Semester I ( For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

DSE – आधुनिक हिंदी कविता : शोध की संभावनाएं और समस्याएं

| Course title & Code                                               | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                   |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>आधुनिक हिंदी<br>कविता : शोध की<br>संभावनाएं और<br>समस्याएं | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

- ❑ विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी कविता के शोध की संभावनाओं और दिशाओं की जानकारी देना।
- ❑ विद्यार्थियों में आधुनिक हिंदी कविता के विकास के ऐतिहासिक संदर्भों की समझ पैदा करना।
- ❑ विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी कविता में शोध की चुनौतियों से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- ❑ विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता की पृष्ठभूमि, विकासक्रम और शोध के क्षेत्र को समझेंगे
- ❑ विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता की शोध की संभावनाओं और चुनौतियों को जानेंगे।
- ❑ विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता के प्रयोग किए जा रहे शोध के मानकों, पद्धतियों आदि से परिचित होंगे

इकाई 1 : आधुनिक हिंदी कविता की अवधारणा एवं ऐतिहासिक संदर्भ

- आधुनिक हिंदी कविता की पृष्ठभूमि
- आधुनिक हिंदी कविता की प्रवृत्ति
- राष्ट्रीय बोध, नवजागरण और स्वच्छंदतावाद

इकाई 2 : आधुनिक हिंदी कविता : शोध की संभावनाएं



- ऐतिहासिक विकास क्रम एवं प्रवृत्तिगत परिवर्तनों का विश्लेषण
- आधुनिकता के परिवेशगत अनुभव और पश्चिमी आधुनिकतावाद के अंतःसंबंधों का विश्लेषण
- आधुनिक हिंदी कविता में विश्व साहित्य के प्रभावों का अध्ययन

### **इकाई 3 : आधुनिक हिंदी कविता : शोध की समस्याएं**

- केंद्रीय विषय की अस्पष्टता
- पाठ आधारित मूल्यांकन की चुनौती
- समकालीन कविता का काल निर्धारण एवं सीमांकन

### **इकाई 4 : आधुनिक हिंदी कविता : शोध की चुनौतियां**

- शोध पद्धति और आलोचकीय मानक
- गद्यात्मक, प्रतीक-बिम्ब एवं काव्यशास्त्र
- विविध सामाजिक संदर्भ एवं विमर्शों के प्रवेश की सार्थकता

### **संदर्भ ग्रंथ :**

1. पाठक, अभिजीत. आधुनिकता, भूमंडलीकरण और अस्मिता, आकार प्रकाशन, संस्करण.2013
2. सिंह, नामवर आधुनिकता, साहित्य की प्रवृत्तियां, राजकमल प्रकाशन, संस्करण.2025
3. सिंह, नामवर, छायावाद, राजकमल प्रकाशन, संस्करण.2024
4. बाली, तारकनाथ. हिंदी साहित्य का आधुनिक इतिहास, प्रभात प्रकाशन, संस्करण.2017
5. नवल, नंद किशोर. हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, संस्करण.2025
6. मोहन, डॉ एन. समकालीन हिंदी कविता, राजपाल, संस्करण.2022
7. तिवारी, विश्वनाथ, प्रसाद. समकालीन हिंदी कविता, राजकमल प्रकाशन, संस्करण.2010
8. तिवारी, अजय. आधुनिकता पर पुनर्विचार, वाणी प्रकाशन, संस्करण.2024
9. विमल, गंगा प्रसाद. आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता, नयी किताब प्रकाशन संस्करण.2021
10. नवल, नन्द किशोर. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास, वाणी प्रकाशन, संस्करण.2023



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. हिंदी

Structure 3 (Level 6.5) : Research

Semester I ( For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

DSE – काव्यशास्त्र: शोध की संभावनाएँ एवं समस्याएँ

| Course title & Code                                         | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                             |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>काव्यशास्त्र:<br>शोध की<br>संभावनाएँ एवं<br>समस्याएँ | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों में भारतीय काव्यशास्त्र और पश्चिमी साहित्य में समान रूप से विशिष्ट परंपरा को परखने की समझ विकसित करना।
- विद्यार्थियों को काव्य के रूप, भाषा और अर्थ को समझने की दिशा का बोध कराना।
- काव्य की रचनात्मक प्रक्रिया, शास्त्रीय सिद्धांतों और उसे समाज में मिलने वाली स्वीकृति की ज्ञान-विज्ञान सम्मत समझ बढ़ाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- काव्यशास्त्र से विद्यार्थियों को साहित्य के शास्त्रीय और तात्त्विक रूप को समझने में सहायता मिलेगी और वे नई स्थापनाओं की खोज कर सकेंगे।
- भारतीय काव्यशास्त्र और पश्चिमी साहित्य में समान रूप से विशिष्ट परंपरा को परखने की समझ विकसित होगी।
- काव्यशास्त्र में शोध की संभावनाएं और समस्याएं दोनों एक विशिष्ट क्षेत्र को संपुष्ट करते हैं, जिससे शोध के क्षेत्र में और अधिक व्यापकता बढ़ेगी।

इकाई-1:

(10 घंटे)

- काव्यशास्त्र के भारतीय और पश्चिमी दृष्टिकोणों का परिचयात्मक अध्ययन



- काव्य की अवधारणा और उसकी भूमिका का विभिन्न संस्कृतियों में विकास
- भारतीय काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों और पश्चिम के विचारकों के साहित्यिक सिद्धांतों के बीच तुलना
- काव्यशास्त्र में भाषाई और सांस्कृतिक अवरोध

**इकाई -2:****(11 घंटे)**

- काव्यशास्त्र और साहित्यिक आलोचना
- काव्यशास्त्र के सिद्धांतों का समकालीन साहित्य और संस्कृति के संदर्भ में परीक्षण और विश्लेषण
- भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांतों में भिन्नताएँ और परिभाषाएँ
- प्रत्येक सिद्धांतों की अपनी व्याख्याएँ और एक समग्र या सार्वभौमिक सिद्धांत विकसित होने की समस्याएँ

**इकाई -3:****(11 घंटे)**

- भारतीय काव्यशास्त्र पर संस्कृत साहित्य के विभिन्न तत्व और अंग के स्वरूप
- संस्कृत काव्यशास्त्र के आचार्यों द्वारा दी गई परिभाषाओं और सिद्धांतों की काव्यप्रवृत्तियों के संदर्भ में नए अनुसन्धान
- समकालीन काव्यशास्त्र में पश्चिमी आलोचना पद्धतियों और दृष्टिकोणों के बीच संतुलन और उनके बीच सामंजस्य
- भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य आलोचना के विमर्श : संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद, स्त्री विमर्श

**इकाई -4:****(13 घंटे)**

- काव्यशास्त्र और संस्कृति, काव्यशास्त्र की समाज में उपयोगिता
- काव्यशास्त्र और भाषा के उपयोग और उसके प्रभाव पर गहन शोध
- काव्यशास्त्र और आधुनिक साहित्य में शोधकर्ताओं को नए काव्यशास्त्रीय दृष्टिकोणों और सिद्धांतों को विकसित करने की आवश्यकता
- काव्यशास्त्र का उद्देश्य : काव्य का सौंदर्यशास्त्र या रसात्मक अनुभव

**सहायक ग्रंथ:**

1. डॉ. नगेन्द्र - शोध और सिद्धांत, पब्लिकेशन हॉउस, दिल्ली
2. डॉ. विजयपाल सिंह, हिन्दी अनुसन्धान, राजपाल एंड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली
3. डॉ. शशिभूषण सिंघल - साहित्यिक शोध के आयाम, आर्य बुक डिपो, दिल्ली
4. डॉ. विनय मोहन शर्मा - शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिकेशन हॉउस, दिल्ली
5. डॉ. मनमोहन सहगल - हिन्दी शोध तंत्र की रूपरेखा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
6. रवीन्द्र कुमार जैन - साहित्यिक अनुसन्धान के आयाम, नेशनल पब्लिकेशन हॉउस, दिल्ली
7. डॉ.एस.एन. गणेशन - अनुसन्धान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. डॉ. ओमप्रकाश- अनुसन्धान की समस्याएँ, आर्य बुक डिपो, करोलबाग, नई दिल्ली



9. डॉ. म.ह. राजुरकर - हिन्दी अनुसंधान स्वरूप और विकास, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**M.A. (Hindi) 1<sup>st</sup> / 2<sup>nd</sup> Year**  
**Structure 3 (Level 6.5) : Research**  
**Semester I (For One Year PG)**  
**Semester III (For Two Year PG)**  
**DSE – शोध : प्रविधि, प्रक्रिया एवं उपकरण**

| Course title & Code                             | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                 |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>शोध : प्रविधि,<br>प्रक्रिया एवं<br>उपकरण | 4       | 3                                 | 1        | —                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- ☐ विद्यार्थियों को शोध के स्वरूप एवं अवधारणा से परिचित कराना ।
- ☐ शोध के प्रकार एवं प्रक्रिया से अवगत कराना ।
- ☐ शोधकार्य में कंप्यूटर के उपयोग की जानकारी के साथ शोध संहिता से परिचय प्राप्त करना ।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- ☐ विद्यार्थी शोध के स्वरूप एवं अवधारणा से परिचित हो सकेंगे ।
- ☐ शोध के प्रकार एवं प्रक्रिया से अवगत होंगे ।
- ☐ शोधकार्य में कंप्यूटर के उपयोग की जानकारी के साथ शोध संहिता से परिचय प्राप्त करेंगे ।

**इकाई –1: शोध का सैद्धांतिक पक्ष**  
(घंटे)

(11)

- शोध और आलोचना
- शोध और इतिहास बोध



- शोध में तथ्य एवं सत्य
- शोध में तर्क, अनुमान, कल्पना आदि की भूमिका

**इकाई-2 :शोध की पद्धतियां****(11 घंटे)**

- ऐतिहासिक, तुलनात्मक, विधेयवादी
- पाठानुसंधान, पाठालोचन, भाषा वैज्ञानिक
- सांस्कृतिक अध्ययन, समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक
- संरचनावादी, उत्तर- संरचनावादी

**इकाई-3 :शोध की प्रक्रिया****(13 घंटे)**

- शोध कार्य हेतु विषय चयन, शोध समस्या का निर्धारण एवं शोध के उद्देश्य
- पूर्व उपलब्ध साहित्य की समीक्षा
- शोध सामग्री संकलन और उसकी विभिन्न पद्धतियां
- शोध प्रबंध की रूपरेखा निर्माण की पद्धतियां, अध्यायीकरण, प्रस्तावना एवं उपसंहार लेखन
- संदर्भ ग्रंथ सूची निर्माण, उद्धरण तथा संदर्भोल्लेख की पद्धतियां (MLA, APA, Chicago)
- शोध प्रबंध / शोधार्थी की भाषा-शैली

**इकाई – 4 : शोध : कंप्यूटर नेटवर्क और संहिता****(10 घंटे)**

- शोध : कंप्यूटर प्रौद्योगिकी, ICT, AI एवं इंटरनेट सामग्री का प्रयोग
- ई-स्रोतों का परिचय, शोध कार्य में उनकी प्रासंगिकता, विभिन्न वेबसाइट, पत्रिकाएं, पुस्तकें, पुस्तकालय एवं ऑनलाइन आर्काइव का उपयोग एवं प्रयुक्ति
- सॉफ्टवेयर उपकरण :साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर, जैसे – टर्नटिन, उरकुंड, ड्रिलबिट, क्यूटेक्स्ट, प्लेगस्कैन, आदि ।
- प्रकाशन संबंधी नैतिकता, अनैतिक व्यवहार एवं समस्याएं
- बौद्धिक ईमानदारी एवं शोध-निष्ठा, बौद्धिक संपदा संबंधी कानून

**व्यावहारिक कार्य :**

- शोध हेतु ई-सामग्री की वेबसाइट, ऑनलाइन आर्काइव, पत्रिकाओं एवं पुस्तकों की सूची तैयार करना ।
- शोध में सहायक सॉफ्टवेयर पर रिपोर्ट लेखन ।
- सर्वेक्षण एवं साक्षात्कार हेतु प्रश्नावली का निर्माण ।
- साहित्य समीक्षा ।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना अथवा अन्य कार्य ।

**सहायक ग्रंथ सूची :**



1. सिन्हा एवं स्नातक, सावित्री एवं विजयेन्द्र. अनुसंधान की प्रक्रिया, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1960.
2. शर्मा, विनयमोहन. शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1973.
3. सिंह, सरनाम. शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली, 1964.
4. त्रिपाठी, विनायक. शोध प्रविधि : अवधारणा एवं तकनीक, ओमेगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2020.
5. गणेशन, एस. एन.. अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, 2021.
6. सिंहल, बैजनाथ; शोध : स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2023.
7. राजूरकर एवं बोरा, भ.ह., एवं राजमल (संपादक), हिंदी अनुसंधान का स्वरूप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, 1978.
8. सूरती, डॉ. उर्वशी जे; अनुसंधान का व्यावहारिक स्वरूप, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, मुंबई, महाराष्ट्र, 1973.



## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

## M.A. Hindi

Structure 1 (Level 6.5) : PG Curricular Structure with only  
course work/Structure 2 (Level 6.5): PG Curricular Structure  
with Course work + Research

Semester II (For One Year PG) /  
Semester IV (For Two Year PG)

| No. | Paper Type            | Paper Name                                     | Page No. |
|-----|-----------------------|------------------------------------------------|----------|
| 1   | DSC9                  | 1. हिंदी नाटक एवं कथेतर गद्य साहित्य           |          |
| 2   | DSC10                 | 2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र                      |          |
| 3   | Pool of DSE           | 1. आधुनिक संदर्भ और हिंदी उपन्यास              |          |
|     |                       | 2. सन् साठ के बाद की हिंदी कविता               |          |
|     |                       | 3. भूमंडलीकरण और हिंदी कथा साहित्य             |          |
|     |                       | 4. हिंदी दलित साहित्य                          |          |
|     |                       | 5. जनजातीय विषयक हिंदी साहित्य                 |          |
|     |                       | 6. आधुनिक विश्व साहित्य (अनुदित)               |          |
| 4   | Pool of GE (Any one)  | 1. प्रकृति, पर्यावरण और आधुनिक हिंदी कविता     |          |
|     |                       | 2. सोशल मीडिया और हिंदी                        |          |
| 5   | Pool of SBC (Any one) | 1. हिंदी सिनेमा में गीत लेखन                   |          |
|     |                       | 2. हिंदी का यात्रा साहित्य : वृत्त और वृत्तांत |          |



## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Semester II ( For One Year PG)

Semester IV (For Two Year PG)

DSC9 हिंदी नाटक एवं कथेतर गद्य साहित्य

| Course title & Code                                       | Credits  | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-----------------------------------------------------------|----------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                           |          | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| <b>DSC9</b><br>हिंदी नाटक<br>एवं कथेतर<br>गद्य<br>साहित्य | <b>4</b> | <b>3</b>                          | <b>1</b> | —                    | स्नातक<br>उत्तीर्ण                   | <b>Annexure</b>                       |

## पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. विद्यार्थियों को हिंदी नाटक और एकांकी का पाठ बोध कराना।
2. कथेतर गद्य की महत्वपूर्ण विधाओं का निर्धारित पाठों के माध्यम से परिचय कराना।
3. नाटक एवं कथेतर साहित्य की विषयवस्तु, शिल्प और संरचना के स्तर पर विविधता से अवगत कराना।

## पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी हिंदी नाटक और एकांकी साहित्य की परंपरा से परिचित होंगे।
2. हिंदी की कथेतर गद्य-विधाओं के निर्धारित पाठों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और समाज के विविध पक्षों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
3. नाटक एवं कथेतर गद्य की अन्य विधाओं के विभिन्न स्तरों पर अवगत होंगे।



इकाई -1 : नाटक और एकांकी  
(घंटे)

(13)

- अंधेर नगरी (नाटक) -भारतेंदु हरिश्चंद्र
- रक्त अभिषेक (नाटक) - दया प्रकाश सिन्हा
- पृथ्वीराज की आंखें(एकांकी) -रामकुमार वर्मा
- तौलिए (एकांकी) -उपेंद्रनाथ अशक

इकाई -2: निबंध

(12 घंटे)

- काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था - रामचंद्र शुक्ल
- भारतीय संस्कृति की देन - हजारीप्रसाद द्विवेदी
- तुम चंदन हम पानी - विद्यानिवास मिश्र
- सौंदर्यबोध और शिवत्वबोध - अज्ञेय

इकाई - 3 : जीवनी और आत्मकथा  
(घंटे)

(10)

- प्रेमचंद घर में (जीवनी) -शिवरानी देवी
- मिला तेज से तेज (जीवनी) - सुधा चौहान
- दोहरा अभिशाप (आत्मकथा)-कौशल्या वैसंत्री
- राम कहानी सीताराम (आत्मकथा) - सीताराम सूबेदार

इकाई - 4 : रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा-वृत्तांत और अन्य विधाएं  
(10 घंटे)

- माटी की मूरतें (रेखाचित्र) - रामवृक्ष बेनीपुरी
- वे दिन वे लोग (संस्मरण) - शिवपूजन सहाय
- अरुणोदय की धरती पर (यात्रा वृत्तांत) -सांवरमल सांगनेरिया
- ऋणजल-धनजल (रिपोर्तज) - रेणु

व्यावहारिक कार्य :



- पाठ्यक्रम से संबंधित पाठों पर विद्यार्थियों के बीच सामूहिक चर्चा आयोजित करना ।
- इस पाठ्यक्रम की पाठ्य सामग्री से संबंधित आलोचनात्मक पुस्तकों एवं रचनाओं की समीक्षा करना ।
- हिंदी की बोलियों के साथ हिंदीतर भाषाओं में पाठ्यक्रम से संबंधित पाठों के अंशों का अनुवाद करना ।
- इस पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य रचनाओं की सूची तैयार करके उनका सार लेना ।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना अथवा अन्य कोई कार्य ।

#### संदर्भ ग्रंथ सूची :

- सिंह, बच्चन. हिंदी नाटक, राधाकृष्ण प्रकाशन, संस्करण, दिल्ली 2008
- रस्तोगी, गिरीश. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2002
- कुमार, सिद्धनाथ. हिंदी एकांकी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 2022
- माचवे, प्रभाकर. हिंदी निबंध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1955
- तिवारी, रामचंद्र. हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर, 2014
- उपाध्याय, मधुकर (सं.). रामकहानी सीताराम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2024
- सांगनेरिया, सांवरमल. अरुणोदय की धरती पर, हेरिटेज फाउंडेशन, असम (गुवाहाटी), 2024



## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

**Semester II ( For One Year PG)**

**Semester IV (For Two Year PG)**

### DSC-10 पाश्चात्य काव्यशास्त्र

| Course title & Code                                 | Credits | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-----------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                     |         | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| <b>DSC- 10</b><br><br><b>पाश्चात्य काव्यशास्त्र</b> | 4       | 3                                 | 1        | —                    | स्नातक उत्तीर्ण                      | Annexure                              |

#### पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

पाश्चात्य काव्यशास्त्रियों के चिंतन से अवगत कराना।

पाश्चात्य वादों का भारतीय साहित्य पर प्रभाव दिखाना।

#### पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

विभिन्न सिद्धांतों से परिचित हो सकेंगे।

विभिन्न चिंतन के आयामों से सुपरिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र: प्राचीन काव्य

(13 घंटे)

- प्लेटो : काव्य सिद्धांत
- अरस्तू : अनुकरण और विवेचन सिद्धांत, त्रासदी विवेचन
- लॉजाइनस : उदात्त संबंधी विचार
- विलियम वर्ड्सवर्थ : काव्य-विषय और काव्यभाषा

इकाई – 2 : स्वच्छंदता और आधुनिकता

(13 घंटे)

- कॉलरिज : कविता और काव्य-भाषा, कल्पना-सिद्धांत
- जॉर्ज लूकाच : यथार्थ और साहित्य का संबंध, आलोचनात्मक यथार्थवाद



- मैथ्यू आर्नल्ड : कविता और जीवन, आलोचना और संस्कृति
- टी.एस. इलियट : परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा का संबंध, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ सह-संबंध

## इकाई – 3 : प्रमुख चिंतक और चिंतन

(10 घंटे)

- अंतोनियो ग्राम्शी : आधार और अधिरचना का संबंध, वर्चस्व का सिद्धांत
- आई.ए. रिचर्ड्स : मूल्य, संप्रेषण तथा व्यावहारिक समीक्षा-सिद्धांत
- एफ.आर. लीविस : साहित्य और नैतिक बोध
- फ्रेडरिक जेम्सन : राजनीतिक अचेतन, राष्ट्रीय रूपक में तीसरी दुनिया के उपन्यास

## इकाई – 4 : प्रमुख साहित्यिक सिद्धांत

(10 घंटे)

- शास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद, उत्तर-आधुनिकता, उत्तर-उपनिवेशवाद

## व्यावहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबंधित पुस्तकों / रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

## सहायक पुस्तकें :

1. शर्मा, देवेन्द्रनाथ. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र*, मयूर बुक पब्लिकेशन, दिल्ली, 2018
2. डॉ. नगेन्द्र. *नई समीक्षा : नए संदर्भ*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1970
3. जैन, निर्मला. *काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2006
4. राजनाथ. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृत्तियाँ*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2022
5. नारंग, गोपीचंद. *संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद एवं प्राच्यकाव्यशास्त्र*, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 2014
6. पचौरी, सुधीश. *आलोचना से आगे*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1982
7. शर्मा, कृष्णदत्त अनामिका. *कॉलरिज : आलोचना सिद्धांत*, पब्लिशर्स, दिल्ली, 2015
8. शर्मा, कृष्णदत्त. *टी.एस. इलियट की आलोचना दृष्टि*, मेधा पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2019



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम.ए.(हिंदी)

Semester II (For One Year PG)

Semester IV (For Two Year PG)

## DSE1 आधुनिक संदर्भ और हिंदी उपन्यास

| Course title & Code                     | Credits | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-----------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                         |         | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| DSE 1<br>आधुनिक संदर्भ और हिंदी उपन्यास | 4       | 3                                 | 1        | -                    | स्नातक उत्तीर्ण                      | Annexure                              |

### पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों को आधुनिकता के विविध संदर्भों का ज्ञान कराना।
- उपन्यास विधा की संरचना, चरित्र निर्मिति, संवाद का महत्वपूर्ण उपन्यासकारों के माध्यम से जानकारी प्रदान करना।
- उपन्यास विधा की संरचना में निहित राष्ट्रवाद, भारतीयता, आधुनिकता को समझाना तथा उपन्यास के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों की समझ विकसित कराना।

### पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी उपन्यास विधा की संरचना से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी उपन्यास की विधागत वैचारिकी से परिचित होंगे।
- उपन्यास के संदर्भ से भारत और राष्ट्रीयता की चेतना को समझेंगे।

इकाई -1 : आधुनिकता के संदर्भ और उपन्यास विधा

(13 घंटे)

1. आधुनिकता, आधुनिकतावाद और उपन्यास विधा का स्वरूप, विकास
2. उपन्यास और पाठक वर्ग
3. व्यावसायिक उपन्यास की अवधारणा और विधागत चरित्र
4. उपन्यास और राष्ट्र

इकाई -2 : हिंदी जनक्षेत्र का निर्माण और उपन्यास

(12 घंटे)



1. हिंदी उपन्यास : संरचना और स्वरूप
  2. प्रेमचंद के उपन्यासों की संरचना, चरित्र और संवाद शैली
  3. यशपाल के उपन्यासों की संरचना, चरित्र और संवाद शैली
  4. श्रीलाल शुक्ल के उपन्यासों की संरचना, चरित्र और संवाद शैली
- (10 घंटे)

इकाई -3 : लोकतंत्र और उपन्यास

- लोकतांत्रिक चेतना, मूल्य और उपन्यास
  - भारतीय लोकतंत्र का विकास और हिंदी उपन्यास
  - पाठ-1 : महाभोज (मन्नू भंडारी)
  - पाठ-2 : कुरु-कुरु स्वाहा... (मनोहर श्याम जोशी)
- (10 घंटे)

इकाई -4 : जेंडर-अध्ययन और उपन्यास

- पहचान का संकट, अधिकार और उपन्यास
- जेंडर अध्ययन और हिंदी उपन्यास
- पाठ-1 : कठगुलाब (मृदुला गर्ग)
- पाठ-2 : छिन्नमस्ता (प्रभा खेतान)

व्यवहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबंधित अन्य पुस्तकों की समीक्षा करना।
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठ-अंशों का अनुवाद करना।
- इस पत्र से संबंधित अन्य रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य।

सहायक ग्रंथ :

1. फॉक्स, रैल्फ. उपन्यास और लोक-जीवन, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2015
2. राय, गोपाल. उपन्यास का शिल्प, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादेमी, पटना, 1973
3. यादव, राजेंद्र. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2020



4. सिंह, नामवर (सं.). आधुनिक हिंदी उपन्यास 1, 2, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2010
5. पाण्डेय, मैनेजर. उपन्यास और लोकतंत्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2023
6. मदान, इन्द्रनाथ. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2019
7. तिवारी, विनोद (सं.). उपन्यास : कला और सिद्धान्त-1, 2, अजय आनंद, अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
8. Lukács, Georg. translated by Bostock, Anna. Bostock. The Theory of the Novel, The MIT Press, USA. 1988



**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**एम. ए. (हिंदी)**  
**Semester II (For One Year PG)**  
**Semester IV (For Two Year PG)**  
**DSE 2 सन् साठ के बाद की हिंदी कविता**

| Course title & Code                               | Credits | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                   |         | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| DSE2<br>सन्<br>साठ के<br>बाद की<br>हिंदी<br>कविता | 4       | 3                                 | 1        | —                    |                                      | Annexure                              |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

- सन साठ के बाद की हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों और आंदोलनों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
- विद्यार्थियों को कविता में सामाजिक, राजनीतिक, स्त्री और दलित चेतना की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों के भीतर कविता की भाषा, शिल्प और विचारधारा में हुए परिवर्तनों की समझ एवं समकालीन कविता को सांस्कृतिक और वैश्विक संदर्भों में परखने की दृष्टि विकसित करना।

**पाठ्यक्रम प्रस्तावना (Course Introduction):**

- सन साठ के बाद की हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों और आंदोलनों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
- विद्यार्थी कविता में उपस्थित सामाजिक, राजनीतिक, स्त्री और दलित चेतना को समझ सकेंगे।



- विद्यार्थी कविता की भाषा, शिल्प, विचारधारा एवं कविता के सांस्कृतिक और वैश्विक संदर्भों से परिचित हो सकेंगे।

### **इकाई – 1 : नई कविता का उद्भव और स्वरूप (1960–1970)**

- छायावादोत्तर कविता की पृष्ठभूमि, नई कविता आंदोलन के उद्भव का सामाजिक-ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
- नई कविता : भाषा, प्रतीक और बिंब की नवीनता
- मुख्य कवि एवं काव्य-पाठ:

1-अज्ञेय – अरी ओ करुणा प्रभामय, हरी घास पर क्षणभर

2-केदारनाथ अग्रवाल – धरती

3-शमशेर बहादुर सिंह – बात बोलेगी, घिर गया समय का रथ 'कुछ और कविताएँ' से

4-भवानी प्रसाद मिश्र – सतपुड़ा के जंगल

### **इकाई – 2 : सामाजिक यथार्थ और राजनीतिक चेतना (1970–1980)**

- मोहभंग और आपातकाल
- समाज, सत्ता और व्यक्ति का संघर्ष, कविता में जन-सरोकार और विरोध की अभिव्यक्ति
- मुख्य कवि एवं काव्य-पाठ:

1-रघुवीरसहाय – सीधे-सादेप्रश्न, हँसो, हँसो जल्दी हँसो

2-सर्वेश्वरदयाल सक्सेना – काठ का सपना

3-कुँवरनारायण – आत्मजयी

4-धूमिल – संसद से सड़क तक (कविता)



### इकाई – 3 : विमर्शधर्मी कविता – स्त्री, दलित और हाशिए की आवाज़ (1980–1990)

- 1- कविता में अस्मिता, अधिकार और प्रतिरोध
- 2- स्त्री-अनुभव और नारीवादी कविता, दलित और आदिवासी कविता का उभार
- मुख्य कवि एवं काव्य-पाठ:
  - 1-अनामिका – ढूँढो तो दिल
  - 2-कात्यायनी – औरत होने की सज़ा
  - 3-ओमप्रकाश वाल्मीकि – बस, एक मुट्ठी भर ज़मीन
  - 4- आलोक धन्वा - भागी हुई लड़कियाँ, मुलाकातें

### इकाई – 4 : उत्तर-आधुनिकता, वैश्वीकरण और समकालीन कविता (1990 के बाद)

- उत्तर-आधुनिक समाज, संस्कृति और कविता
- वैश्वीकरण, मीडिया, उपभोक्तावाद, पर्यावरण, युद्ध, प्रवासन और कविता
- मुख्य कवि एवं काव्य-पाठ:
  - 1-मंगलेश डबराल – हम जो देखते हैं
  - 2-विजेन्द्र – समय की शिला पर
  - 3-राजेश जोशी – बच्चे काम पर जा रहे हैं, चौद की वर्तनी, कुछ और कविताएँ
  - 4-अशोक वाजपेयी – हम अपना समय लिख नहीं पाएँगे, विदा गीत



**व्यावहारिक कार्य :**

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबंधित पुस्तकों / रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

**संदर्भ ग्रंथ सूची(Suggested Readings):**

- सिंह, नामवर. कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1968
- राय, गोपाल. हिंदी कविता का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2020
- वंशी, बलदेव. आधुनिक हिंदी कविता में विचार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2002
- डॉ. नगेन्द्र. आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियां, गौतम बुक डिपो, दिल्ली, 1951
- सिंह, सुधीर रंजन. कविता की समझ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018
- तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद. आधुनिक हिंदी कविता, अभिजीत पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2010
- होता, अरुण. आधुनिक हिंदी कविता : युगीन संदर्भ आलोचना, ज्ञानभारती पब्लिकेशन्स प्रयाग, 2010
- नवल, नंद किशोर. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2023



## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Semester II ( For One Year PG)

Semester IV (For Two Year PG)

DSE 3 भूमंडलीकरण और हिंदी कथा साहित्य

| Course title & Code                                  | Credits  | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|------------------------------------------------------|----------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                      |          | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| <b>DSE3</b><br>भूमंडलीकरण<br>और हिंदी कथा<br>साहित्य | <b>4</b> | <b>3</b>                          | <b>1</b> | <b>—</b>             | स्नातक<br>उत्तीर्ण                   | <b>Annexure</b>                       |

### पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. विद्यार्थियों को भूमंडलीकरण की व्यवस्था से परिचित कराना
2. भूमंडलीकरण न्यू मीडिया के अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य और भारत राष्ट्र के संबंध को समझना।
3. साहित्य पर भूमंडलीकरण के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रभावों को चिन्हित करना।

### पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी भूमंडलीकरण की व्यवस्था से परिचित होंगे।
2. भूमंडलीकरण के प्रभाव को राष्ट्र के सामाजिक जीवन में पहचान सकेंगे।
3. भूमंडलीकरण का हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन कर सकेंगे। (13घंटे)

इकाई - 1 : भूमंडलीकरण : वैश्विक संदर्भ में

- भूमंडलीकरण की वैश्विक बहस पक्ष-विपक्ष
- भूमंडलीकरण इंटरनेट और नया मीडिया का ग्लोबल परिप्रेक्ष्य
- भूमंडलीकरण और राष्ट्र / राज्य



- भूमंडलीकरण, बहुराष्ट्रीय कंपनियों और लोकतंत्र की समस्याएँ
- इकाई - 2 : भूमंडलीकरण : भारत के संदर्भ में

(12घंटे)

- भारत में भूमंडलीकरण पर विभिन्न विचारकों में विचार।
- भारतीय अर्थव्यवस्था और भूमंडलीकरण
- भारत में ग्लोबल सांस्कृतिक फिनोमिना मीडिया एवं इंटरनेट समस्याएं

इकाई - 3 : भूमंडलीकरण और हिन्दी उपन्यास

- निर्धारित पाठ : डूब-वीरेन्द्र जैन

(10घंटे)

इकाई - 4 : भूमंडलीकरण और हिन्दी कहानी

निर्धारित पाठ :

(10घंटे)

- भूख - चित्रा मुद्गल
- आपकी हंसी - अलका सरावगी
- रूकावट के लिए खेद है - जितेन्द्र भाटिया
- बाजार में रामधन- कैलाश बनवासी

व्यवहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबंधित पुस्तकों /रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य अथवा अन्य कार्य

सहायक ग्रंथ

- दुबे, अभय कुमार - भारत का भूमंडलीकरण, वाणी प्रकाशन- नवीन संस्करण, 2025
- सिंह, पुष्पपाल. भूमण्डलीकरण और हिंदी उपन्यास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
- बिहारी, राकेश. भूमण्डलोत्तर कहानी, आधार प्रकाशन, चंडीगढ़, 2020
- विजयराय (सं.). हिंदी की भूमण्डलोत्तर कथा भूमि, नई किताब, नई दिल्ली, 2023



- सिन्हा, सच्चिदानंद. भूमवडलीकरण की चुनौतियाँ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
- खेतान, प्रभा. बाजार के बीच: बाजार के खिलाफ, वाणी प्रकाशन, 2004
- कावरा, कमल नयन. भूमण्डलीकरण, प्रकाशन संस्थान, 2011
- कावरा, कमल नयन. भूमण्डलीकरण के भंवर में भारत, सुभदा प्रकाशन, 2008
- Jan Aart Scholte – Globalization
- George Ritzer (ed.) – The Blackwell Companion to Globalization



**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**एम.ए. (हिंदी)**  
**Semester II (For One Year PG)**  
**Semester IV (For Two Year PG)**  
**DSE 4 हिंदी दलित साहित्य**

| Course title & Code         | Credits | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-----------------------------|---------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                             |         | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| DSE 4<br>हिंदी दलित साहित्य | 4       | 3                                 | 1        | —                    | स्नातक उत्तीर्ण                      | Annexure                              |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

- हिंदी दलित साहित्य की परंपरा को स्पष्ट करना।
- हिंदी दलित साहित्य के वैशिष्ट्य को रेखांकित करना।
- हिंदी दलित साहित्य के योगदान को रेखांकित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

- विद्यार्थी हिंदी दलित साहित्य की विकास यात्रा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी हिंदी दलित साहित्य से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी हिंदी दलित साहित्य की उपस्थिति के महत्व से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

**इकाई -1 : हिंदी दलित साहित्य**

(13 घंटे)

- दलित साहित्य : अवधारणा एवं स्वरूप
- दलित साहित्य की वैचारिक जाति आर्थिक परिणाम और समाधान : अंबेडकर की दृष्टि से
- दलित साहित्य : विविध विधाओं का विकास
- हिंदी दलित साहित्य : प्रतिमान, सौंदर्यशास्त्रीय पक्ष

**इकाई - 2 : हिंदी दलित कविता**

(12 घंटे)

- अछूत की शिकायत-हीरा डोम (सरस्वती 1914, सं. महावीर प्रसाद द्विवेदी), जंगल का प्रजातंत्र- देवेन्द्र कुमार बंगाली
- बस्स! बहुत हो चुका, मुट्ठी भर चावल – ओमप्रकाश वाल्मीकि
- आदमी और कविता – जयप्रकाश कर्दम, चिड़िया जो मारी गई- कॅवल भारती
- बुद्ध चाहिए युद्ध नहीं - रजनी तिलक, जंजीर- शांति यादव

**इकाई - 3 : हिंदी दलित कहानी**

(10 घंटे)



- सिलिया- सुशीला टाकभौरे
- मैं, शहर और वे - मोहनदास नैमिशराय
- औरत एक जात - उर्मिला पवार
- अरथी- पूरन सिंह

इकाई - 4 : हिंदी दलित जीवनी , आत्मकथा

(10 घंटे)

- डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर (जीवनी), बसंत मून, अनुवाद , प्रभात पांडे, नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया (आरंभ से 10 परिच्छेद)
- मुर्दहिया, (आत्मकथा) तुलसी राम , राजकमल प्रकाशन, विद्यार्थी संस्करण, 2025 , पृष्ठ 9-52
- मेरा बचपन मेरे कंधे पर, (आत्मकथा, श्यौराज सिंह 'बैचैन', वाणी प्रकाशन दिल्ली, तृतीय संस्करण 2018, पृष्ठ 11-47

व्यवहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबंधित पुस्तकों / रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

सहायक ग्रन्थ

- भारती,कँवल(सं.). दलित निर्वाचित कविताएं, इतिहास बोध प्रकाशन, 2006
- वाल्मीकि, ओमप्रकाश. बस्स! बहुत हो चुका, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1997
- 'बैचैन' सिंह, श्यौराज. मेरा बचपन मेरे कंधों पर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2013
- पालीवाल, कृष्णदत्त. दलित साहित्य बुनियादी सरोकार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
- वीरोदय, डॉ. यशवंत. दलित शिखरों के साक्षात्कार, नवभारत प्रकाशन, गाजियाबाद, 2013
- डॉ. धर्मवीर. दलित चिंतन का विकास: अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2008
- 'बैचैन' सिंह, श्यौराज. सामाजिक न्याय और दलित साहित्य, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
- ठाकुर, हरिनारायण. दलित साहित्य का समाजशास्त्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2018
- वाल्मीकि, ओमप्रकाश, दलित साहित्य अनुभव, संघर्ष एवं यथार्थ, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2020
- वाल्मीकि, ओमप्रकाश, दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2008
- तिवारी, बजरंग बिहारी. दलित साहित्य : एक अंतर्गता, नवारूप प्रकाशन, 2023



**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**एम. ए. (हिंदी)**  
**Semester II ( For One Year PG)**  
**Semester IV (For Two Year PG)**

**DSE- 5 जनजातीय विषयक हिंदी साहित्य**

| Course title & Code                              | Credits | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|--------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                  |         | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| <b>DSE- 5</b><br><br>जनजातीय विषयक हिंदी साहित्य | 4       | 3                                 | 1        | —                    | न्यातक उत्तीर्ण                      | Annexure                              |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

- जनजाति जीवन, संस्कृति और साहित्य की समझ विकसित करना।
- हिंदी साहित्य में जनजाति विमर्श की भूमिका, स्वर और सरोकारों का विश्लेषण करना।
- जनजाति अस्मिता, पहचान और प्रतिरोध की चेतना की समझ विकसित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

- विद्यार्थी हिंदी साहित्य में चित्रित जनजातीय जीवन और संस्कृति को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी हिंदी साहित्य में विवेचित जनजाति विमर्श की भूमिका से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी जनजातीय अस्मिता की चेतना से परिचित हो सकेंगे।

**इकाई 1 : जनजाति साहित्य की संकल्पना और परिप्रेक्ष्य**

(13 घंटे)

- जनजाति की परिभाषा और अवधारणा
- जनजाति साहित्य और वाचिक परम्परा
- भारत में जनजाति साहित्य का उद्भव-विकास एवं विशेषताएँ

**इकाई 2 : वैश्विक परिप्रेक्ष्य और जनजातीय साहित्य**

(13 घंटे)

- वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जनजाति साहित्य का उद्भव



- विभिन्न जनजातीय समुदायों का संक्षिप्त परिचय
- उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया और जनजाति आंदोलन
- जनजाति: वननीति और कानून

इकाई 3: जनजातीय साहित्य: कविता

(10 घंटे)

- बाहुरु सोनवने - स्टेज
- ग्रेस कुजूर - एक और जनी शिकार
- निर्मला पुतुल - चुड़का सोरेन से

इकाई 4: जनजातीय साहित्य की विविध विधाएँ- कहानी और उपन्यास

(10 घंटे)

- रोज़ के केरकेट्टा - बिरुवार गमछा
- पीटर पॉल एक्का - राजकुमारों के देश में
- वाल्टर भेंगा 'तरण' - जंगल की ललकार

व्यवहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबंधित पुस्तकों रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

सहायक ग्रंथ-

1. टेटे, वंदना. आदिवासी साहित्य : परंपरा और प्रयोजन, नोशन, भारत, 2021
2. नेगी, स्नेहलता. आदिवासी समाज और साहित्य, अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली, 2021
3. गुप्ता, रमणिका (सं.). आदिवासी कौन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2019
4. गिरि, राजीव रंजन. परस्पर : भाषा-साहित्य -आंदोलन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली



5. मीणा, गंगा सहाय (सं.). *आदिवासी साहित्य विमर्श*, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2014
6. टेटे, बंदना. वाचिकता, राधाकृष्ण पेपरबैक्स, दिल्ली, 2019
7. किड़ो, वासवी. *भारत की क्रांतिकारी आदिवासी औरतें*, अनुजा बुक्स, दिल्ली, 2025
8. Rai, Kumar Binay, L.P. Vidyarthi. *The Tribal Culture of India*, Concept Publishing Company (P) LTD., New Delhi, 2023
9. Xaxa, Virginius. *State, Society and Tribes: Issues in Post-Colonial India*, Pearson Education, India (Noida), 2014



## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Semester II ( For One Year PG)

Semester IV (For Two Year PG)

## DSE 6 आधुनिक विश्व साहित्य (अनुदित)

| Course title & Code                | Credits | Credit distribution of the course |          |                    | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|--------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                    |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/Practice |                                      |                                       |
| DSE6<br>आधुनिक<br>विश्व<br>साहित्य | 4       | 3                                 | 1        | —                  | स्नातक उत्तीर्ण                      | Annexure                              |

## पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को विश्व साहित्य की परम्परा और महत्व से परिचित कराना.
- विद्यार्थियों को विश्व साहित्य की प्रतिनिधि कृतियों और रचनाकारों के संदर्भ में जानकारी देना.
- विश्व साहित्य और वैश्विक संस्कृति के प्रसार में अनुवाद की भूमिका से परिचित कराना.

## पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी विश्व साहित्य की परम्परा और महत्व से परिचित हो सकेंगे.
- विद्यार्थी विश्व साहित्य की प्रतिनिधि कृतियों और रचनाकारों के संदर्भ में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे.
- विश्व साहित्य और वैश्विक संस्कृति के प्रसार में अनुवाद की भूमिका से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे.



**इकाई-1:विश्व साहित्य : अवधारणा और महत्व**

**(13 घंटे)**

- विश्व साहित्य: अर्थ और स्वरूप
- विश्व साहित्य और वैश्विक संस्कृति
- विश्व साहित्य और अनुवाद

**इकाई-2:विश्व साहित्य: कविता**

**(12 घंटे)**

- खिड़की पर सुबह (ईस्ट कोकर-तीसरा अंश) : टी.एस. इलियट(इंग्लैंड)  
(अनुवाद एवं संकलन – धर्मवीर भारती, देशांतर, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी)
- अबीकू: बोले शोयिंका (नाइजीरिया)  
मौसम अपशकुनों का: जे.पी. क्लार्क (नाइजीरिया)  
(अनुवाद-वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, पानी के छींटे सूरज के चेहरे पर, संभावना प्रकाशन हापुड़)
- औरत, कवि: विसेन्ते यूदोबोरो (चिली)  
(अनुवाद एवं संकलन – धर्मवीर भारती, देशांतर, भारतीयज्ञानपीठ, काशी)
- मेरे बिना प्रभुतुम, तुमसे साक्षात्कार के पहले ही: रेनर मरिया रिल्के  
(आस्ट्रिया-जर्मनी)

**इकाई-3:विश्व साहित्य: कथा साहित्य**

**(12 घंटे)**

- उपन्यास- ऐनिमल फार्म(अंग्रेजी) : जार्ज ऑरवेल, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी : 1- ऐसे ही किसी दिन : गैब्रियल गार्सिया मार्खेज (स्पेनी)
- कहानी : 2- लास्ट लीफ: ओ हेनरी(अंग्रेजी)
- कहानी : 3- गिरगिट: अन्तोव चेखव(रूसी)
- कहानी : 4- शिनागावा बंदर की स्वीकारोक्ति: हारुकी मुराकामी  
(जापानी)

(अनुवाद-श्री विलास सिंह, समालोचन पत्रिका)

**इकाई-4: विश्वसाहित्य: नाटक**

**(12 घंटे)**

- मैले हाथ: ज्याँ पॉल सात्र (फ्रांसीसी)  
(अनुवाद- मनोज कश्यप 'भालेन्दु', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)



### व्यावहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबंधित पुस्तकों रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

### सहायक ग्रंथ:

- भारती, धर्मवीर. *देशांतर*, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी, 1960
- बरनवाल, वीरेन्द्र कुमार. *पानी के छीटे सूरज के चेहरे पर*, संभावना प्रकाशन, हापुड
- ऑर्वेल, जार्ज. *ऐनिमल फार्म*, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019
- सात्र, ज्यॉ पॉल. 'भालेन्दु', कश्यप, मनोज (अनु.), *मैले हाथ*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2023
- सिंह, नामवर. *आधुनिक विश्व साहित्य और सिद्धांत*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2023
- उपाध्याय, भगवत शरण. *विश्व साहित्य की रूपरेखा*, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली, 1959
- राकेश, राजकुमार. *विलक्षण यात्री-गैब्रियल गार्सिया मार्खेज से एक रचनात्मक मुडभेड़*, आधार प्रकाशन, (पंचकुला) चंडीगढ़, 2016



**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**एम. ए. (हिंदी)**  
**Semester II ( For One Year PG)**  
**Semester IV (For Two Year PG)**  
**GE1 प्रकृति, पर्यावरण और आधुनिक हिंदी कविता**

| Course title & Code                                       | Credits | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-----------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                           |         | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| <b>GE1</b><br><br>प्रकृति, पर्यावरण और आधुनिक हिंदी कविता | 4       | 3                                 | 1        | —                    | स्नातक उत्तीर्ण                      | Annexure                              |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

- विद्यार्थियों को प्रकृति और पर्यावरण की अवधारणात्मक जानकारी प्रदान करना।
- प्रकृति और पर्यावरण से संबंधित हिंदी साहित्य से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में पर्यावरण संबंधी चेतना विकसित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

- विद्यार्थी प्रकृति और पर्यावरण की अवधारणा से परिचित होंगे।
- प्रकृति और पर्यावरण संबंधी हिंदी साहित्य की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- पर्यावरण संबंधी चेतना के माध्यम से अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह कर सकेंगे।

**इकाई – 1 : प्रकृति, पर्यावरण और भूमंडलीकरण**

(12 घंटे)

- प्रकृति और पर्यावरण की अवधारणा
- पर्यावरण की समस्याएँ और प्रदूषण
- अर्थव्यवस्था के भूमंडलीकरण का पर्यावरण पर प्रभाव
- पर्यावरण की समस्याएँ और राजनीति



## इकाई – 2 : छायावादी कविता : प्रकृति और पर्यावरण

(12 घंटे)

- किरण ('झरना' से) – जयशंकर प्रसाद
- संध्या-सुंदरी ('परिमल' से) – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- एक तारा ('गुंजन' से) – सुमित्रानंदन पंत
- संसार ('नीहार' से) – महादेवी वर्मा

## इकाई – 3 : प्रगतिशील और नयी कविता : प्रकृति और पर्यावरण

(10 घंटे)

- 'उषा' और 'सागर-तट' ('कुछ कविताएँ' से) – शमशेर बहादुर सिंह
- पछाड़ दिया मेरे आस्तिक ने ('प्रतिनिधि कविताएँ' से) – नागार्जुन
- बसंती हवा ('युग की गंगा' से) – केदारनाथ अग्रवाल
- 'भीतर जागा दाता' और 'नंदा देवी' (पहला, दूसरा एवं छठा खंड) – 'सदानीरा' से : अज्ञेय

## इकाई – 4 : साठ के बाद की कविता : प्रकृति और पर्यावरण

(10 घंटे)

- 'धूप' और 'वसंत आया' ('सीढ़ियों पर धूप में' से) – रघुवीर सहाय
- 'अकाल में सारस' ('अकाल में सारस' से) 'पानी की प्रार्थना' ('टॉलस्टाय और साइकिल' से) – केदारनाथ सिंह
- 'अथ पुरातन कथा' और 'बचे-खुचे जंगल के साथ' ('अतिक्रमण' से) – कुमार अंबुज
- 'सभ्यताओं के मरने की बारी' और 'क्यों महुए तोड़े नहीं जाते पेड़ से' ('ईश्वर और बाजार' से) – जसिंता केरकेट्टा

## व्यावहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबंधित पुस्तकों, रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन



- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

सहायक पुस्तकें :

- McNeill, J.R.. *Something New Under the Sun: An Environmental History of the Twentieth Century*, w.w. Norton & company new York, 2001
- Guha, Ramachandra . *Environmentalism: A Global History* –Pearson In, Noida, 2001
- शुक्ल, रामचन्द्र. 'काव्य में प्राकृतिक दृश्य' (निबंध) –चिंतामणि भाग-2, अद्वैत प्रकाशन, 2024
- सिंह, नामवर. *छायावाद*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2015
- वात्स्यायन, सच्चिदानंद (सं.). *रूपाम्बरा*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2025



**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**एम. ए. (हिंदी)**  
**Semester II ( For One Year PG)**  
**Semester IV (For Two Year PG)**  
**GE 2 सोशल मीडिया और हिंदी**

| Course title & Code              | Credits | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|----------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                  |         | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| GE 2<br><br>सोशल मीडिया और हिंदी | 2       | 1                                 | -        | 1                    | स्नातक उत्तीर्ण                      | Annexure                              |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

- विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म और उनकी कार्यप्रणाली से परिचित कराना
- हिंदी भाषा में मीडिया के उपयोग, प्रभाव और महत्व की समझ विकसित करना
- डिजिटल युग में हिंदी पत्रकारिता और संचार के नवीन आयामों से अवगत कराना
- सोशल मीडिया के माध्यम से ब्रांड मैनेजमेंट, सामाजिक अभियान और रचनात्मक लेखन का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

- विद्यार्थी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की कार्य प्रणाली और उनके उपयोग को समझ सकेंगे
- हिंदी में प्रभावी और आकर्षक डिजिटल सामग्री का निर्माण कर सकेंगे
- सोशल मीडिया के माध्यम से सामाजिक अभियान चला सकेंगे
- डिजिटल युग में हिंदी भाषा और साहित्य की भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे

इकाई-1 : सोशल मीडिया : अवधारणा, स्वरूप और विकास

(13 घंटे)

- सोशल मीडिया : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और इतिहास



- सोशल मीडिया के प्रकार और प्लेटफॉर्म (फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर (X), थ्रेड्स, यूट्यूब, व्हाट्सएप, टेलीग्राम)
- सामाजिक सम्प्रेषण में सोशल मीडिया की भूमिका
- सोशल मीडिया : जोखिम और चुनौतियाँ (साइबर सुरक्षा और गोपनीयता, फेक न्यूज़, डिजिटल विभाजन)

इकाई-2 : हिंदी और सोशल मीडिया : भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक आयाम (12 घंटे)

- सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा : स्वरूप, प्रयोग, चुनौतियाँ
- सोशल मीडिया पर हिंदी कविता, कहानी लेखन और नागरिक पत्रकारिता
- डिजिटल साहित्य : ई-बुक्स, ऑडियोबुक्स, ब्लॉग और पॉडकास्ट
- सांस्कृतिक संचार और हिंदी सोशल मीडिया

इकाई-3 : सोशल मीडिया सामग्री निर्माण : तकनीक और रणनीति (10 घंटे)

- ब्लॉग लेखन : सिद्धांत और व्यवहार
- सोशल मीडिया पर रचनात्मक सामग्री लेखन : स्टोरी लेखन, कैंपेन, यूट्यूब और शॉर्ट्स के लिए लेखन, पॉडकास्ट
- सोशल मीडिया मार्केटिंग
- एनीमेशन और विजुअल स्टोरी टेलिंग, वीडियो संपादन

इकाई-4 : सोशल मीडिया का व्यावहारिक पक्ष और अनुप्रयोग (10 घंटे)

- सोशल मीडिया अभियान और ब्रांड प्रबंधन, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग
- व्यक्तिगत ब्लॉग, सोशल मीडिया पेज का निर्माण
- सोशल मीडिया और कानून : साइबर कानून, कॉपीराइट, प्लेगरिज्म और बौद्धिक संपदा अधिकार, डेटा प्राइवेसी
- सोशल मीडिया और आजीविका

व्यावहारिक कार्य :

- व्याख्यान, सहयोगी शिक्षा, पोर्टल/ब्लॉग रिव्यू, समूह चर्चा, समूह वाचन, ई-बुक समीक्षा, पॉडकास्ट चर्चा।

सहायक ग्रंथ :

- प्रभात रविन्द्र. *सामाजिक मीडिया और हम*, नोशन प्रेस, 2020
- सुमन स्वर्ण. *सोशल मीडिया*, हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर इंडिया, 2014
- जाधव रविन्द्र. *मीडिया और हिंदी : बदलती प्रवृत्तियाँ*, वाणी प्रकाशन, 2016
- शर्मा कुमुद. *भूमंडलीकरण और मीडिया*, प्रभात प्रकाशन, 2013



- गवली, कल्पना (सं.). *सोशल मीडिया और हिंदी*, माया प्रकाशन, कानपुर, 2020
- प्रभाकर विजय, *डिजिटल हिंदी की यात्रा*, एशियन प्रेस, दिल्ली, 2020
- चतुर्वेदी, जगदीश्वर. *वर्चअल रियलिटी, साइबर संस्कृति और इंटरनेट*, एकैडमिक पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2022
- भाटिया, कविता. *सोशल मीडिया वर्चअल से वास्तविकता*, सेतु प्रकाशन, नोएडा, 2022
- हंस पत्रिका, *न्यू सोशल मीडिया विशेषांक* (अक्टूबर, 2018)
- Fuchs, Christian, *Culture and Economy in the Age of social media*, Routledge publication, 2015
- Trotter, Daniel and Fuchs, *Social Media, Politics and the State*, Routledge publication, 2014



**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**एम. ए. (हिंदी)**  
**Semester II ( For One Year PG)**  
**Semester IV (For Two Year PG)**  
**SBC-1 हिंदी सिनेमा में गीत लेखन**

| Course title & Code                | Credits | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                    |         | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| SBC-1<br>हिंदी सिनेमा में गीत लेखन | 2       | 1                                 | -        | 1                    | स्नातक उत्तीर्ण                      | Annexure                              |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

1. विद्यार्थियों को हिंदी सिनेमा व गीत परम्परा से परिचित कराना।
2. हिंदी सिनेमा के विविध व्यावहारिक पक्षों की जानकारी देना।
3. हिंदी सिनेमा व गीत लेखन कौशल से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

1. विद्यार्थी हिंदी सिनेमा – गीत परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
2. हिंदी सिनेमा के विविध पक्षों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. हिंदी सिनेमा – गीत लेखन कौशल प्राप्त कर सकेंगे।

**इकाई-1 : गीत और हिंदी सिनेमा**

(-- घंटे)

- गीत : अर्थ, स्वरूप और हिंदी सिनेमा में गीत विधा।
- हिंदी सिनेमा गीत : परंपरा, विकास और लोक तत्व
- हिंदी सिनेमा – गीतों की भूमिका – सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीयता की भावना
- प्रमुख गीतकारों का परिचय : नरेंद्र शर्मा, कवि प्रदीप, साहिर लुधियानवी, गुलजार, संतोष आनंद, नीरज, इरशाद कामिल, प्रसून जोशी,



## इकाई-2 : हिंदी सिनेमा-गीत : लेखन, तत्व और प्रविधि

(-- घंटे)

- गीत के बोल, संगीत की संरचना और राग-गायन
- गीत की संरचना : ध्वनि, लय, गति, गतिशीलता, सामंजस्य
- गीत लेखन की प्रविधि – मुखड़ा (Intro), छंद (Verse), पूर्व कोरस (Pre Chorus), कोरस (Chorus), ब्रिज (Bridge), वाद्य एकल (Instrumental Solo), कोडा (Qutro)
- गीत में साहित्यिक कविता या शायरी का प्रयोग

### व्यावहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना।
- हिंदी सिनेमा के गीतों की समीक्षा करना।
- दिए गए विषय पर गीत लिखना।
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं/गीतकारों की सूची तैयार करना तथा वैशिष्ट्य रेखांकित करना।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य।

### सहायक ग्रंथ :-

- मिश्र, यतींद्र. *हमसफर : हिंदी सिनेमा और संगीत*, पेंगुइन बुक्स, दिल्ली, 2013
- श्रीवास्तव, राजीव. *सात सुरों का मेला*, प्रकाशन विभाग, दिल्ली, 2020
- चड्ढा, मनमोहन. *हिंदी सिनेमा का इतिहास*, म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 2021
- हँस (पत्रिका), *हिंदी सिनेमा के सौ साल (विशेषांक)*
- मेहता, डॉ. नीना (सं.). *इरशाद कामिल: साहित्यिक संवेदना और सरोकार*, रूप कवल प्रकाशन, लुधियाना (पंजाब), 2025
- राग, पंकज. *धुनों की यात्रा*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006
- पारख, जवरीमल्ल. *साहित्य, कला और सिनेमा*, वाम प्रकाशन, नई दिल्ली, 2024
- कामिल, इरशाद. *काली औरत का ख्वाब*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2025



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Semester II (For One Year PG)

Semester IV (For Two Year PG)

SBC : हिंदी का यात्रा साहित्य : वृत्त और वृत्तांत

| Course title & Code                                            | Credits | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|----------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                |         | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practise |                                      |                                       |
| SBC<br>हिंदी का<br>यात्रा<br>साहित्य :<br>वृत्त और<br>वृत्तांत | 2       | 1                                 | 0        | 1                    | स्नातक<br>उत्तीर्ण                   | Annexure                              |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के माध्यम से समाज एवं संस्कृति के विविध पहलुओं से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता के भाव-बोध को जागृत करना।
- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के इतिहास की सामान्य जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी यात्रा साहित्य के लेखकों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी यात्रा वृत्तांत के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व से परिचित होंगे।
- यात्रा वृत्तांत के माध्यम से पर्यटन के प्रति रुचि विकसित होगी।



इकाई 1 : हिंदी यात्रा साहित्य: परिचय एवं पाठ (12 घंटे)

- हिंदी यात्रा साहित्य: सामान्य परिचय, यात्राओं का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक परिप्रेक्ष्य
- पैरों में पंख बांधकर (1952) : रामवृक्ष बेनीपुरी
- स्मरण को पाथेय बनने दो (1977) : विष्णुकांत शास्त्री
- मैं कहती हूँ आखिर देखी (1997) : पदमा सचदेव

इकाई 2 : हिंदी यात्रा साहित्य: प्रयोगात्मक कार्य (12 घंटे)

- यात्रा साहित्य की पुस्तकों की समीक्षा
- यात्रा साहित्य पर समूह चर्चा
- स्वयं की किसी यात्रा का सामाजिक, सांस्कृतिक उपादेयता की दृष्टि से लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया कोई व्यावहारिक अथवा परियोजना कार्य

सहायक ग्रंथ:

- माथुर, डॉ. सुरेंद्र. यात्रा साहित्य का उद्भव और विकास, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली, 1963
- शर्मा, प्रताप पाल. हिंदी का आधुनिक यात्रा साहित्य, अमर प्रकाशन, दिल्ली, 2003
- उप्रेती, रेखाप्रवीण. हिंदी का यात्रा साहित्य, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली, 2000
- स्वामी, डॉ. रमेश सदाशिव, हिंदी का स्वतंत्र्य प्राप्त्युत्तर, 1992
- तिवारी, विश्व मोहन. हिंदी का यात्रा साहित्य : एक विहंगम दृष्टि, आलेख प्रकाशन, दिल्ली, 2008
- शर्मा, मुरारीलाल. हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, दिल्ली, 2003



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020  
M.A. Hindi

Structure 3 (Level 6.5) : Research  
Semester II (For One Year PG) /  
Semester IV (For Two Year PG)

| N<br>o. | Paper<br>Type                           | Paper Name                                                         | Page<br>No. |
|---------|-----------------------------------------|--------------------------------------------------------------------|-------------|
| 1       | Pool of<br>DSE<br>(For II/IV<br>Sem)    | 1. नाटक और रंगमंच : शोध की संभावनाएं और समस्याएं                   |             |
|         |                                         | 2. कहानी एवं उपन्यास : शोध की संभावनाएं और समस्याएं                |             |
|         |                                         | 3. सिद्धांत और आलोचना : शोध की संभावनाएं और समस्याएं               |             |
|         |                                         | 4. अस्मितामूलक विमर्श : शोध की संभावनाएं और समस्याएं               |             |
|         |                                         | 5. स्त्री चिंतन और अनुसंधान                                        |             |
|         |                                         | 6. अनुवाद, जनसंचार एवं भाषा विज्ञान : शोध की संभावनाएं और समस्याएं |             |
|         | Techniques<br>of<br>Research<br>writing | 1. शोध लेखन की तकनीक                                               |             |



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

**Structure 3 (Level 6.5) : Research**

**Semester II ( For One Year PG)**

**Semester IV (For Two Year PG)**

**DSE : नाटक और रंगमंच : शोध की संभावनाएं एवं समस्याएं**

| Course title & Code                                                     | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                         |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>हिंदी नाटक<br>और रंगमंच :<br>शोध की<br>संभावनाएं एवं<br>समस्याएं | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक<br>उत्तीर्ण                   | —                                     |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिंदी नाटक और रंगमंच से संबंधित शोध के विभिन्न क्षेत्रों से परिचित कराना।
- हिंदी रंगमंच के अखिल भारतीय स्वरूप की समझ विकसित करना।
- हिंदी के मंचीय नाटकों के अनुभव को परस्पर संवाद द्वारा प्रकट करने में सक्षम होंगे।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):



- विद्यार्थियों हिंदी नाटक और रंगमंच से संबंधित शोध के विभिन्न क्षेत्रों से परिचित होंगे।
- हिंदी रंगमंच के अखिल भारतीय स्वरूप की समझ विकसित होगी।
- हिंदी के मंचीय नाटकों के अनुभव को परस्पर संवाद द्वारा प्रकट करने में सक्षम होंगे।

इकाई -1: भक्ति संदर्भित रंगमंच / भक्ति रंगमंच (9 घंटे)

इकाई -2: लोकनाट्य भक्ति पद्धतियां (12 घंटे)

इकाई -3: रंगमंच का अखिल भारतीय स्वरूप (12 घंटे)

इकाई -4: प्रदर्शनकारी कलाएं और रंगमंच / हिंदी के मंचीय नाटकों का अनुभव संवाद / पुनर्पाठ / पुनर्अध्ययन (12 घंटे)

सहायकग्रंथ:

1. जैन, नेमिचंद. रंगदर्शन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, दूसरा संस्करण, 1983
2. तनेजा, जयदेव, हिंदी रंगकर्म. दशा और दिशा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1998
3. अंकुर, देवेन्द्रराज. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण, 2006
4. राकेश, मोहन. मेरे साक्षात्कार, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण, 2003
5. ओक्षा, दशरथ. हिंदी नाटक, उद्भव और विकास, राजपाल एंड संस प्रकाशन, संस्करण, 2008
6. गार्गी, बलवंत. रंगमंच, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम हिंदी संस्करण, 1968
7. कुमार, सिद्धनाथ. नाटकालोचन के सिद्धांत, भावना प्रकाशन, संस्करण, 1998
8. कपिला वात्स्यायन. पारंपरिक भारतीय रंगमंच, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली, संस्करण, 2011
9. डॉ. अज्ञात. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, पुस्तक संस्थान, कानपुर, प्रथम संस्करण, 1978
10. Varadpande, ML. *History of Indian Theatre*, Abhinav publications, Delhi, 1987



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

**Structure 3 (Level 6.5) : Research**

**Semester II (For One Year PG)**

**Semester IV (For Two Year PG)**

**DSE2 कहानी और उपन्यास: शोध की संभावनाएं और समस्याएं**

| Course title & Code                                             | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-----------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                 |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE2<br>कहानी और<br>उपन्यास: शोध<br>की संभावनाएं<br>और समस्याएं | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- कथा साहित्य की सैद्धांतिकी और प्रविधियों का अध्ययन ।
- कहानी के क्षेत्र में शोध की नयी संभावनाओं की तलाश ।
- उपन्यास के क्षेत्र में शोध की नयी संभावनाओं की तलाश ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक बदलावों की पहचान ।



- कथा साहित्य के क्षेत्र में विकसित नए क्षेत्रों की पहचान ।
- कथा साहित्य में नए प्रयोगों की पहचान ।

इकाई 1 : सिद्धान्त, आलोचना और उपन्यास

(दास्तानगोई, यथार्थवाद और उपन्यास, व्यक्ति और उपन्यास, उपन्यास का समाजशास्त्र, राष्ट्रवाद और उपन्यास, इतिहास और उपन्यास, महाकाव्य और उपन्यास आदि सिद्धांतों/धारणाओं का पाठ के उदाहरण से अध्यापन)

इकाई 2 : सिद्धांत, आलोचना और कहानी

(किस्सागोई की परंपरा, औपनिवेशिक दौर और कहानी, इतिहास, मिथक, संस्कृति और कहानी, व्यक्ति, समाज और कहानी, कहानी के बदलते आयाम, कहानी और लंबी कहानी, आदि बिन्दुओं का पाठ के उदाहरण से अध्यापन)

इकाई 3 : ऐतिहासिक सामाजिक बदलाव और कथा साहित्य

(जासूसी कहानियाँ, औपनिवेशिक दौर और उपन्यास, स्वातंत्र्योत्तर कथा साहित्य, साठोत्तरी कथा साहित्य, भूमंडलीकरण और कथा साहित्य आदि बिन्दुओं पर आर्थिक-सामाजिक बदलावों की दृष्टि से पाठ के उदाहरण से अध्यापन)

इकाई 4 : समकालीन विमर्श और कथा साहित्य

(आदिवासी, दलित, स्त्री और अन्य समकालीन विमर्शों पर पाठ के उदाहरण से अध्यापन)

संदर्भ ग्रंथ :

1. फाक्स, रैल्फ. नागर, (अनु.). नरोत्तम उपन्यास और लोक जीवन, पी.पी.एच, नयी दिल्ली, 2008 ।
2. यादव, राजेंद्र. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना, वाणी प्रकाशन, सं. 2020 नयी दिल्ली ।
3. सिंह, नामवर (संपा). आधुनिक हिन्दी उपन्यास 1, 2, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2020 ।
4. पाण्डेय, मैनेजर. उपन्यास और लोकतंत्र-वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2018 ।
5. तिवारी, नित्यानंद. आधुनिक साहित्य और इतिहास बोध-वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2009 ।
6. मदान, इन्द्रनाथ. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, सं. 2025, दिल्ली ।
7. ब्युरैक, ए.एस. चतुर्वेदी, राममित्र (अनु.)., शुक्ल, रमेश चन्द्र (अनु.). उपन्यास-लेखन शिल्प, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादेमी, भोपाल ।
8. फार्स्टर, ई. एम., भार्गव, राजुला (अनु.)., उपन्यास के पक्ष, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादेमी, जयपुर ।
9. यादव, वीरेंद्र. उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता-राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2017 ।
10. तिवारी, विनोद (संपा.) उपन्यास : कला और सिद्धान्त -1, 2, अजय आनंद, अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016 ।
11. Georg Lukacs, translated by Anna Bostock. *The Theory of the Novel* - The MIT Press, USA., 1977
12. James, Henry. *The Art of Fiction, Partial Portraits* (Macmillan).
13. James, Henry. *Selected Literary Criticism*, Morris Shapira (Edt.) – Penguin Books Ltd. England., 1987
14. Lubbock, Percy. *The Craft of Fiction* – Read A Classic, Jonathan Cape, London, 1963, U.S.A.



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

**Structure 3 (Level 6.5) : Research**  
**Semester II (For One Year PG)**  
**Semester IV (For Two Year PG)**

**DSE:सिद्धांत और आलोचना: शोध की संभावनाएं और समस्याएं**

| Course title & Code                                               | Credits | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                   |         | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| DSE3<br>सिद्धांत और<br>आलोचना: शोध<br>की संभावनाएं<br>और समस्याएं | 4       | 3                                 | 1        | 0                    | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विभिन्न साहित्यिक सिद्धांतों और आलोचना पद्धतियों की जानकारी प्रदान करना।
- संस्कृत और हिंदी आलोचना सिद्धांतों की समझ विकसित करना।
- पाश्चात्य शोध सैद्धान्तिकियों और हिंदी साहित्य में उनके प्रयोग की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):



- संस्कृत और हिंदी आलोचना सिद्धांतों को जानेंगे।
- पाश्चात्य शोध सैद्धान्तिकियों और हिंदी आलोचना सैद्धान्तिकियों को जानेंगे।
- सिद्धांत, आलोचना, रचना के अंतर्संबंधों को जानेंगे।

इकाई : 1 संस्कृत और हिंदी आलोचना- सिद्धांत: शोध की संभावनाएं  
( हिंदी कविता, कथा साहित्य और अन्य विधाओं पर संस्कृत और हिंदी के काव्य शास्त्र का प्रभाव, हिंदी आलोचना पर काव्यशास्त्र का प्रभाव)

इकाई : 2 पाश्चात्य काव्य चिंतन: शोध की संभावनाएं  
( पाश्चात्य काव्य चिंतन का हिंदी साहित्य पर प्रभाव; शास्त्रवाद, स्वछंदतावाद और आधुनिकतावाद के विशेष संदर्भ में)

इकाई : 3 साहित्यिक सिद्धांतिकी: शोध की संभावनाएं  
( रूपवाद, कला कला के लिए, यथार्थवाद, मार्क्सवाद, नई समीक्षा, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, उत्तर औपनिवेशिकता के विशेष संदर्भ में)

इकाई : 4 सिद्धांत, आलोचना और रचना का अंतर्संबंध

संदर्भ ग्रंथ:

1. कुमार, सुशील, संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास भाग-1, हिंदी बुक सेंटर, 1960
2. मीणा, रमेश चंद, आदिवासी विमर्श, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, 2021
3. मिश्र, जितेन्द्र नाथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विजय प्रकाशन मंदिर, 2023
4. नागेन्द्र, भारतीय काव्यशास्त्र, राजकमल प्रकाशन, 1952
5. पाण्डेय, रणजीत कुमार, संस्कृत काव्यशास्त्र और आचार्य वामन, विजय प्रकाशन, 2021
6. पुष्पा, मैत्रेयी, अल्मा कबूतरी, वाणी प्रकाशन, 2000
7. वाल्मीकि, ओमप्रकाश, जूठन, राधाकृष्ण प्रकाशन, 1997
8. शुक्ल, रामचन्द्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, 1929 (पुनर्मुद्रण 2020).
9. सोबती, कृष्णा, मित्रो मरजानी, राजकमल प्रकाशन, 1966
10. सिंह, सुधा, ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ, नॉट नल डॉट कॉम
11. Aristotle Poetics, Translated by Malcolm Heath, Penguin Classics, 1996
12. Arya, Sunaina, and Aakash Singh Rathore, editors, Dalit Feminist Theory: A Reader, Routledge, 2019
13. Culler, Jonathan, Literary Theory: A Very Short Introduction, Oxford University Press, 1997
14. de Beauvoir, Simone, The Second Sex, Translated by Constance Borde and Sheila Malovany-Chevallier, Vintage, 2011
15. De, S. K, Sanskrit Poetics as a Study of Aesthetic, University of California Press, 1963
16. Eagleton, Terry, Literary Theory: An Introduction, Anniversary ed., Blackwell, 2008



17. Ingalls, Daniel H. H., translator and editor, An Anthology of Sanskrit Court Poetry: Vidyākara's "Subhāṣitaratnaḥa", Harvard University Press, 1965
18. Shahani, Parmesh, Queeristan: LGBTQ Inclusion in the Indian Workplace, Westland, 2020
19. Shekhar, Hansda Sowvendra, The Adivasi Will Not Dance, Speaking Tiger, 2015

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए.(हिंदी)

**Structure 3 (Level 6.5) : Research**  
**Semester II ( For One Year PG)**  
**Semester IV (For Two Year PG)**

| Course title & Code                                                                           | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                                               |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| <b>DSE</b><br>अस्मितामूलक विमर्श : शोध की संभावनाएं और समस्याएं<br>(आदिवासी, स्त्री एवं दलित) | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

**DSE:**अस्मितामूलक विमर्श: शोध की संभावनाएं और समस्याएँ

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

- > अस्मिताओं का विश्लेषणात्मक ज्ञान की समझ को विकसित करना।
- > आदिवासी विमर्श की भूमिका, स्वर और सरोकारों का विश्लेषण करना।



> दलित साहित्य की पहचान और प्रतिरोध की चेतना की समझ विकसित करना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- > विद्यार्थी अस्मिताओं का विश्लेषणात्मक ज्ञान की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- > विद्यार्थी आदिवासी विमर्श साहित्य से परिचित होंगे।
- > विद्यार्थी दलित साहित्य की उपस्थिति के महत्व से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई 1: अस्मिता की निर्मिति और इतिहास

(13 घंटे)

- अस्मिता की अवधारणा और सिद्धांत
- अस्मिता निर्माण की प्रकृति
- अस्मिता के प्रकार
- भूमंडलीकरण और अस्मिता

इकाई 2 : शोध-क्षेत्र के रूप में दलित साहित्य

(11 घंटे)

- दलित विमर्श और साहित्य का स्वरूप
- दलित साहित्य का ऐतिहासिक आधार : अंबेडकरवाद
- दलित साहित्य के प्रमुख सरोकार और सामाजिक न्याय की स्थापना का संवैधानिक लक्ष्य
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

इकाई 3 : शोध-क्षेत्र के रूप में स्त्री साहित्य

(11 घंटे)



- वैश्विक परिप्रेक्ष्य में आदिवासी

सहायक ग्रंथ :

1. मुंडा, रामदयाल. आदिधर्म. पेंगुइन प्रकाशन वर्ष (मूल संस्करण 1937 या बाद में, हिन्दी संस्करण नव प्रकाशित)
2. नेगी, स्नेहलता. आदिवासी समाज और साहित्य, अनुज्ञा बुक्स प्रकाशन
3. शर्मा, ब्रह्मदेव. आदिवासी स्वशासन. प्रकाशन संस्थान, 1994
4. तिवारी, बजरंग बिहारी, दलित साहित्य एक अंतर्गता (द्वि.सं. 2023, प्र. सं. 2015), नवारुण प्रकाशन, गाजियाबाद।,
5. मीणा, गंगा सहाय. आदिवासी चिंतन की भूमिका. अनन्या प्रकाशन, 2016
6. गुप्ता, रमणिका. आदिवासी कौन. राधाकृष्ण प्रकाशन, 2016.
7. लिंबाले, शरणकुमार. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र. वाणी प्रकाशन, 2020.
8. वाल्मीकि, ओमप्रकाश. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, 2010.
9. चौहान, सुशीला टाकमोरे. दलित साहित्य की मुख्य धारा. वाणी प्रकाशन, 2011.
10. नैमिशराय, मोहनदास. दलित आंदोलन का इतिहास (खंड 1-4). राजकमल प्रकाशन, 2024.
11. चतुर्वेदी, जगदीश्वर, सिंह सुधा, लिंगभेद पितृसत्ता और स्त्रीवाद, एकैडमिक पब्लिकेशन, दिल्ली, 2021
12. अग्रवाल, रोहिणी, स्त्री लेखन स्वप्न और संकल्प, राजकमल प्रकाशन दिल्ली, 2025
13. तलवार, वीर भारत, उत्पीड़ितों के विमर्श, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2025
14. गिरि, राजीव रंजन, (सं.) स्त्री मुक्ति: यथार्थ और यूटोपीया, अनुज्ञा बुक्स प्रकाशन, दिल्ली 2023



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020  
एम. ए. (हिंदी)  
**Structure 3 (Level 6.5) : Research**  
**Semester II (For One Year PG)**  
**Semester IV (For Two Year PG)**  
**DSE: स्त्री चिंतन और अनुसंधान**

| Course title & Code             | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                 |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>स्त्री चिंतन और अनुसंधान | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- स्त्री चिंतन की भारतीय परंपरा से परिचित होना।
- स्त्री चिंतन और लेखन के क्षेत्र में भारतीय और यूरोपीय लेखन के संदर्भों को समझना।
- विभिन्न दार्शनिक/सामाजिक/ राजनीतिक परिस्थितियों और स्त्री लेखन के अंतर्संबंधों को समझना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी स्त्री लेखन की सुदीर्घ भारतीय परंपरा से परिचित होंगे।
- वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय स्त्री लेखन की विशेषताओं को समझेंगे।



➤ दर्शन, संस्कृति, साहित्य, सामाजिक चिंतन और स्त्री लेखन के अंतर्संबंधों को समझेंगे।

**इकाई : 1 प्राचीन काल और मध्यकाल में स्त्री की स्थिति और चिंतन की दिशाएँ** (11 घंटे)

- वैदिक और मिथकीय साहित्य में स्त्री
- परिवार संरचना का महत्व और स्त्री
- शिक्षा व्यवस्था में स्त्री जीवन
- एकल परिवार में स्त्री की स्थिति

**इकाई : 2 औपनिवेशिक दौर और स्त्री चिंतन** (13 घंटे)

- बंगाल, महाराष्ट्र और हिंदी क्षेत्र का औपनिवेशिक स्त्री चिंतन
- यूरोपीय प्रभाव और स्त्री साहित्य
- सामाजिक क्रांति और स्त्री चिंतन की दिशाएँ
- आधुनिक परिवर्तन के रूप और साहित्यिक दृष्टि

**इकाई : 3 भारत का स्वतंत्रता संग्राम और स्त्री आंदोलन** (11 घंटे)

- स्वतंत्रता और स्त्री अधिकार
- भारत और यूरोप की आधुनिक महिला आंदोलनों का प्रभाव
- हिंदी का आरंभिक स्त्री चिंतन

**इकाई : 4 लोकतंत्र, स्त्री आंदोलन और स्त्री विमर्श**

(10घंटे)

- स्त्री के प्रति दार्शनिक दृष्टिकोण / स्त्री की सामाजिक स्थिति
- स्त्री आंदोलन और विमर्श की राजनीति
- लोकतंत्र में परिवार और स्त्री के विकास की चुनौतियाँ और दिशाएँ

**सहायक ग्रंथ:**

1. कपिला वात्स्यायन, मानव समाज, लोकभारती प्रकाशन, 2004
2. सांकृत्यायन, राहुल, वोल्गा से गंगा, किताब घर, 2018
3. एंगेल्स फ्रेडरिक, परिवार, राज्य और व्यक्तिगत जीवन का विकास, प्रकाशन संस्थान, 2014
4. शर्मा, ब्रह्मदेव, भारतीय समाज और यूरोपीय प्रभाव, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1996
5. सिंह, सुधा, हिंदी का आरंभिक स्त्री-चिंतन, एकैडमिक प्रकाशन, दिल्ली, 2025



6. Eunice De Souza, Lindsay Pereira, *Women's Voices*, OUP India, 2002

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. हिंदी

**Structure 3 (Level 6.5) : Research**  
**Semester II ( For One Year PG)**  
**Semester IV (For Two Year PG)**

**DSE 6:**अनुवाद, जनसंचार एवं भाषाविज्ञान : शोध की संभावनाएं एवं समस्याएँ

| Course title & Code                                                                     | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-----------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                                         |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE 6<br>अनुवाद,<br>जनसंचार एवं<br>भाषाविज्ञान :<br>शोध की<br>संभावनाएं एवं<br>समस्याएँ | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- > शोध-क्षेत्र के रूप में अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान के विविध परिप्रेक्ष्य को उद्घाटित करना।



- अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान में शोध की संभावनाओं को तलाशना।
- अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान में शोध में आनेवाली समस्याओं से परिचित कराना।

#### पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी शोध-क्षेत्र के रूप में अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान के विविध परिप्रेक्ष्य को उद्घाटित कर सकेंगे।
- अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान में शोध की संभावनाओं की तलाश करेंगे।
- अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान में शोध में आनेवाली समस्याओं से परिचित होंगे।

#### इकाई 1 : अनुवाद, जनसंचार एवं भाषाविज्ञान : अवधारणा और स्वरूप (10 घंटे)

- अनुवाद का अर्थ एवं स्वरूप
- जनसंचार की अवधारणा
- भाषाविज्ञान की संकल्पना एवं क्षेत्र

#### इकाई 2 : शोध क्षेत्र के रूप में अनुवाद (11 घंटे)

- भारत का बहुभाषिक संदर्भ और अनुवाद
- भाषिक प्रयुक्ति और अनुवाद
- वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली का निर्माण और अनुप्रयोग
- अनुवाद का सांस्कृतिक संदर्भ

#### इकाई 3 : जनसंचार में शोध का परिदृश्य (11 घंटे)

- संचार शोध : अवधारणा, महत्व एवं प्रकार
- जनसंचार में शोध की विभिन्न दृष्टियाँ और शोध-प्रक्रिया
- जनसंचार में शोध के तकनीकी आयाम
- डिजिटल मीडिया : शोध की संभावनाएं एवं चुनौतियाँ

#### इकाई 4 : भाषाविज्ञान में शोध का स्वरूप (13 घंटे)

- भाषा एवं भाषाविज्ञान का अंतःसंबंध
- भाषाविज्ञान और व्याकरण का अंतःसंबंध
- संरचनावाद और आधुनिक भाषाविज्ञान
- साहित्य का भाषावैज्ञानिक अध्ययन

सहायक ग्रंथ :



1. श्रीवास्तव, रवीन्द्रनाथ. हिंदी भाषा का समाजशास्त्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, 1994
2. तिवारी, भोलानाथ. आधुनिक भाषाविज्ञान. किताब महल, 1976
3. ब्लूमफील्ड, (लियोनार्ड ब्लूमफील्ड). भाषा (*Language*). मूल संस्करण 1933
4. शर्मा, रामविलास. भाषा और समाज. राजकमल प्रकाशन, 1961/1977
5. शर्मा, रामविलास. ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा. राजकमल प्रकाशन, 1981
6. शर्मा, राजमणि. आधुनिक भाषाविज्ञान. वाणी प्रकाशन, 2003
7. कुमार, सुरेश. अनुवाद विज्ञान की रूपरेखा
8. टंडन, डॉ. पूरनचंद, और डॉ. हरीश सेठी. अनुवाद के विविध आयाम
9. चतुर्वेदी, जगदीश्वर. जनमाध्यमः प्रौद्योगिकी और विचारधारा.
10. सिंह, सुधा. डिजिटल युग में मास कल्चर और विज्ञापन, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली
11. शर्मा, कुमुद, विज्ञापन की दुनिया, प्रभात प्रकाशन



**राष्ट्रीयशिक्षानीति 2020**  
**एम. ए. हिंदी**  
**Structure 3 (Level 6.5): Research**  
**SemesterII (For One Year PG)**  
**SemesterIV (For Two Year PG)**  
**SBC : शोध लेखन के उपकरण (टूल)**

| Course title & Code                  | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|--------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                      |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| SBC<br>शोध लेखन<br>के उपकरण<br>(टूल) | 2       | 1                                 | 0        | 1                   | स्नातक<br>उत्तीर्ण                   | —                                     |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को शोध के उपकरणों से परिचित कराना ।
- शोध लेखन के लिए आवश्यक तकनीक से अवगत कराना ।
- शोध संहिता से परिचय प्राप्त करना ।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी शोध के उपकरणों से परिचित हो सकेंगे।
- शोध के लेखन के लिए आवश्यक तकनीक से अवगत होंगे।



- शोध संहिता से परिचय प्राप्त करेंगे।
  
- इकाई 1: ग्रंथसूची संग्रह और संदर्भ उपकरण (Bibliographic Archives and Referencing Tools)
  
- गूगल विद्वान, JSTOR, प्रोजेक्ट MUSE
- इंटरनेट आर्काइव, भारत के अभिलेखागार, पुस्तकालयों के डिजिटल संग्रह
- Zoetrope, Mendelay, End Note

इकाई 2 : पाठ विश्लेषण, लेखन, साइटेशन और प्लैज़रिज्म जाँच के टूल्स

- .Voyant Tool, AntConc
- . व्याकरणिक (Grammarly), माइक्रसॉफ्ट वर्ड, लैटेक्स
- . एम एल ए हैंड बुक, और एपीओ
- . Turnitin, iThenticate

सहायक ग्रंथ :

1. सिन्हा एवं स्नातक, सावित्री एवं विजयेन्द्र. अनुसंधान की प्रक्रिया, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1960.
2. शर्मा, विनयमोहन. शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1973.
3. सिंह, सरनाम. शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली, 1964.
4. त्रिपाठी, विनायक. शोध प्रविधि : अवधारणा एवं तकनीक, ओमेगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2020.
5. गणेशन, एस. एन.. अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, 2021.
6. सिंहल, बैजनाथ; शोध : स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2023.
7. राजूरकर एवं बोरा, भ.ह., एवं राजमल (संपादक), हिंदी अनुसंधान का स्वरूप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, 1978.
8. सूरती, डॉ. उर्वशी जे; अनुसंधान का व्यावहारिक स्वरूप, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, मुंबई, महाराष्ट्र, 1973.



EC (1282) - 29.04.2026

**Appendix-27**  
**Resolution No. 4-1-3**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020

**Pool of Generic Elective (GE)**

**(Offered by Department of Hindi for all P.G. Courses)**

**Semester II**

| No. | Paper Type              | Paper Name                           | Page No. |
|-----|-------------------------|--------------------------------------|----------|
| 1   | Pool of GE<br>(Any One) | 1. हिंदी जाति और आधुनिक भारतीय चिंतक | 2 - 3    |
|     |                         | 2. प्रवासी हिंदी साहित्य             | 4 - 5    |
|     |                         | 3. हिंदी कहानी और ग्रामीण जीवन       | 6 - 7    |





राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020  
एम.ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)  
सेमेस्टर-II - Pool of GE

हिंदी जाति और आधुनिक भारतीय चिंतक

| Course Title & Code                              | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and Reference is in |
|--------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                  |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| Proof of GE<br>हिंदी जाति और आधुनिक भारतीय चिंतक | 2       | 2                                 | 0        | ---                 | स्नातक उत्तीर्ण                      | Annexure                              |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी चिंतकों से अवगत कराना।
2. विभिन्न आधुनिक विचारों से परिचित कराना।
3. आधुनिक भारत के निर्माण में संलग्न रहे विभिन्न रचनाकारों के अवदान से परिचित होना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. विद्यार्थी आधुनिक हिंदी चिंतकों से अवगत हो सकेंगे।
2. विभिन्न आधुनिक विचारों से परिचित होंगे।
3. आधुनिक भारत के निर्माण में संलग्न रहे विभिन्न रचनाकारों के अवदान को जान पाएंगे।

इकाई-1

(9 घंटे)

- स्वामी विवेकानंद : जाति, संस्कृति और समाजवाद
- स्वामी दयानंद सरस्वती : चतुर्थ समुल्लास सत्यार्थ प्रकाश

इकाई-2

(12 घंटे)

- महात्मा गाँधी – हिन्द स्वराज
- रवीन्द्रनाथ टैगोर – राष्ट्रवाद (नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित हिंदी अनुवाद)

इकाई-3

(12 घंटे)

- डॉ. भीमराव अंबेडकर : जाति प्रथा का उन्मूलन
- डॉ. राममनोहर लोहिया : गाँधीवाद और समाजवाद, सगुण-निर्गुण, जाति, हिंदी बनाम अंग्रेजी





(संदर्भ — राममनोहर लोहिया रचनावली, खंड-1, 2, 4, 8, संपादक — मस्तराम कपूर, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली)

इकाई-4

(12 घंटे)

- श्री अरविंद : भारतीय संस्कृति के आधार (अध्याय-III)
- पंडिता रमाबाई : हिंदू स्त्री का जीवन (The High Cast Hindu Women), हिंदी अनुवाद — शंभू जोशी, संवाद प्रकाशन, मेरठ

सहायक पुस्तकें :-

1. आंबेडकर, गेल; आंबेडकर : प्रबुद्ध भारत की ओर, पेंगुइन इंडिया, दिल्ली
2. सिंह, डॉ. कर्ण; भारतीय राष्ट्रीयता का अग्रदूत, थॉमसन प्रेस, दिल्ली
3. शर्मा, रामविलास; गाँधी, आंबेडकर और लोहिया : भारतीय इतिहास की समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. तिवारी, विनोद; विचार का आईना : राममनोहर लोहिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. गिरि, राजीव रंजन; गाँधीवाद रहे न रहे, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली
6. नैने, जे.पी.; पंडिता रमाबाई, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
7. सिंह, शिवप्रसाद; उत्तरयोगी (श्री अरविंद : जीवन और दर्शन), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. जगदीश्वरानंद, स्वामी; स्वामी विवेकानंद और आधुनिक भारत, अद्वैत आश्रम, कोलकाता





राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020  
एम.ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)  
सेमेस्टर-II - Pool of GE

प्रवासी हिंदी साहित्य

| Course Title & Code                 | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and Reference is in |
|-------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                     |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| Pool of GE<br>प्रवासी हिंदी साहित्य | 4       | 3                                 | 1        | ---                 | स्नातक उत्तीर्ण                      | Annexure                              |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को प्रवासी भारतीयों के जीवन-संघर्ष एवं मन:स्थिति से परिचित कराना।
2. प्रवासी हिंदी साहित्य की परंपरा से अवगत कराना।
3. भारतीय संस्कृति के वैश्विक प्रसार एवं वैश्विक स्तर पर सांस्कृतिक आदान-प्रदान में प्रवासी साहित्य के योगदान को रेखांकित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. विद्यार्थी प्रवासी भारतीयों के जीवन-संघर्ष एवं मन:स्थिति से परिचित हो सकेंगे।
2. प्रवासी हिंदी साहित्य की परंपरा से अवगत होंगे।
3. भारतीय संस्कृति के वैश्विक प्रसार एवं वैश्विक स्तर पर सांस्कृतिक आदान-प्रदान में प्रवासी साहित्य के योगदान को रेखांकित कर सकेंगे।

इकाई-1 : प्रवासन की परिघटना और भारतीय प्रवासी समुदाय

(9 घंटे)

- प्रवासन की अवधारणा
- प्रवासन के प्रकार : उत्प्रवास एवं आप्रवास
- भारतीय प्रवासी समुदाय की वैश्विक व्याप्ति - भारतीय डायस्पोरा, एन.आर.आई. आदि।

इकाई-2 : प्रवासी हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास

(12 घंटे)

- प्रवासी साहित्य : नामकरण संबंधी बहर्सें
- स्वतंत्रता पूर्व का प्रवासन और गिरमिटिया साहित्य
- स्वातंत्र्योत्तर प्रवासन और प्रवासी हिंदी साहित्य
- प्रवासी हिंदी साहित्य में पीढ़ियों का अंतराल





इकाई-3 : प्रवासी हिंदी साहित्य : भाग-1

(12 घंटे)

- गिरमिटिया हिंदी कविता – मुनीश्वर लाल चिंतामणि, लक्ष्मी नारायण चतुर्वेदी 'रसपुंज', हरिदेव सहू, शाम दानीश्वर, कमला प्रसाद मिश्र, राघवानंद शर्मा, अमरजीत कौर, रमणजीत नारायण, (मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम)
- यात्रा साहित्य – दक्षिण अफ्रीका के मेरे अनुभव – भवानी दयाल संन्यासी (चयनित अंश)
- उपन्यास – लाल पसीना – अभिमन्यु अनंत (चयनित अंश)

इकाई-4 : प्रवासी हिंदी साहित्य : भाग-2

(12 घंटे)

- तीसरी दुनिया का मसीहा – सुषमा बेदी (अमेरिका)
- काठ की हांडी – हंसा दीप (कनाडा)
- देहिया – पुष्पिता अवस्थी (नीदरलैंड)
- मेड इन इंडिया – दिव्या माथुर (ब्रिटेन)
- सीमांत – रामदेव धुरंधर (मॉरीशस)
- फेयरवेल – रेखा राजवंशी (ऑस्ट्रेलिया)

सहायक ग्रंथ :

1. गोयनका, कमल किशोर (संपादक), प्रवासी साहित्य : जोहांसबर्ग से आगे, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
2. अवस्थी, पुष्पिता; सूरीनाम का सृजनात्मक साहित्य, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
3. रामशरण, प्रह्लाद; मॉरीशस का आदि काव्य-कानन, आत्माराम एंड संस, दिल्ली
4. वर्मा, विमलेश कांति; फिजी का सृजनात्मक साहित्य, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
5. वर्मा, विमलेश कांति; मॉरीशस का सृजनात्मक साहित्य, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
6. प्रवासी साहित्य (विश्व के हिंदी साहित्यकारों से संवाद) खंड 1 एवं 2 – डॉ. नूतन पांडेय एवं डॉ. दीपक पांडेय, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली





राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020  
एम.ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)  
सेमेस्टर-II - Pool of GE

हिंदी कहानी और ग्रामीण जीवन

| Course Title & Code                        | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and Reference is in |
|--------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                            |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| Pool of DSE<br>हिंदी कहानी और ग्रामीण जीवन | 4       | 3                                 | 1        | ---                 | स्नातक उत्तीर्ण                      | Annexure                              |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को कहानी विधा के स्वरूप से परिचित करवाना।
2. हिंदी कहानी की विकासयात्रा की जानकारी देना।
3. विविध हिंदी कहानियों के माध्यम से हिंदी कहानी लेखन की विविध धाराओं से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. विद्यार्थी कहानी विधा के स्वरूप से परिचित होंगे।
2. हिंदी कहानी की विकासयात्रा से परिचित होंगे।
3. विविध हिंदी कहानियों के माध्यम से हिंदी कहानी लेखन की विविध धाराओं को समझेंगे।

इकाई-1 : कहानी : विधागत स्वरूप

(9 घंटे)

- कहानी : परिभाषा और स्वरूप
- कहानी के तत्त्व
- कहानी की भाषा और शिल्प
- कहानी का वैशिष्ट्य

इकाई-2 : हिंदी कहानी की विकास यात्रा

(12 घंटे)

- प्रेमचंद पूर्व और प्रेमचंद युगीन कहानी
- प्रेमचंदोत्तर कहानी
- प्रमुख कथा धाराएं (समाजवादी, गांधीवादी, राष्ट्रवादी, मनोविश्लेषणवादी, आंचलिक, अस्मितामूलक आदि)
- प्रमुख कहानी आंदोलन





इकाई-3 : कहानी : पाठ अध्ययन - 1

(12 घंटे)

- पूस की रात : प्रेमचंद
- हीलीबोन की बत्तखें : सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय
- सिर पंचमी का सगुण : फणीश्वर नाथ 'रेणु'
- फैंसला : मैत्रेयी पुष्पा
- सिक्का बदल गया : कृष्णा सोबती
- पान-फूल : मार्कंडेय

इकाई-1 : कहानी : पाठ अध्ययन - 2

(12 घंटे)

- जीवन : शिवरानी देवी
- कोशी का घटवार : शेखर जोशी
- नन्हों : शिव प्रसाद सिंह
- माई : ज्ञानरंजन
- छप्पन तोले का करघन : उदय प्रकाश
- केसर कस्तूरी : शिवमूर्ति

सहायक ग्रंथ :

1. मधुरेश; कहानी का विकास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
2. सिंह, नामवर; कहानी : नई कहानी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
3. राय, गोपाल; हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. यादव, राजेंद्र; कहानी : स्वरूप और संवेदना, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. अवस्थी, देवीशंकर; नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. सिंह, विजयमोहन; आज की कहानी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. चौधरी, सुरेंद्र; हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली





राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020  
एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)  
सेमेस्टर-2 – DSC-4  
मीडिया कानून और आचार संहिता

| Course title & Code                  | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|--------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                      |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSC-4<br>मीडिया कानून और आचार संहिता | 4       | 3                                 | 0        | 1                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- मीडिया से संबंधित प्रमुख भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की समझ विकसित करना।
- पत्रकारिता में नैतिकता, उत्तरदायित्व और आचार संहिता के महत्व को स्पष्ट करना।
- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और उसके सीमाओं के बीच संतुलन को समझना।
- डिजिटल युग में मीडिया से जुड़े विधिक और नैतिक प्रश्नों का विश्लेषण करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रेस की आजादी के संवैधानिक और विधिक पहलुओं को समझ सकेंगे।
- मीडिया से जुड़े विभिन्न कानूनों की व्याख्या कर सकेंगे।
- पत्रकारिता के नैतिक सिद्धांतों और आचार संहिता को व्यावहारिक स्तर पर लागू कर सकेंगे।
- डिजिटल और सोशल मीडिया के लिए आवश्यक कानूनी और नैतिक दिशा-निर्देशों को पहचान सकेंगे।

इकाई 1 : अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रेस की भूमिका

(9 घंटे)

- भारतीय संविधान और अनुच्छेद 19(1)(a)
- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमाएँ
- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में संशोधन

इकाई 2: मीडिया से संबंधित प्रमुख कानून

(12 घंटे)

- प्रेस और पुस्तकों का पंजीकरण अधिनियम, 1867
- समाचार पत्र (मूल्य और पृष्ठ) अधिनियम, 1956
- सिनेमाटोग्राफ अधिनियम, 1952
- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

इकाई 3 : नागरिक अधिकार और कर्तव्य

(12 घंटे)

- मानहानि (Defamation) कानून
- अवमानना

*[Signature]*





- राष्ट्रविरोधी गतिविधियाँ (Sedition)
- गोपनीयता का उल्लंघन (Invasion of Privacy)

(12 घंटे)

इकाई 4 : मीडिया में नियमन की आवश्यकता और स्व-नियमन

- मीडिया जगत और प्रेस काउंसिल
- समाचार चैनलों के लिए NBDA/IBF दिशा-निर्देश
- डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया के लिए गाइडलाइंस (IT Rules 2021)
- फर्जी समाचार और ट्रोलिंग

(30 घंटे)

व्यावहारिक कार्य:

- किसी प्रसिद्ध मीडिया केस (जैसे केसरी बनाम भारत सरकार या मानहानि केस) का विधिक विश्लेषण।
- किसी समकालीन मीडिया कवरेज का मूल्यांकन – क्या वह आचार संहिता का पालन करता है?
- सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत एक कल्पित सूचना हेतु RTI आवेदन तैयार करना।

सहायक सामग्री

अनिवार्य पाठ :

1. त्रिखा, नंदकिशोर. (2018). प्रेस विधि. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.
2. भानावत, संजीव. (1993). प्रेस कानून और पत्रकारिता. सिद्धाश्री प्रकाशन, जयपुर.
3. Chatterjee, I. (2024). Media Law and Ethics (updated ed.). PHI Learning.
4. Shankar, G. (2023). Media Law and Ethics. Oxford Publishers & Distributors.
5. Associated Press (2025). The Associated Press Stylebook and Briefing on Media Law, 2024-2026 (57th ed.).
6. Neelamkar, M. (2025). Media Law and Ethics (2nd ed.). PHI Learning, दिल्ली.
7. Aggarwal, V. B., & Gupta, V. S. (2019). Handbook of journalism and mass communication. Concept Publishing Company.
8. Basavaraj, M. (2021). Media law and ethics. Oxford University Press

सहायक पाठ :

1. Dua, M. R. (2020). Press law and ethics. LexisNexis.
2. Ghosh, A. (2018). Media law. Eastern Book Company.
3. Narain, S. (2022). Media ethics: Truth, fairness and objectivity. Sage Publications India.
4. Bertrand, C. J. (2018). Media ethics and accountability systems (2nd ed.). Palgrave Macmillan.
5. Day, L. A. (2021). Ethics in media communications: Cases and controversies (7th ed.). Cengage Learning.
6. McQuail, D. (2013). Journalism and society. Sage Publications.
7. Press Council of India Guidelines and Annual Reports






राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)

सेमेस्टर-2 – DSC-5

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी और मीडिया

| Course title & Code                              | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|--------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                  |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSC -5<br>सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी और मीडिया | 4       | 3                                 | 0        | 1                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

## पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) की मूलभूत अवधारणाओं की समझ विकसित करना।
- मीडिया में डिजिटल तकनीकों, टूल्स और प्लेटफॉर्मों की भूमिका को स्पष्ट करना।
- मीडिया पेशेवरों के लिए आवश्यक डिजिटल कौशलों का अभ्यास करना।
- सूचना तकनीक के सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक प्रभावों का विश्लेषण करना।

## पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी ICT और मीडिया के अंतर्संबंध को समझ सकेंगे।
- डिजिटल उपकरणों व प्लेटफॉर्मों का मीडिया सामग्री निर्माण में उपयोग करना सीखेंगे।
- ई-गवर्नेंस, डिजिटल मीडिया और सोशल नेटवर्किंग की कार्यप्रणाली को समझेंगे।
- तकनीकी परिवर्तन के साथ मीडिया उद्योग में आ रहे बदलावों का विश्लेषण कर सकेंगे।

## इकाई 1: सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की मूलभूत अवधारणा

(9 घंटे)

- ICT की परिभाषा और विकास
- एनालॉग और डिजिटल संचार
- नेटवर्किंग, इंटरनेट और वर्ल्ड वाइड वेब
- कृत्रिम मेधा (AI)

## इकाई 2: मीडिया में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग

(12 घंटे)

- समाचार निर्माण में डिजिटल टूल्स
- ऑडियो व विडियो संपादन सॉफ्टवेयर
- कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम (CMS)
- क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा संग्रह

## इकाई 3: सोशल मीडिया और डिजिटल नेटवर्क

(12 घंटे)





- सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म (Facebook, Twitter, YouTube, Instagram)
- ऑनलाइन पत्रकारिता और ब्लॉग कल्चर
- फेक न्यूज और तथ्य-जांच (Fact Checking)
- डिजिटल एथिक्स और गोपनीयता

(12 घंटे)

## इकाई 4 : ICT और लोकतंत्र

- ई-गवर्नेंस और नागरिक संचार
- डिजिटल साक्षरता और सूचना का अधिकार
- इंटरनेट पर नियंत्रण, निगरानी और सेंसरशिप
- ICT और समावेशी संचार

(30 घंटे)

## व्यावहारिक कार्य (Practical Assignments):

- ब्लॉग या वेबसाइट बनाना: WordPress या Blogger पर एक मीडिया ब्लॉग तैयार करना।
- सोशल मीडिया कैम्पेन: किसी सामाजिक मुद्दे पर इंस्टाग्राम या फेसबुक पर डिजिटल अभियान की रूपरेखा।
- वीडियो संपादन अभ्यास: Canva आदि का प्रयोग कर लघु वीडियो संपादित करना।
- ई-गवर्नेंस पोर्टल विश्लेषण: किसी राज्य/केंद्र सरकार के ICT आधारित पोर्टल का मूल्यांकन।

## सहायक सामग्री

## अनिवार्य पाठ :

1. यादव, शैलेन्द्र. (2019). सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी. प्रभात प्रकाशन. नई दिल्ली।
2. शर्मा, रमेश. (2018). डिजिटल मीडिया और संचार. राजकमल प्रकाशन. नई दिल्ली।
3. मंडल, दिलीप व यादव, गीता (2021). अन सोशल नेटवर्क. राजकमल प्रकाशन. नई दिल्ली।
4. Avila, I., Arias-Oliva, M., Dediu, A.-H., & Silva, N. (Eds.). (2026). Ethical and social impacts of information and communication technology: 22nd International Conference, ETHICOMP 2025, Lisbon, Portugal, September 17-19, 2025 (Lecture Notes in Computer Science, Vol. 15939).
5. Sharma, A., & Shrivastava, D. (2026). ICT and new media: Bridging technology and communication. CRC Press / Taylor & Francis.
6. Singh, U. G., & Nair, C. S. (Eds.). (2025). Cultivating digital skills for global relevance: Proceedings of the DigiTAL 2024 Conference (Springer Transactions on Digital Learning). Springer Singapore.
7. Barua, P. (2023). Fundamentals of Information and Communication Technology (ICT). Independently Published.
8. Mahapatra, R. (2024). Analog & Digital Communication. BPB Publications.
9. Narayanan, A., & Kapoor, S. (2024). AI Snake Oil: What Artificial Intelligence Can Do, What It Can't, and How to Tell the Difference. Princeton University Press.

## सहायक पाठ :

1. Kurzweil, R. (2024). The Singularity Is Nearer: When We Merge with AI. Penguin Books.
2. Harari, Y. N. (2024). Nexus: A Brief History of Information Networks from the Stone Age to AI. Fern Press.
3. Clegg, N. (2025). How to Save the Internet: The Threat to Global Connection in the Age of AI and Political Conflict. The Bodley Head.





4. Ruckenstein, M. (2023). The feel of algorithms. University of California Press.
5. UGC ePGPathshala ICT Modules
6. Government of India Digital India Reports & Guidelines





राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020  
एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)  
सेमेस्टर-2 – DSC-6  
विज्ञापन और जनसंपर्क

| Course title & Code           | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                               |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSC 6<br>विज्ञापन और जनसंपर्क | 4       | 3                                 | 0        | 1                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विज्ञापन और जनसंपर्क के सिद्धांतों की मूलभूत समझ विकसित करना।
- जनसंचार माध्यमों में विज्ञापन और जनसंपर्क की भूमिका को स्पष्ट करना।
- प्रचार, ब्रांडिंग और जनसंपर्क की रणनीतियों की व्याख्या करना।
- मीडिया उद्योग में नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और जनहित को समझना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी विज्ञापन और जनसंपर्क के पारंपरिक एवं आधुनिक स्वरूपों की पहचान कर सकेंगे।
- विभिन्न मीडिया माध्यमों में विज्ञापन और जनसंपर्क अभियानों की योजना एवं विश्लेषण कर सकेंगे।
- कॉर्पोरेट संचार, संकट प्रबंधन, और ब्रांड इमेज निर्माण की प्रक्रियाओं को समझ पाएंगे।
- विज्ञापन और जनसंपर्क में नैतिक एवं विधिक पहलुओं का मूल्यांकन कर सकेंगे।

(9 घंटे)

इकाई 1: विज्ञापन : स्वरूप और सिद्धांत

- विज्ञापन की परिभाषा, प्रकार और उद्देश्य
- विज्ञापन का इतिहास और विकास
- विज्ञापन का मायाजाल

(12 घंटे)

इकाई 2 : विज्ञापन का नियोजन और माध्यम

- विज्ञापन एजेंसियाँ और उनकी कार्यप्रणाली
- मीडिया प्लानिंग और बजट निर्धारण
- प्रिंट, टीवी, रेडियो, डिजिटल और आउटडोर माध्यम
- विज्ञापन अभियानों का मूल्यांकन

(12 घंटे)

इकाई 3 : जनसंपर्क का परिचय और सिद्धांत

- जनसंपर्क की परिभाषा, उद्देश्य और कार्यक्षेत्र
- जनसंपर्क और प्रचार में अंतर
- जनसंपर्क में संचार के सिद्धांत

*[Signature]*





- जनसंपर्क में शोध और मूल्यांकन

इकाई 4 : जनसंपर्क रणनीतियाँ और आधुनिक मीडिया

(12 घंटे)

- कॉर्पोरेट जनसंपर्क, सरकारी जनसंपर्क, राजनीतिक जनसंपर्क
- इवेंट मैनेजमेंट और मीडिया रिलेशन्स
- संकट कालीन सूचना तंत्र
- सोशल मीडिया और डिजिटल PR

व्यावहारिक कार्य :

(30 घंटे)

- किसी उत्पाद के लिए टीवी/रेडियो विज्ञापन की स्क्रिप्ट बनाना।
- किसी संस्था या कार्यक्रम के लिए एक प्रभावी प्रेस विज्ञप्ति तैयार करना।
- प्रिंट या डिजिटल माध्यम में प्रकाशित किसी विज्ञापन का विश्लेषण करना (टारगेट ऑडियंस, संदेश, प्रस्तुति)।
- किसी ब्रांड या सामाजिक मुद्दे पर डिजिटल जनसंपर्क अभियान की रूपरेखा बनाना।

सहायक सामग्री

अनिवार्य पाठ :

1. डा. प्रोफेसर अंजनी कुमार. (2023). जनसंचार के सिद्धांत एवं प्रतिरूप. इंडियन पब्लिशिंग हाउस।
2. तिवारी, रामचंद्र. (2008). विज्ञापन व्यवसाय एवं कला. आलेख प्रकाशन. दिल्ली।
3. डा. म., और श्रीवास्तव, स. (2023). विज्ञापन और जनसंपर्क. राजकमल प्रकाशन।
4. सर्दाना, सी. के., और मेहता, के. एस. (2009). जनसंचार: कल आज और कल. प्रभात प्रकाशन।
5. Ferguson, Niall (2017). The Square and the Tower. Penguin Random House. UK.
6. Rabindranath, M., & Singh, A. K. (2024). Advertising Management: Concepts, theories, research and trends. Springer Nature Singapore Pte Ltd.
7. Close Scheinbaum, A., O'Guinn, T. C., & Semenik, R. J. (2023). Advertising and integrated brand promotion (9th ed.). Cengage Learning.
8. Belch, G. E., & Belch, M. A. (2022). Advertising and promotion: An integrated marketing communications perspective (13th ed.). McGraw Hill Education.
9. Barry, P. (2024). The advertising concept book: Think now, design later (3rd ed.). Thames & Hudson.

सहायक पाठ :

1. ASCI (Advertising Standards Council of India) Guidelines
2. IPRA Code of Conduct and PRSI Guidelines
3. Rayudu, C. S., & Balan, K. R. (2023). Principles of public relations (2nd ed.). Himalaya Publishing House.
4. Vandenberg, K. M., & Tinger, M. (Eds.). (2025). Rethinking advertising: Ethics and effectiveness. Palgrave Macmillan Cham.
5. Sabharwal, R. (2025). Ethics in public relations. Educohack Press.
6. Myers, C. (2024). The rules of public relations: Legal and ethical issues in contemporary practice. Bloomsbury Publishing.





राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020  
एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)  
सेमेस्टर-2 – DSE  
मीडिया लेखन और संवाद कला

| Course title & Code             | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                 |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>मीडिया लेखन और संवाद कला | 4       | 3                                 | 0        | 1                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की मीडिया के लिए लेखन की शैली, तकनीक और संरचना से परिचित कराना।
- मुद्रित माध्यम, रेडियो, टेलीविजन, फिल्म और वेब सामग्री लिखने और निर्माण करने का कौशल विकसित करना।
- मुद्रित माध्यम, रेडियो, टेलीविजन और वेब सामग्री के लिए विभिन्न प्रारूपों में समाचार सामग्री लेखन और निर्माण।
- संवाद कला के सिद्धांतों और प्रक्रिया से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी समाचार और फीचर लेखन के सिद्धांत और शैली को समझेंगे।
- विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म (प्रिंट, रेडियो, टीवी, वेब) के लिए उपयुक्त लेखन कौशल प्राप्त करेंगे।
- मीडिया लेखन में नैतिकता, तथ्य-जांच, संरचना, भाषा और प्रस्तुति को व्यवहार में लाएंगे।
- विभिन्न शैलियों और स्वरूपों में संवाद का विश्लेषण और समीक्षात्मक मूल्यांकन करना, जिसमें कथा की भूमिका, पात्र विकास, अंतर्पाठ (subtext), और सांस्कृतिक महत्व की पहचान आदि से परिचित होंगे।

इकाई 1 : लेखन सिद्धांत एवं मुद्रित माध्यम लेखन

(12 घंटे)

- लेखन के मूलभूत सिद्धांत
- समाचार एवं संपादकीय लेखन
- फीचर, रिपोर्टेज एवं कहानी लेखन
- समीक्षा, साक्षात्कार एवं नाटक लेखन

इकाई 2 : ब्रॉडकास्ट माध्यम एवं सिनेमा लेखन

(12 घंटे)

- रेडियो लेखन एवं सिद्धांत : समाचार, फीचर, वार्ता, विज्ञापन, नाटक, साक्षात्कार, परिचर्चा, कॉमेंट्री
- टेलीविजन लेखन एवं सिद्धांत : समाचार, साक्षात्कार, विज्ञापन, धारावाहिक, टेली-फिल्म
- फिल्म लेखन एवं सिद्धांत : फीचर फिल्म, वृत्तचित्र
- वेब लेखन एवं सिद्धांत : पॉडकास्ट, वेबसीरीज, ब्लॉग, विडियो एवं ऑडियो ब्लॉग, सोशल मीडिया पोस्ट, माइक्रोब्लॉगिंग, इन्फोग्राफिक्स

*[Signature]*





इकाई 3 : संवाद कला

(12 घंटे)

- संवाद कला : स्वरूप, महत्त्व और प्रकार
- संवाद कला का ऐतिहासिक विकास
- संवाद कला की भाषा शैली : सूचनात्मक, प्रेरणात्मक, तात्कालिक, वर्णनात्मक और आशु (Extempore)
- संवाद कला के तत्त्व तथा शाब्दिक एवं अशाब्दिक संवाद

इकाई 4 : संवाद कला के सिद्धांत

(12 घंटे)

- संवाद की संरचना : प्रारंभ, मध्य और अंत (स्पष्टता, संक्षिप्तता और तार्किक प्रवाह)
- संवाद की औपचारिकताएँ : अभिवादन, परिचय, सम्बोधन, धन्यवाद
- संवाद की प्रक्रिया, उद्देश्य और प्रारूप : निवेदन, अनुमति, सुझाव, निर्देश, सहमति, स्पष्टीकरण, सहानुभूति
- संवाद की बाधाएँ : मनोवैज्ञानिक, भाषाई (Semantic) परिस्थितिजन्य एवं अंतर-सांस्कृतिक

व्यावहारिक कार्य :

(30 घंटे)

- 300 से 400 शब्दों का समाचार लिखना (हार्ड न्यूज)
- 400 से 500 शब्दों का फीचर लेख लिखना (सॉफ्ट न्यूज)
- एक रेडियो न्यूज बुलेटिन या वार्ता कार्यक्रम के लिए 2 से 3 मिनट की स्क्रिप्ट तैयार करना।
- दो से तीन पात्रों के बीच संवाद कला का अभ्यास करना।
- संवाद कला की प्रक्रिया, चुनौतियों और अनुभव पर आधारित 500 शब्दों की रिपोर्ट तैयार करना।
- संवाद कला के माध्यम से समूह चर्चा, साक्षात्कार और पॉडकास्ट तैयार करना।

सहायक सामग्री

अनिवार्य पाठ :

1. अग्रवाल, पी. के. (2018). प्रभावी संवाद कौशल. रुपा प्रकाशन।
2. कुठियाला, बी. के. मीडिया लेखन और संवाद कौशल. माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन।
3. कुठियाला, बी. के. (2024). संवाद का स्वराज. प्रभात प्रकाशन।
4. कुठियाला, बी. के. पत्रकारिता और मीडिया लेखन. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय।
5. Mohan, K., & Banerji, M. (2019). Communication skills. Tata McGraw-Hill.
6. Forde, S., & Duffy, S. (2021). Media writing & reporting. Sage Publications.
7. The Associated Press. (2022). The Associated Press stylebook 2022. The Associated Press.
8. Chandler, P., & Paterson, C. (2019). Broadcast journalism: Techniques and practices. Routledge.

सहायक पाठ :

1. Boyd, A. (2017). Writing for radio and television. Focal Press.
2. Field, S. (2020). Film scriptwriting: A practical guide. Delta.
3. Deuze, M. (2021). New media writing and digital storytelling. Routledge.
4. Aronson, L. (2018). Screenplay: The foundations of writing for film and television. Focal Press.
5. Eastman, S. T., & Ferguson, D. A. (2022). Digital media production: Writing and producing for online platforms. Routledge.





6. Berko, R. M., Wolvin, A. D., Wolvin, D. R., & Aitken, J. E. (2016). *Communicating: A social, career, and cultural focus* (13th ed.). Pearson Education.
7. Devito, J. A. (2022). *The interpersonal communication book* (16th ed.). Pearson Education.

A handwritten signature in black ink, appearing to be 'J. A. Devito', written in a cursive style.



## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)

सेमेस्टर-2 – DSE

डाटा पत्रकारिता

| Course title & Code    | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                        |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>डाटा पत्रकारिता | 4       | 3                                 | 0        | 1                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

## पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- डाटा पत्रकारिता की अवधारणा और विकास को समझना।
- सभी प्रकार के पत्रकारीय सामग्री डाटा के महत्व और उपयोग का विश्लेषण करना।
- डाटा संग्रह के लिए विश्वसनीय स्रोतों की पहचान करना।
- डाटा का विश्लेषण और विज़ुअलाइज करने के उपकरणों और तकनीकों को सीखना।

## पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी विभिन्न डाटा स्रोतों की विश्वसनीयता और प्रासंगिकता का मूल्यांकन कर सकेंगे तथा यह समझ सकेंगे कि वह पत्रकारिता की सत्यनिष्ठा (Journalistic Integrity) को कैसे प्रभावित करते हैं।
- यह विश्लेषण कर सकेंगे कि डाटा सार्वजनिक विचार और नीति को प्रभावित करने में कैसे उपयोग किया जा सकता है और डाटा पत्रकारिता में नैतिक विचारों को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त कर सकेंगे।
- विभिन्न प्लेटफॉर्म और स्रोतों से बड़े डाटा को एक्सेस और पुनः प्राप्त करने के उपकरणों और तकनीकों का प्रयोग करने में दक्ष होंगे।
- बड़े डाटा की प्रोसेसिंग के तरीकों जैसे क्लीनिंग, ट्रांसफॉर्मेशन और विश्लेषण के लिए डाटा तैयार करने की विधियाँ लागू कर सकेंगे।

## इकाई 1: डाटा पत्रकारिता : स्वरूप और महत्व

(9 घंटे)

- डाटा पत्रकारिता : परिभाषा और महत्व
- डाटा पत्रकारिता : ऐतिहासिक विकास
- डाटा पत्रकारिता : प्रकार और उपकरण
- डाटा साक्षरता : पारदर्शिता, जवाबदेही और तथ्य

## इकाई 2 : डाटा संग्रह और स्रोत

(12 घंटे)

- डाटा संग्रह : परिभाषा, महत्व और आवश्यकता
- डाटा स्रोत : ओपन डाटा प्लेटफॉर्म, प्राथमिक डाटा (सर्वेक्षण और प्रशासकीय, साक्षात्कार, प्रेक्षण या अवलोकन, प्रयोग, फोकस समूह) और द्वितीयक डाटा (प्रकाशित स्रोत, ऑनलाइन डाटा बेस, सरकारी और संस्थागत अभिलेख, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डाटा , पूर्ववर्ती शोध अध्ययन)
- जनगणना डाटा (Census Data) और डाटा को संयोजित करना, SIR कानून
- डाटा माइनिंग : डाटा पूर्व-संसाधन (Data Pre-processing), अन्वेषणात्मक डाटा विश्लेषण (Exploratory Data Analysis-EDA), डाटा चयन (Data Selection), ज्ञान खोज (Knowledge Discovery)





## इकाई 3: बिग डाटा, डाटा विश्लेषण और प्रस्तुतिकरण

(12 घंटे)

- बिग डाटा का परिचय : आयतन, वेग, विविधता, प्रामाणिकता और मूल्य (Volume, Velocity, Variety, Veracity and Value)
- डाटा कोडिंग, मैपिंग और चार्ट बनाना
- बिग डाटा : प्रबंधन और तकनीकें
- बिग डाटा और सूचना दुर्य्याकरण एवं प्रस्तुतिकरण

## इकाई 4 : समाचार कक्ष में डाटा पत्रकारिता एवं प्रसंस्करण

(12 घंटे)

- न्यूज़रूम में डाटा का इतिहास और प्रसिद्ध डाटा आधारित खोजी रिपोर्टिंग
- संपादकीय प्रक्रिया में डाटा की भूमिका और न्यूज़रूम टूलस: CMS (Content Management System), डाटा बेस, API (Application Programming Interface)
- मानवीय और डाटा स्रोतों का संयोजन और पाठकों के लिए डाटा विज़ुअलाइज़ेशन
- डाटा की फैक्ट-चेकिंग, पारदर्शिता, कार्यप्रणाली, गोपनीयता और सुरक्षा

## व्यावहारिक कार्य :

(30 घंटे)

- डाटा पत्रकार एवं विशेषज्ञों का साक्षात्कार लेना एवं डाटा स्रोतों की सत्यता की जाँच करना।
- केस स्टडी: ABC, BBC, The Guardian और भारतीय न्यूज़रूम आदि में डाटा पत्रकारिता के ऊपर रिपोर्ट तैयार करना।
- वेबस्क्रेपिंग और एक्सेल एवं गूगल शीट्स में डाटा क्लीनिंग तकनीक का प्रयोग कर रिपोर्ट तैयार करना।
- बुनियादी आँकड़ों (औसत, माध्यिका, प्रतिशत, दर) को सनझकर सूचना तैयार करना।
- डाटा रैपर, फ्लोरिश, टैब्लू पब्लिक आदि का प्रयोग कर चार्ट, ग्राफ़ और मानचित्र बनाना।
- डाटा सॉफ्टवेयर : R स्टूडियो, SBSS आदि।

## सहायक सामग्री :

## अनिवार्य पाठ :

1. त्रिपाठी, ब्रह्मानंद. डिजिटल मीडिया और डेटा पत्रकारिता. काशी, हिंदी ग्रंथमाला, 2020.
2. गौतम, रमेश. साइबर पत्रकारिता और डेटा विश्लेषण. प्रकाशन संस्थान, दिल्ली, 2019.
3. पांडेय, सुधाकर. डिजिटल मीडिया और समकालीन पत्रकारिता. हिंदी पुस्तक सदन, 2021.
4. यादव, अर्पण. डिजिटल पत्रकारिता के नवीन आयाम. राज पब्लिकेशन, जयपुर, 2020.
5. विजय, अनंत. ओवर द टॉप: OTT का मायाजाल. प्रभात प्रकाशन, 2024.
6. Bradshaw, P. (2017). Data journalism heist: Investigative reporting with data. Leanpub.
7. Bounegru, L., Gray, J., Venturini, T., & Mauri, M. (2017). A field guide to fake news and other information disorders. Public Data Lab.
8. Young, M. L. (2017). Data journalism in the Global South. Palgrave Macmillan.

## सहायक पाठ :

1. यादव, सीमा. नव मीडिया और जनसंचार. एएल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2018.
2. कुमार, प्रमोद. भारत में साइबर पत्रकारिता. कंचन पब्लिकेशन, वाराणसी, 2019.
3. शर्मा, अरुणा. डिजिटल युग में पत्रकारिता. भारतीय बुक सेंटर, दिल्ली, 2021.





4. सिंह, राजेश कुमार. सोशल मीडिया और समाचार संप्रेषण. यश पब्लिकेशन, लखनऊ, 2020.
5. पांडेय, राकेश. डिजिटल पत्रकारिता: सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्ष. ग्रंथगंगा, भोपाल, 2022.
6. गौतम, सुरेश. डेटा विश्लेषण और संचार माध्यम. शोध प्रकाशन, इलाहाबाद, 2023.
7. Rogers, Simon. *Facts Are Sacred: The Power of Data*. Faber & Faber, 2015.





**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)**  
**सेमेस्टर-2 – DSE**  
**मीडिया और राष्ट्रीय सुरक्षा**

| Course title & Code                | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                    |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>मीडिया और राष्ट्रीय सुरक्षा | 4       | 3                                 | 0        | 1                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

- मीडिया और राष्ट्रीय सुरक्षा के पारस्परिक संबंधों को समझना।
- सुरक्षा विनियमों में पारंपरिक एवं डिजिटल मीडिया की भूमिका का अध्ययन करना।
- युद्ध, आतंकवाद, खुफिया अभियानों तथा साइबर खतरों से संबंधित मीडिया कवरेज का आलोचनात्मक विश्लेषण करना।
- राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया नेटवर्क के अंतर्संबंधों तथा भारत के समकालीन मीडिया परिदृश्य को समझते हुए फेक न्यूज़, मिसइन्फॉर्मेशन और प्रोपेगेंडा की अवधारणाओं से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

- विद्यार्थी विज्ञान और प्रौद्योगिकी के संदर्भ में राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया के बीच संबंधों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी साइबर तथा पारंपरिक सुरक्षा के विभिन्न तरीकों की समझ विकसित करेंगे।
- विद्यार्थी राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया से संबंधित सिद्धांतों तथा उनके प्रभावों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया नेटवर्क के अंतर्संबंधों तथा भारत के समकालीन मीडिया परिदृश्य को समझते हुए फेक न्यूज़, मिसइन्फॉर्मेशन और प्रोपेगेंडा की अवधारणाओं से परिचित होंगे।

**इकाई 1: मीडिया और राष्ट्रीय सुरक्षा**

(9 घंटे)

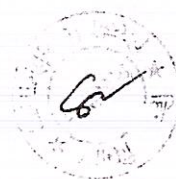
- राष्ट्रीय सुरक्षा की परिभाषा और इसके आयाम (सैन्य, आर्थिक, साइबर, मानव सुरक्षा)
- राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया : ऐतिहासिक विकास
- राष्ट्रीय बनाम अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया
- लोकतांत्रिक समाज में मीडिया और जनमत

**इकाई 2: सूचना युद्ध, मीडिया और राष्ट्रीय सुरक्षा**

(12 घंटे)

- सूचना युद्ध और गलत सूचना अभियान (Disinformation Campaign)
- राष्ट्रीय सुरक्षा में मीडिया उपकरण : दुष्प्रचार और मनोवैज्ञानिक वारफेयर
- दबावपूर्ण कूटनीति, मीडिया और राष्ट्रीय सुरक्षा
- प्रहरी के रूप में मीडिया बनाम राज्य आख्यान (Watchdog Vs. State Narrative)

*[Handwritten Signature]*





इकाई 3: सूचना युद्ध, मीडिया और राष्ट्रीय सुरक्षा के सिद्धांत

(12 घंटे)

- रचनात्मक दृष्टिकोण का सिद्धांत (The Constructivist Approach Theory)
- फ्रेमिंग सिद्धांत (The Framing Theory)
- सुरक्षाकरण सिद्धांत (The Securitization Theory – Copenhagen School)
- सूचना युद्ध सिद्धांत (The Information Warfare Theory)

इकाई 4: राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में भारतीय मीडिया

(12 घंटे)

- राष्ट्रीय संकटों में मीडिया की भूमिका
- भारतीय मीडिया की नीति और सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय
- एम्बेडेड पत्रकारिता और सूचनाओं की सुरक्षा
- राष्ट्रीय सुरक्षा खतरों में सोशल मीडिया की भूमिका और राष्ट्रहित

व्यावहारिक कार्य (Practical Assignments):

(30 घंटे)

- राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया प्रणालियाँ और मॉडल को विश्लेषित करना।
- राष्ट्रीय सुरक्षा के सिद्धांत (यथार्थवाद, उदारवाद, रचनावाद, सुरक्षा सिद्धांत) का अध्ययन।
- भारत के सुरक्षा का संवैधानिक और संस्थागत ढांचा और मीडिया का अध्ययन।
- केस स्टडी :- ऑपरेशन सिंदूर (SINDOOR), डोकलाम विवाद और मीडिया प्रतिक्रिया, कोविड-19 और वैक्सीन कूटनीति में सूचना प्रबंधन, 26/11 मुंबई हमले, 9/11, ISIS का सोशल मीडिया प्रचार, युद्धों की मीडिया कवरेज (इराक, अफगानिस्तान, कारगिल, यूक्रेन, गाजा), यूक्रेन-रूस युद्ध: वैश्विक मीडिया दृष्टिकोण, आतंकवाद और उग्रवाद की रिपोर्टिंग में मीडिया का दृष्टिकोण।
- राष्ट्रीय सुरक्षा के कैबिनेट समिति (CCS) की भूमिका और मीडिया का अध्ययन।

सहायक सामग्री

अनिवार्य पाठ :

1. शर्मा, बी. डी. (2015). राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया. राजकमल प्रकाशन।
2. मेहरा, नीलिमा. (2017). संचार, मीडिया और समाज. हिंदी ग्रंथ अकादमी।
3. राय, राम बहादुर. (2019). हमारा संविधान: एक पुनरावलोकन. प्रभात प्रकाशन।
4. Radhakrishnan, R., Ketkar, P., & Sultanat, A. (2005). Alternative approaches to security: National integration, governance, non-military challenges (P. R. Chari, Ed.). Samskriti Publishers.
5. Ketkar, P. (2025, August 11). Security is not limited to borders: The role of media and information in national security. Loksatta. <https://www.loksatta.com/pune/prafull-ketkar-raises-concerns-over-democracy-and-voter-list-manipulation-in-pune-event-pune-print-news-vsd-99-5324911/>
6. Ketkar, P. (2025, August 18). Agniveer scheme aims to prepare civilians for crisis situations. Muslim Mirror. <https://muslimmirror.com/agniveer-scheme-aims-to-prepare-civilians-for-crisis-situations-says-rss-mouthpiece-editor-prafulla-ketkar/>

सहायक पाठ :

1. रंजन, राजीव. (2020). मीडिया विमर्श और राष्ट्र निर्माण. प्रभात प्रकाशन।





2. शंकर, हितेश. (2025, 18 अगस्त). भविष्य के भारत का इन्द्रधनुष: सुरक्षा, शासन और राष्ट्रीय एजेंडा. पंचजन्य.  
<https://panchjanya.com/2025/08/18/424876/bharat/editorial-by-panchjanya-editor-hitesh-shankar-on-pm-narendra-modis-red-fort-speech-on-august-15-2025/>
3. शंकर, हितेश. (2025, 11 अगस्त). शूल और शिलालेख: विभाजन-विभीषिका और राष्ट्रीय एकता. पंचजन्य.  
<https://panchjanya.com/2025/08/11/423735/editorial/editorial-by-panchjanya-editor-hitesh-shankar-on-india-pakistan-partition/>
4. Raghavan, P.S. (2019), "The Evolution of India's National Security Architecture", Journal of Defence Studies.
5. Merrin, W. (2020). Digital war: A critical introduction. Routledge.
6. Blanchette, J. (2020), "Ideological Security as National Security", Center for Strategic and International Studies, 1-13.
7. Ketkar, P. (2025, July 28). Every informed citizen must act as a non-military security agent to defend and assert the nation. Organiser. <https://organiser.org/2025/07/28/304897/bharat/every-informed-citizen-must-act-as-a-non-military-security-agent-to-defend-and-assert-the-nation-prafulla-ketkar/>
8. Ketkar, P. (2025, September 12). Population policy and social security risks: Challenges to internal stability. Indian Express. <https://indianexpress.com/article/political-pulse/regional-imbalance-concerns-opposition-rss-linked-magazine-9441387/>






राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020  
एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)  
सेमेस्टर-2 – DSE  
कृत्रिम मेधा (AI) और मीडिया

| Course title & Code                   | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                       |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>कृत्रिम मेधा (AI)<br>और मीडिया | 4       | 3                                 | 0        | 1                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

- सामग्री निर्माण एवं मीडिया प्लेटफॉर्मों के रूपांतरण में कृत्रिम मेधा (एआई) की भूमिका को रेखांकित करना।
- मीडिया परिवेश में एआई के नैतिक, सामाजिक तथा आर्थिक प्रभावों का समालोचनात्मक विश्लेषण करना।
- मीडिया उत्पादन एवं विश्लेषण में प्रयुक्त एआई उपकरणों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करना।
- कृत्रिम मेधा तथा उसके उपक्षेत्रों की बुनियादी समझ विकसित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

- कृत्रिम मेधा (एआई) की मूल अवधारणाओं तथा उसके उपक्षेत्रों को परिभाषित एवं स्पष्ट करने में सक्षम होना।
- विभिन्न उद्योगों में एआई के वास्तविक अनुप्रयोगों की पहचान करना।
- एआई से संबंधित नैतिक, सामाजिक तथा आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण करना।
- विभिन्न क्षेत्रों में एआई द्वारा नवाचार एवं परिवर्तन की संभावनाओं को समझना।

**इकाई 1 : कृत्रिम मेधा (AI) और मीडिया : सामान्य परिचय**

(9 घंटे)

- कृत्रिम मेधा (AI) : परिभाषा, महत्व और इतिहास
- मीडिया : परिभाषा, महत्व और विकास
- कृत्रिम मेधा (AI) प्लेटफॉर्म : ChatGPT, Claude, Gemini, DeepSeek, Grok, Synthesia, Runway, Filmora, OpusCliffathom, Nyota, L"Deep Research, NotebookLM, Vista Social, FeedHive, Canva Magic Studio, Looka, Notion AI Q&A, Guru, Presentations.ai, Suno, Udio

**इकाई 2 : कंटेंट निर्माण और वितरण में कृत्रिम मेधा (AI)**

(12 घंटे)

- कृत्रिम मेधा (AI) संचालित सामग्री निर्माण : टेक्स्ट, इमेज, ऑडियो और वीडियो निर्माण
- मल्टी मीडिया निर्माण में कृत्रिम मेधा (AI) : वीडियो संपादन, एनीमेशन, और अन्य मल्टीमीडिया प्रक्रिया
- पत्रकारिता में कृत्रिम मेधा (AI) की सहायता से की गई रिपोर्टिंग : फैक्ट-चेकिंग, डेटा विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन
- कृत्रिम मेधा (AI) और सोशल मीडिया : सोशल मीडिया प्रबंधन, सामग्री मॉडरेशन, सहभागिता रणनीति और लक्षित दर्शकों तक पहुंच

**इकाई 3 : कृत्रिम मेधा (AI) तकनीक और मीडिया**

(12 घंटे)

*[Handwritten Signature]*





- मशीन लर्निंग : सुपरवाइज्ड, अनसुपरवाइज्ड और रिइन्फोर्समेंट लर्निंग
- प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (Natural Language Processing) : चैटबॉट्स, अनुवाद उपकरण, भावना विश्लेषण (Sentiment Analysis), पाठ संक्षेपण (Summarization)
- कंप्यूटरविजन (Computer vision) : छवि पहचान (Image Recognition), वस्तु पहचान (Object Detection), चेहरे की पहचान (Facial Recognition), चिकित्सा इमेजिंग (Medical Imaging)
- गेम थ्योरी (Game Theory) और मीडिया

#### इकाई 4 : कृत्रिम मेधा (AI), मीडिया और नैतिकता

(12 घंटे)

- कृत्रिम मेधा (AI) प्रणालियों में पक्षपात और निष्पक्षता
- गोपनीयता और डाटा संरक्षण
- कृत्रिम मेधा (AI) और सामाजिक असमानता
- कृत्रिम मेधा (AI) : रचनात्मकता, नवाचार, बहस और नैतिकता

#### व्यावहारिक कार्य

(30 घंटे)

- रचनात्मक उद्योगों में कृत्रिम मेधा (AI) अनुप्रयोगों का अवलोकन और विश्लेषण करना
- मीडिया में मशीन लर्निंग, नैचुरललैंग्वेजप्रोसेसिंग (NLP), और कंप्यूटर विजन की भूमिका पर प्रोजेक्ट तैयार करना
- जेनेरेटिवआईटूल्स और प्लेटफॉर्म जैसे : ChatGPT, DALL·E, Sora, Midjourney, Runway ML आदि का प्रयोग कर कंटेंट तैयार करना
- कृत्रिम मेधा (AI) समाचार एंकर एवं वर्चुअल असिस्टेंट्स (Siri, Alexa) आदि की मदद से रीयल-टाइम समाचार का निर्माण करना
- गलत सूचना, घृणा भाषण और हानिकारक सामग्री की पहचान के लिए कृत्रिम मेधा (AI) उपकरण का प्रयोग करना

#### सहायक सामग्री

##### अनिवार्य पाठ :

1. कुमार, अशोक. (2021). कृत्रिम बुद्धिमत्ता. नई दिल्ली: टेक्नो पब्लिकेशन.
2. रानी, सुनीता. (2023). मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस. नई दिल्ली: मीडिया एजुकेशन पब्लिशिंग.
3. कुठियाला, बी. के. (2020). कृत्रिम बुद्धिमत्ता : भारतीय परिप्रेक्ष्य. प्रभात प्रकाशन।
4. विजय, अनंत. (2020). कृत्रिम बुद्धिमत्ता : अवसर और चुनौतियाँ. प्रभात प्रकाशन।
5. विजय, अनंत. (2021). तकनीक, समाज और भविष्य : कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव. प्रभात प्रकाशन।
6. गुमा, विराग. (2023). डिजिटल कानूनों से समृद्ध भारत. प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. Crawford, K. (2021). Atlas of AI: Power, politics, and the planetary costs of artificial intelligence. Yale University Press.
8. Diakopoulos, N. (2019). Automating the news: How algorithms are rewriting the media. Harvard University Press.

##### सहायक पाठ :

1. कुठियाला, बी. के. (2021). तकनीक, समाज और नैतिकता : कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में. भारतीय ज्ञान परंपरा प्रतिष्ठान।
2. प्रकाश, अजय. (2020). डिजिटल मीडिया और पत्रकारिता. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
3. शर्मा, योगेश. (2019). सूचना क्रांति और मीडिया. भोपाल: हिंदी ग्रंथ अकादमी.
4. रसेल, एस., एवं नॉरविग, पी. (अनुवाद). (2022). आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (हिन्दी संस्करण). नई दिल्ली: विश्वविद्यालय उपयोग हेतु गाइड पब्लिकेशन.
5. विजय, अनंत. (2022). डिजिटल युग और मानव सभ्यता. प्रभात प्रकाशन।





6. Marconi, F. (2020). Newsmakers: Artificial intelligence and the future of journalism. Columbia University Press.
7. Mitchell, M. (2019). Artificial intelligence: A guide for thinking humans. Farrar, Straus and Giroux.
8. Schick, N. (2020). Deepfakes: The coming infocalypse. Hachette Books.

A handwritten signature in black ink, appearing to be 'S. Schick', with a long horizontal stroke extending to the right.



|                                                                                                                                                                                                      |                          |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------|
| <b>Pool of GE</b><br><b>(1 GE)</b><br><b>4 Credits</b><br>[Offered by the Department of Hindi related to MA Patrakarita (Hindi) Course for all<br>the PG courses other than MA Patrakarita (Hindi).] |                          |
| सेमेस्टर -2                                                                                                                                                                                          | ब्लॉगिंग एवं कंटेंट लेखन |
|                                                                                                                                                                                                      | नागरिक पत्रकारिता        |
|                                                                                                                                                                                                      | सिनेमा अध्ययन            |






राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020  
एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)  
सेमेस्टर-2- GE  
ब्लॉगिंग एवं कंटेंट लेखन

| Course title & Code            | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|--------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| GE<br>ब्लॉगिंग एवं कंटेंट लेखन | 4       | 3                                 | 0        | 1                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

- ब्लॉगिंग और कंटेंट लेखन की मूल अवधारणाओं से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रभावी लेखन की तकनीक और शैली को समझाना।
- विभिन्न विधाओं में कंटेंट तैयार करने की व्यावहारिक क्षमता विकसित करना।
- डिजिटल ऑडियंस की समझ के साथ समसामयिक सामग्री निर्माण की दक्षता देना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

- विद्यार्थी ब्लॉग लेखन की शैली, संरचना और प्रस्तुति को प्रभावी ढंग से समझ सकेंगे।
- कंटेंट प्लानिंग, टारगेट ऑडियंस विश्लेषण और विषयवस्तु निर्माण में दक्ष होंगे।
- SEO (Search Engine Optimization) आधारित लेखन में बुनियादी समझ और अभ्यास कर सकेंगे।
- डिजिटल मीडिया में कंटेंट मार्केटिंग और ब्रांड कम्युनिकेशन के सिद्धांतों को जान सकेंगे।

**इकाई 1: ब्लॉगिंग की मूल अवधारणाएँ**

(12 घंटे)

- ब्लॉग : अर्थ, प्रकार और विकास
- व्यक्तिगत बनाम व्यावसायिक ब्लॉग
- ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म: WordPress, Blogger, Medium
- ब्लॉग पोस्ट की संरचना और लेखन शैली

**इकाई 2: कंटेंट लेखन के प्रकार**

(12 घंटे)

- वेबसाइट लेखन
- SEO (Search Engine Optimization) आधारित लेखन
- ब्रांड कंटेंट और सोशल मीडिया पोस्ट
- न्यूज़लेटर और ईमेल कंटेंट

**इकाई 3: प्रभावी लेखन कौशल और तकनीक**

(12 घंटे)

- टारगेट ऑडियंस की पहचान
- क्लियर और कन्विंसिंग राइटिंग
- UX Writing और Microcopy
- दृश्य सामग्री (इमेज/वीडियो) के साथ कंटेंट इंटीग्रेशन





## इकाई 4: कंटेंट रणनीति और डिजिटल टूल्स

(9 घंटे)

- कंटेंट कैलेंडर और प्लानिंग
- SEO Tools: Google Trends, Ubersuggest, Yoast
- Content Promotion Techniques
- Analytics और User Engagement ट्रैकिंग

## व्यावहारिक कार्य:

(30 घंटे)

- एक WordPress ब्लॉग बनाकर नियमित पोस्ट लिखना (कम से कम 5)
- किसी उत्पाद या सेवा पर SEO आधारित 500 शब्दों का कंटेंट तैयार करना
- एक सोशल मीडिया कंटेंट कैम्पेन का डिजाइन बनाना (Caption + Visuals)
- UX Writing के लिए वेबसाइट होमपेज के लिए मॉक कॉपी तैयार करना
- Google Trends के माध्यम से किसी विषय पर कंटेंट आइडिया जेनरेट करना

## सहायक सामग्री

## अनिवार्य पाठ :

1. Aleksic, A. (2025). Algospeak: How social media is transforming the future of language. Knopf.
2. Narayanan, A., & Kapoor, S. (2024). AI snake oil: What artificial intelligence can do, what it can't, and how to tell the difference. Princeton University Press.
3. Berman, M. (2024). Content and copywriting: The complete toolkit for strategic marketing (2nd ed.). Wiley-Blackwell.
4. Miller, D., et al. (2025). Building a story brand: Clarify your message so customers will listen. Harper Collins Leadership.
5. Kleon, A. (2025). Show your work!. Workman Publishing.
6. Vaynerchuk, G. (2025). Jab, jab, jab, right hook (updated ed.). Harper Business.

## सहायक पाठ :

1. Gairrett, C. (2009). ProBlogger: Secrets for blogging your way to a six-figure income. Wiley.
2. Handley, A. (2014). Everybody writes: Your go-to guide to creating ridiculously good content. Wiley.
3. Handley, A., & Miller, C. C. (2019). Writing without bullshit: Boost your career by saying what you mean. HarperBusiness.
4. Hanly, L. (2019). Content that converts: How to build a content marketing strategy that drives sales and generates leads. Independently Published.
5. Pulizzi, J. (2015). Content Inc.: How entrepreneurs use content to build massive audiences and create radically successful businesses. McGraw-Hill Education.
6. Scott, S. (2018). How to write great blog posts that engage readers. Independently Published.
7. Williams, J. M., Colomb, G. G., & Bizup, J. (2021). Style: Lessons in clarity and grace (13th ed.). Pearson.





राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020  
एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)  
सेमेस्टर-2 – GE  
नागरिक पत्रकारिता

| Course title & Code     | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                         |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| GE<br>नागरिक पत्रकारिता | 4       | 3                                 | 0        | 1                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- नागरिक पत्रकारिता की अवधारणा, स्वरूप और महत्व को रेखांकित करना।
- लोकतांत्रिक व्यवस्था में आम नागरिक की मीडिया में भूमिका को स्पष्ट करना।
- डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नागरिक पत्रकारिता के अवसरों और चुनौतियों का विश्लेषण करना।
- जिम्मेदार, नैतिक और तथ्यपरक नागरिक पत्रकारिता का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- छात्र नागरिक पत्रकारिता और पेशेवर पत्रकारिता के अंतर को रेखांकित कर सकेंगे।
- स्थानीय और जनसरोकार से जुड़े मुद्दों की पहचान कर रिपोर्टिंग कर सकेंगे।
- सोशल मीडिया व डिजिटल टूल्स का उपयोग कर नागरिक पत्रकारिता संबंधी सामग्री तैयार कर सकेंगे।
- फेक न्यूज, नैतिकता और कानूनी सीमाओं को ध्यान में रखकर जिम्मेदार रिपोर्टिंग कर सकेंगे।

इकाई 1 : नागरिक पत्रकारिता की अवधारणा

- नागरिक पत्रकारिता की परिभाषा और अवधारणा
- नागरिक पत्रकारिता का उद्भव और विकास
- पारंपरिक पत्रकारिता बनाम नागरिक पत्रकारिता
- लोकतंत्र, जनभागीदारी और मीडिया

(9 घंटे)

इकाई 2 : डिजिटल मीडिया और नागरिक पत्रकारिता

- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और यूजर-जेनरेटेड कंटेंट
- मोबाइल पत्रकारिता (MoJo)
- ब्लॉगिंग, लाइव स्ट्रीमिंग और पॉडकास्ट
- डिजिटल टूल्स और ऐप्स का उपयोग

(12 घंटे)

इकाई 3 : नैतिकता, कानून और चुनौतियाँ

- तथ्य जांच (Fact Checking) और स्रोत सत्यापन
- फेक न्यूज, अफवाहें और ट्रोलिंग
- निष्ठा, मानहानि और कानूनी सीमाएँ

(12 घंटे)

*[Signature]*





- नागरिक पत्रकार की जिम्मेदारी और आचार संहिता

(9 घंटे)

#### इकाई 4 : नागरिक पत्रकारिता: व्यवहार और प्रभाव

- स्थानीय मुद्दों पर नागरिक रिपोर्टिंग
- सामाजिक आंदोलनों और जन अभियानों में भूमिका
- मुख्यधारा मीडिया में नागरिक सामग्री का उपयोग
- नागरिक पत्रकारिता का भविष्य

#### व्यावहारिक कार्य:

- स्थानीय मुद्दे पर रिपोर्टिंग: अपने क्षेत्र से जुड़ी किसी समस्या (पानी, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा) पर रिपोर्ट तैयार करना, न्यूजलेटर तैयार करना
- मोबाइल रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट: मोबाइल फोन से फोटो/वीडियो लेकर एक रिपोर्ट बनाना
- फैक्ट-चेक अभ्यास: वायरल सोशल मीडिया पोस्ट की सत्यता की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करना
- ब्लॉग/सोशल मीडिया पोस्ट: नागरिक पत्रकारिता आधारित ब्लॉग पोस्ट या X (Twitter)/Instagram थ्रेड तैयार करना
- केस स्टडी विश्लेषण: किसी प्रसिद्ध नागरिक पत्रकारिता उदाहरण (जैसे अरब स्प्रिंग, लोकल मीडिया प्लेटफॉर्म) का अध्ययन

#### सहायक सामग्री :

##### अनिवार्य पाठ :

1. Allan, Stuart. Citizen Journalism: Global Perspectives. New York: Peter Lang Publishing, 2009.
2. द्विवेदी, संजय. नागरिक पत्रकारिता और डिजिटल मीडिया. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन, 2016.
3. बसु, डी. डी. मीडिया नैतिकता और कानून. नई दिल्ली: प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया (PHI Learning), 2010.
4. UNESCO. Reports on Citizen Journalism and Media Literacy. Paris: UNESCO Publishing, 2013–2020.

##### सहायक पाठ :

1. Bowman, Shayne, and Chris Willis. We Media: How Audiences Are Shaping the Future of News and Information. Washington, DC: The Media Center at the American Press Institute, 2003.
2. Shirky, Clay. Here Comes Everybody: The Power of Organizing Without Organizations. New York: Penguin Press, 2008.
3. Alt News. Fact Checking and Media Literacy Resources. New Delhi: Alt News Network, 2017.
4. BoomLive. Digital Fact Verification Platform. Mumbai: BoomLive Media Pvt. Ltd., 2016.
5. FactCheck.org. A Project of the Annenberg Public Policy Center. Philadelphia: University of Pennsylvania, 2003.





## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

## एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)

## सेमेस्टर-2- GE

## सिनेमा अध्ययन

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                     |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| GE सिनेमा अध्ययन    | 4       | 3                                 | 0        | 1                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

## पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- सिनेमा के विकास की व्यापकता को समझना।
- कला रूप, संश्लेषण के माध्यम, और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के रूप में विभिन्न ऐतिहासिक, राष्ट्रीय और सौंदर्यात्मक संदर्भों में सिनेमा को समझना।
- मुख्य सैद्धांतिक ढाँचों से परिचय कराना (जैसे कि औपचारिकतावाद, यथार्थवाद, नारीवाद, उपनिवेशोत्तर सिद्धांत, मनोविश्लेषण और 'ऑटर सिद्धांत')।
- दृश्य साक्षरता और सिनेमाई विश्लेषण कौशल विकसित करना, जिससे छात्र फिल्म की रूप-रचना, कथा संरचना, संपादन तकनीक, 'मिज-एन-सीन', ध्वनि डिजाइन और छायांकन की व्याख्या कर सकें।

## पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- सिनेमा के ऐतिहासिक विकास और प्रमुख आंदोलन (जैसे नवयथार्थवाद, फ्रेंच न्यू वेव, समानांतर सिनेमा आदि) की आलोचनात्मक समझ विकसित कर सकेंगे।
- फिल्मों का विश्लेषण 'mise-en-scène', संपादन, छायांकन, ध्वनि और कथा संरचना जैसे तकनीकी और सौंदर्यशास्त्रीय तत्वों के आधार पर कर सकेंगे।
- फिल्म सिद्धांतों (जैसे औपचारिकतावाद, यथार्थवाद, नारीवाद, उत्तर-औपनिवेशिकता, मनोविश्लेषणात्मक दृष्टिकोण आदि) का प्रयोग कर फिल्मों की आलोचना करने में सक्षम होंगे।
- भारतीय और वैश्विक सिनेमा के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संदर्भों को समझ पाएंगे और फिल्मों में प्रतिबिंबित विचारधाराओं की पहचान कर सकेंगे।

## इकाई 1: सिनेमा का स्वरूप

(12 घंटे)

- सिनेमा : अर्थ, महत्व, प्रकार
- सिनेमा: कला, उद्योग और विचारधारा
- सिनेमा : राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण और सिनेमा एवं समाज के बीच संबंध
- कथात्मक बनाम गैर-कथात्मक संरचनाएँ : मेलोड्रामा, हॉरर, नोयर, वृत्तचित्र, विज्ञान-कल्पना

## इकाई 2: विश्व सिनेमा का इतिहास

(12 घंटे)

- यूरोप और अमेरिका में सिनेमा की शुरुआत
- वैश्विक सिनेमा: जापानी सिनेमा (अकीरा कुरोसावा, यासुजीरो ओजु, केनजी मिजोगुची), ईरानी सिनेमा (अब्बास किरोस्तामी, माजिद मजीदी), अफ्रीकी सिनेमा (उस्मान सैबेन), लैटिन अमेरिकी सिनेमा, चीनी सिनेमा





- लुमिएर ब्रदर्स, थॉमस एल्वा एडिसन, जॉर्ज मेलिएस, एडविन एस. पोर्टर, डी. डब्ल्यू. ग्रिफिथ
- हॉलीवुड स्टूडियोज का उदय

**इकाई 3 : भारतीय सिनेमा का इतिहास**

(12 घंटे)

- प्रारंभिक युग और मूक सिनेमा (1913-1930)
- सवाक् सिनेमा और स्वर युग (1930-1960)
- परिवर्तन काल (1970-1980) - समानांतर सिनेमा (श्याम बेनेगल, मृणाल सेन, मणि कौल आदि), व्यावसायिक सिनेमा: अमिताभ बच्चन (एंग्री यंग मैन)
- 1990 के बाद का सिनेमा : उदारीकरण और वैश्वीकरण का प्रभाव, मल्टीप्लेक्स संस्कृति और मध्यवर्गीय दर्शक, क्रॉस-ओवर सिनेमा और ओटीटी प्लेटफॉर्म, एनिमेशन, मीम, रील्स

**इकाई 4 : क्षेत्रीय सिनेमा, सिद्धांत, संरचना और आंदोलन**

(9 घंटे)

- सिनेमा सिद्धांत और आलोचना : औपचारिकतावाद और यथार्थवाद, संरचनावाद और सांकेतिकी, उत्तर औपनिवेशिक और सांस्कृतिक अध्ययन, ऑटर (Auteur) सिद्धांत मनोविश्लेषणात्मक मॉडल, नारीवादी मॉडल, संज्ञानात्मक मॉडल, विचारधारात्मक मॉडल
- क्षेत्रीय सिनेमा (बंगाली, मलयालम, तमिल, मराठी, पंजाबी, असमिया), प्रमुख क्षेत्रीय फिल्म निर्माता: सत्यजीत रे, अदूर गोपालकृष्णन, नागराज मंजुले आदि और
- फिल्म आंदोलन : इतालवी नवयथार्थवाद, फ्रांसीसी न्यू वेव, जर्मन एक्सप्रेसनिज़्म, सोवियत औपचारिकतावाद, अवां गार्ड, भारतीय नव तरंग (न्यू वेव)
- सिनेमा : संरचना, भाषा और शैली (कैमरा, कैमरा मूवमेंट, प्रकाश व्यवस्था, संपादन, अभिनय, ध्वनि, सीजीआई, विशेष प्रभाव, संकेत, प्रतीक, कोड, डिजिटल तकनीक, यूट्यूब और ओटीटी प्लेटफॉर्म)

**व्यावहारिक कार्य:**

(2 x 15 घंटे)

- किसी एक फिल्म को देखकर उस पर 500 से 800 शब्दों में समालोचनात्मक समीक्षा लिखना। जिसमें विषय-वस्तु, कथा, दृश्य-योजना (mise-en-scène), छायांकन, संपादन और ध्वनि का विश्लेषण हो।
- हिचकॉक, सत्यजीत रे, गोदार, ऋत्विक् घटक, कुरोसावा के फिल्मों का अध्ययन और विश्लेषण।
- किसी प्रसिद्ध हिंदी या विश्व सिनेमा फिल्म के एक दृश्य का चयन करके उसका विश्लेषण कैमरा कोण, प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि डिजाइन, संपादन शैली, अभिनय और चरित्र-चित्रण के आधार पर करें।
- किसी फिल्म के मुख्य पात्र का चयन कर उसके विकास, प्रेरणा और उसके फिल्म में प्रस्तुतिकरण का विश्लेषण करें।
- किसी एक फिल्म को चुनकर उस पर किसी एक फिल्म सिद्धांत के आधार पर विश्लेषण प्रस्तुत करें।

**सहायक सामग्री :****अनिवार्य पाठ :**

1. विजय, अनंत. (2014). लोकप्रिय संस्कृति और मीडिया विमर्श. राजकमल प्रकाशन।
2. रंजन, अशोक. (2007). भारतीय सिनेमा: उद्भव और विकास. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. अग्रवाल, अमिता (2010). सिनेमा के सौ साल. नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत।
4. गुप्ता, एस. (2015). वीडियो संपादन: सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्ष. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. Lobato, R. (2019). Netflix nations: The geography of digital distribution. New York University Press.
6. Ganti, T. (2012). Producing Bollywood: Inside the contemporary Hindi film industry. Duke University Press.





7. Mishra, V. (2001). Bollywood cinema: Temples of desire. Routledge. <https://doi.org/10.4324/9780203458535>. ISBN: 978-0415930154
8. Raheja, D., & Kothari, J. (2004). Indian cinema: The Bollywood saga. Aurum Press. ISBN: 978-1845130169

**सहायक पाठ :**

1. गांधी, प्रेमचंद. (2016). सिनेमा विमर्श. साहित्य उपक्रम, जयपुर।
2. शुक्ल, विनोद. (2017). हिंदी सिनेमा और स्त्री दृष्टि. साहित्य भंडार, इलाहाबाद।
3. शर्मा, अ. के. (2018). डिजिटल वीडियो एडिटिंग एंड पोस्ट प्रोडक्शन. मीडिया हाउस, मुंबई।
4. Vasudevan, R. S. (2011). The melodramatic public: Film form and spectatorship in Indian cinema. Palgrave Macmillan. ISBN: 978-0231150524
5. Bordwell, D., Thompson, K., & Smith, J. (2019). Film art: An introduction (12th Ed.). McGraw-Hill Education. ISBN: 9781260565669
6. Vasudevan, R. S. (2011). The melodramatic public: Film form and spectatorship in Indian cinema. Palgrave Macmillan. ISBN: 9780231150524
7. Elsaesser, T., & Hagener, M. (2015). Film theory: An introduction through the senses (2nd ed.). Routledge. ISBN: 9780415729668

**फिल्म स्क्रीनिंग सूची (Suggested Screening List):**

- Battleship Potemkin (Russia)
- The Bicycle Thieves (Italy)
- Breathless (France)
- Tokyo Story (Japan)
- Rashomon (Japan)
- Black Girl (Senegal)
- Children of Heaven (Iran)
- Amores Perros (Mexico)
- Pan's Labyrinth (Spain)
- Parasite (South Korea)
- राजा हरिश्चंद्र, 1913, दादा साहेब फाल्के
- नीचा नगर, 1946, चेतन आनंद
- पाथेर पांचाली, 1955, सत्यजित रे
- मदर इंडिया, 1957, महबूब खान
- मेघे ढाका तारा, 1960, ऋत्विक् घटक
- आनंद, 1971, ऋषिकेश मुखर्जी
- शोले, 1975, रमेश सिप्पी
- जाने भी दो यारो, 1983, कुंदन शाह





- रोज़ा, 1992, मणिरत्नम
- सत्य, 1998, राम गोपाल वर्मा
- लगान, 2001, आशुतोष गोवारिकर
- कोर्ट, 2014, चैतन्य तम्हाणे
- सैराट, 2016, नागराज मंजुले
- द डिस्टाइल, 2020, चैतन्य तन्हाणे
- 12वीं फ़ैल, 2023, विदु विनोद चोपड़ा
- आर आर आर, 2022, एस. एस. राजामौली





## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)

सेमेस्टर- 2 – SBC

वीडियो संपादन

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                     |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| SBC वीडियो संपादन   | 2       | 0                                 | 0        | 2                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

## पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- वीडियो संपादन के सिद्धांतों और प्रयोग को समझना।
- उद्योग में प्रचलित सॉफ्टवेयर टूल्स (जैसे प्रीमियर प्रो, फ़ाइनल कट, डाविंची रिजॉल्व) का उपयोग सीखना।
- मल्टी-कैम, ग्रीन स्क्रीन, मोशन ट्रैकिंग जैसे वीडियो संपादन कौशल को समझना।
- शॉर्ट फिल्म, विज्ञापन, कॉर्पोरेट वीडियो और सोशल मीडिया कंटेंट को संपादित करना एवं सीखना।

## पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- वीडियो संपादन के सिद्धांतों और चरणों से परिचित होंगे।
- विभिन्न प्रकार की संपादन शैलियों (जैसे - निरंतरता संपादन, मोटाज़, जंप कट, मैच कट आदि) के बीच अंतर को समझेंगे।
- विभिन्न विधाओं (फिल्म, टीवी, समाचार, सोशल मीडिया) में कहानी कहने की प्रक्रिया में संपादन की भूमिका को समझेंगे।
- Adobe Premiere Pro, Final Cut Pro या DaVinci Resolve जैसे वीडियो संपादन सॉफ्टवेयर का संचालन कर सकेंगे।

## व्यावहारिक कार्य – 1

(30 घंटे)

- वीडियो संपादन एवं संपादन सॉफ्टवेयर : परिभाषा, ऐतिहासिक विकास, महत्व एवं एडोबी प्रीमियर प्रो, फ़ाइनल कट प्रो, दा विंची रिजॉल्व, आईमूवी, फ़िल्मोरा, वीएन आदि।
- वीडियो संपादन की तकनीकी अवधारणाएँ : रेजोल्यूशन, फ्रेम रेट, फ़ॉर्मेट, टाइमलाइन, प्रोजेक्ट सेटिंग्स, सोकवेंस, क्लिप प्रबंधन, मल्टीपल सीक्वेंस, मीडिया फ़ाइलों का आयात, इंसर्ट, ओवरले, रिपल एडिट, क्लिप ट्रिम एवं स्प्लिट, स्लो मोशन, फ़ास्ट फ़ॉरवर्ड तथा टाइम रीमैपिंग।
- एडिटिंग टूल्स एवं प्रभाव : मार्क इन/आउट, रेजर एवं सिलेक्शन टूल्स, पैनिंग एवं फ़ेडिंग, इफ़ेक्ट्स एवं ट्रांजिशन, ऑडियो एवं वीडियो का सिंक्रोनाइज़ेशन, टाइटल एवं ग्राफ़िक्स, एनिमेटेड टेक्स्ट एवं ग्राफ़िक्स, शॉट-टू-शॉट ट्रांजिशन एवं संयोजन।
- रफ़ कट एवं फ़ाइनल कट प्रक्रिया : दृश्यों का क्रमबद्ध संपादन, रफ़ कट की समीक्षा एवं परिष्करण, फ़ाइनल कट की तैयारी, डबिंग मिलान एवं ट्रैक लेइंग, बैकग्राउंड स्कोर एवं साउंड इफ़ेक्ट्स, गेनिंग, फ़ेडिंग एवं बैलेंसिंग, सबटाइटल एवं कैप्शन, कलर ग्रेडेशन, निर्यात सेटिंग्स एवं मास्टरिंग, आउटपुट एवं डिलीवरी, फ़ॉर्मेट तथा कंप्रेशन।

## व्यावहारिक कार्य – 2

(30 घंटे)

- दृश्य माध्यमों में वीडियो संपादन के मूलभूत सिद्धांतों एवं उसके ऐतिहासिक विकास पर रिपोर्ट तैयार करना।





- फ़ोटो, बिस्स एवं सीक्वेंस का प्रभावी उपयोग करते हुए वीडियो संपादन परियोजनाओं की संरचना एवं तैयारी करना एवं प्रकाशन हेतु विभिन्न फ़ाइल स्वरूपों, फ़्रेम दरों, कोडेक्स एवं रेजोल्यूशन का उपयुक्त प्रयोग करते हुए प्रोजेक्ट तैयार करना।
- संपादित वीडियो को विभिन्न प्लेटफ़ॉर्म (ब्रॉडकास्ट, वेब, सोशल मीडिया आदि) के अनुरूप तैयार करना।
- पेशेवर फ़िल्मों एवं वीडियो में प्रयुक्त संपादन तकनीकों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर विश्लेषणात्मक रिपोर्ट तैयार करना।

#### सहायक सामग्री

##### अनिवार्य पाठ :

1. गुप्ता, एस. (2015). वीडियो संपादन: सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्ष. दिल्ली: राजकमल प्रकाशन।
2. शर्मा, अ. के. (2018). डिजिटल वीडियो एडिटिंग एंड पोस्ट प्रोडक्शन. मुंबई: मीडिया हाउस।
3. वर्मा, प्रेम प्रकाश. (2018). टेलीविजन प्रोडक्शन और वीडियो संपादन. राजकमल प्रकाशन।
4. पांडेय, सुरेश. (2017). डिजिटल मीडिया और वीडियो प्रोडक्शन. प्रभात प्रकाशन।
5. कुठियाला, बी. के. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन एवं निर्माण. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय प्रकाशन।
6. शुक्ल, राकेश. (2021). वीडियो पत्रकारिता. राजकमल प्रकाशन।

##### सहायक पाठ :

1. Adobe. (2021). Adobe After Effects User Guide. Adobe Systems.
2. Blackmagic Design. (2022). DaVinci Resolve 17 Beginner's Guide. Blackmagic Design.
3. Jago, M. (2020). Adobe Premiere Pro classroom in a book (2020 release). Adobe Press. ISBN-10: 0136602207.
4. Wohl, M. (2012). Editing techniques with Final Cut Pro. Peachpit Press. ISBN-10: 0201734834.
5. Rabiger, M., & Hurbis-Cherrier, M. (2020). Directing: Film techniques and aesthetics (6th ed.). Routledge. ISBN-10: 0815394314
6. Ohanian, T. A., & Phillips, M. E. (2013). Digital filmmaking: The changing art and craft of making motion pictures (2nd ed.). Focal Press (Routledge). ISBN-10: 0240804279
7. Dancyger, K. (2011). The technique of film and video editing: History, theory, and practice (6th ed.). Focal Press. ISBN-10: 1138628409
8. Gunter, R. (2019). Premiere Pro for dummies (2nd ed.). Wiley (For Dummies). ISBN-13: 978-0764543449
9. Owen, M., & Dancyger, K. (2006). The grammar of the edit (2nd ed.). Focal Press. ISBN-13: 978-1138632202





**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)**  
**सेमेस्टर- 2 – SBC**  
**पेजमेकिंग और लेआउट डिजाइन**

| Course title & Code                 | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                     |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| SBC<br>पेजमेकिंग और<br>लेआउट डिजाइन | 2       | 0                                 | 0        | 2                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

- यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को मुद्रित मीडिया में पृष्ठ सज्जा एवं डिजाइन के सिद्धांतों, उपकरणों तथा तकनीकों से परिचित कराएगा।
- डेस्कटॉप पब्लिशिंग सॉफ्टवेयर के प्रयोग के माध्यम से समाचार पत्रों, पत्रिकाओं एवं अन्य प्रकाशनों की डिजाइन में निहित सौंदर्यात्मक तथा तकनीकी पहलुओं का विश्लेषण करना।
- Adobe InDesign, Corel DRAW एवं Quark XPress जैसे प्रमुख डिजाइन सॉफ्टवेयर का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना।
- मीडिया लेआउट में टाइपोग्राफी, ग्रिडसिस्टम और रंग सिद्धांतों को सीखना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

- विद्यार्थी मुद्रित मीडिया में पृष्ठ सज्जा और डिजाइन के सिद्धांतों, उपकरणों और तकनीकों से परिचित होंगे।
- समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और अन्य प्रकाशनों की डिजाइन में डेस्कटॉप पब्लिशिंग सॉफ्टवेयर के उपयोग को समझेंगे।
- छात्र Adobe InDesign, CorelDRAW और QuarkXPress जैसे डिजाइन सॉफ्टवेयर का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के प्रिंट डिजाइनों का विश्लेषण और उसका आलोचनात्मक मूल्यांकन का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

**व्यावहारिक कार्य – 1**

(30 घंटे)

- पेजमेकिंग और लेआउट डिजाइन : परिभाषा, महत्व, प्रकार, इतिहास और विकास (व्याख्यान)
- लेआउट डिजाइन के तत्व : रंग, टेक्स्ट, उद्देश्य, आकार, ब्लीड्स और मार्जिन (color, text, purpose, size, bleeds and margins) एवं लेआउट प्रारूप एवं सॉफ्टवेयर : डेस्कटॉप पब्लिशिंग (DTP), Adobe InDesign, Corel DRAW, QuarkXPress, स्कैनिंग, फोटो संपादन और रेजोल्यूशन
- टाइपोग्राफी एवं उसके मूलभूत तत्व: टाइपफेस, फॉन्ट, कर्निंग, लीडिंग, सरिखण, संतुलन, विरोध, एकता, निकटता, पुनरावृत्ति (typefaces, fonts, kerning, leading, alignment, Balance, contrast, unity, proximity, repetition)
- समाचार पत्र एवं पत्रिका डिजाइन : (मास्टहेड, हेडलाइन, बाईलाइन, डेटलाइन, कॉलम, कैप्शन आदि), कवर डिजाइन, रंग सिद्धांत (CMYK, RGB, Pantone), फोटोग्राफी और चित्रों का उपयोग, फीचर स्टोरी का लेआउट, इन्फोग्राफिक्स और पुल कोट्स का उपयोग

**व्यावहारिक कार्य – 2**

(30 घंटे)

- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशनों के विभिन्न केस स्टडी
- ऑफसेट प्रिंटिंग के लिए फाइल तैयार करना

*[Handwritten Signature]*





- समाचार पत्र/पत्रिका डिजाइन में नवाचार पर आधारित रिपोर्ट तैयार करना
- डिजिटल लेआउट बनाम प्रिंट लेआउट के ऊपर तुलनात्मक अध्ययन और लेआउट तैयार करना
- Adobe InDesign, CorelDRAW और QuarkXPress जैसे डिजाइन सॉफ्टवेयर का प्रयोग कर समाचार पत्र एवं पत्रिका का स्वरूप तैयार करना।

#### सहायक सामग्री

##### अनिवार्य पाठ :

1. सिंह, देवव्रत. (2016). डेस्कटॉप पब्लिशिंग और प्रिंट डिजाइन. नई दिल्ली: प्रभात प्रकाशन।
2. कुठियाला, बी. के. (2015). प्रिंट मीडिया तकनीक. भोपाल: माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय।
3. शुक्ल, रामबाबू. (2012). समाचार पत्र का स्वरूप और प्रस्तुति. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन।
4. कुठियाला, बी. के. डेस्कटॉप पब्लिशिंग और पेजमेकिंग. भोपाल: माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय प्रकाशन।
5. शर्मा, ओम प्रकाश. (2014). समाचार पत्र डिजाइन और पेजमेकिंग. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन।
6. मिश्र, सुधीर. (2018). टाइपोग्राफी : सिद्धांत और प्रयोग. नई दिल्ली: भारतीय ज्ञानपीठ।
7. शुक्ल, अरुण कुमार. (2019). पत्रिका डिजाइन और लेआउट कला. नई दिल्ली: लोकभारती प्रकाशन।
8. त्रिपाठी, राजेश. (2021). डिजिटल एवं प्रिंट मीडिया डिजाइन. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन।

##### सहायक पाठ :

1. Adobe Systems. (2020). Adobe InDesign Classroom in a Book (2020 release). Adobe Press.
2. Sharma, A. K. (2017). CorelDRAW Graphics Suite – A Practical Guide. New Delhi: Tech Know Publications.
3. Jain, R. K. (2015). QuarkXPress Made Easy. New Delhi: Vikas Publishing.
4. Lupton, E., & Phillips, J. C. (2015). Graphic design: The new basics (2nd ed.). Princeton Architectural Press.
5. Bhargava, G. D. (2014). Print media design. New Delhi: Centrum Press.
6. Singh, R. (2012). Print Media Editing and Design. New Delhi: Mangalam Publications.
7. Sinha, N. (2010). Newspaper Design and Layout. New Delhi: Anmol Publications.





राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020  
एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)  
सेमेस्टर- 2 – SBC  
ध्वनि संपादन

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                     |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| SBC<br>ध्वनि संपादन | 2       | 0                                 | 0        | 2                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

- ध्वनि संपादन की मूलभूत अवधारणाओं, प्रकारों और तकनीकी प्रक्रियाओं को समझना।
- ध्वनि रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग, नॉइज़ रिडक्शन आदि के लिए आवश्यक सॉफ्टवेयर और उपकरणों से परिचित करना।
- मीडिया (रेडियो, फिल्म, डॉक्यूमेंट्री, विज्ञापन) में ध्वनि संपादन की व्यावहारिक उपयोगिता को रेखांकित करना।
- सृजनात्मक और तकनीकी ध्वनि संपादन कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)**

- विद्यार्थी ध्वनि संपादन की बुनियादी तकनीकों, संरचना और कार्यप्रणाली को समझ सकेंगे।
- प्रोजेक्ट्स में साफ और संतुलित ऑडियो तैयार करने के लिए एडिटिंग टूल्स का प्रयोग कर सकेंगे।
- विभिन्न मीडिया के लिए उपयुक्त ध्वनि प्रभाव और मिक्सिंग तकनीकों का प्रयोग सीख सकेंगे।
- पेशेवर ध्वनि गुणवत्ता और मानकों के अनुरूप कार्य करने की क्षमता प्राप्त करेंगे।

**व्यावहारिक कार्य – 1**

(30 घंटे)

- माइक्रोफोन तकनीक और रिकॉर्डिंग सेटअप
- ऑडियो तत्वों का विश्लेषण और पहचान
- शोर, गूँज और डिस्टॉर्शन का निवारण
- मल्टी-ट्रैक संपादन और मिक्सिंग
- DAW (Digital Audio Workstation) में बुनियादी संपादन
- अंतिम परियोजना निर्माण (Project Finalization)

**व्यावहारिक कार्य – 2**

(30 घंटे)

- रॉ ऑडियो क्लिप्स की कटिंग, ट्रिमिंग और क्लीनिंग
- बैकग्राउंड नॉइज़ रिमूवल और वॉइस इनहांसमेंट
- मल्टी-ट्रैक एडिटिंग प्रोजेक्ट पर कार्य
- डायलॉग, साउंड इफेक्ट्स और म्यूजिक का समावेश
- एक लघु रेडियो फीचर/पॉडकास्ट का ध्वनि संपादन
- वॉइस ओवर मिक्सिंग प्रोजेक्ट





## सहायक सामग्री

## अनिवार्य पाठ :

1. श्रीवास्तव, के. एम. (2010). रेडियो कार्यक्रम निर्माण. नई दिल्ली: प्रकाशन विभाग, भारत सरकार।
2. सिंह, ओमप्रकाश. (2012). प्रसारण माध्यम एवं कार्यक्रम निर्माण. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन।
3. Anderson, C. D. (2025). Sound design for the visual storyteller: Creating sound for visual media. Focal Press.
4. Dittmar, T. (2025). Audio engineering 101: A beginner's guide to music production (3rd ed.). Focal Press.
5. Senior, M. (2nd ed., 2025). Mixing secrets for the small studio: The art of producing. Routledge.
6. Duggal, S. (2024). Record, mix and master: A beginner's guide to audio production. Palgrave Macmillan Cham.

## सहायक पाठ :

1. Woodhall, W. (2011). Audio production and postproduction. Focal Press.
2. O'Steen, B. (2009). Sound editing in films. Focal Press.
3. Viers, R. (2008). The sound effects bible: How to create and record Hollywood style sound effects. Michael Wiese Productions.
4. Huber, D. M., & Runstein, R. E. (2018). Modern recording techniques (9th ed.). Focal Press.
5. Sonnenschein, D. (2001). Sound design: The expressive power of music, voice and sound effects in cinema. Michael Wiese Productions.
6. Moulton, D. J. (2000). Audio editing for film and television. Focal Press.
7. McLeish, R. (2005). Radio production (5th ed.). Focal Press.
8. Watkinson, J. (2001). Broadcast sound technology. Focal Press.
9. Thiele, N. (2010). Producing audio for digital media. Focal Press.






राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020  
M.A. Hindi

Structure 3 (Level 6.5) : Research  
Semester I (For One Year PG) /  
Semester III (For Two Year PG)

| No. | Paper Type                     | Paper Name                                           | Page No. |
|-----|--------------------------------|------------------------------------------------------|----------|
| 1   | DSC 1                          | 1. शोध : क्षेत्र, विषय और संभावनाएं                  |          |
| 2   | Pool of DSE<br>(For I/III Sem) | 1. आदिकालीन साहित्य : शोध की संभावनाएं और समस्याएं   |          |
|     |                                | 2. भक्तिकालीन साहित्य : शोध की संभावनाएं और समस्याएं |          |
|     |                                | 3. रीतिकालीन साहित्य : शोध की संभावनाएं और समस्याएं  |          |
|     |                                | 4. आधुनिक कविता : शोध की संभावनाएं और समस्याएं       |          |
|     |                                | 5. काव्यशास्त्र : शोध की संभावनाएं और समस्याएं       |          |
| 3   | Research<br>Methodology        | 1. शोध : प्रक्रिया, प्रविधि एवं दिशाएं               |          |



**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**एम. ए. हिंदी**  
**Structure 3 (Level 6.5): Research**  
**सेमेस्टर I (For One Year PG)**  
**सेमेस्टर III (For Two Year PG)**  
**DSC 1 – शोध: क्षेत्र, विषय और संभावनाएं**

| Course title & Code                             | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                 |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSC 1<br>शोध : क्षेत्र,<br>विषय और<br>संभावनाएं | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- ❑ विद्यार्थियों को हिंदी के विभिन्न शोध क्षेत्रों से परिचित कराना ।
- ❑ हिंदी भाषा एवं साहित्य से संबंधित विभिन्न समस्या मूलक शोध विषयों की जानकारी देना ।
- ❑ हिंदी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में शोध की संभावनाओं से अवगत कराना ।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- ❑ विद्यार्थी हिंदी के विभिन्न शोध क्षेत्रों से परिचित होंगे ।
- ❑ हिंदी भाषा एवं साहित्य से संबंधित विभिन्न समस्या मूलक शोध विषयों की जानकारी प्राप्त होगी।
- ❑ हिंदी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में शोध की संभावनाओं से अवगत होंगे।

**इकाई 1 : मध्यकालीन हिंदी साहित्य (8वीं शताब्दी से 18वीं शताब्दी तक) (13 घंटे)**

- आदिकालीन साहित्य: शोध की संभावनाएं और समस्याएं



- भक्तिकालीन साहित्य: शोध की संभावनाएं और समस्याएं
- रीतिकालीन साहित्य: शोध की संभावनाएं और समस्याएं

**इकाई 2 : आधुनिक हिंदी साहित्य (कविता, नाटक-रंगमंच, कथा साहित्य एवं अन्य गद्य विधाएं) (12 घंटे)**

- कविता: शोध की संभावनाएं और समस्याएं
- नाटक एवं रंगमंच: शोध की संभावनाएं और समस्याएं
- कथा साहित्य : शोध की संभावनाएं और समस्याएं
- अन्य गद्य विधाएं : शोध की संभावनाएं और समस्याएं

**इकाई 3 : प्रमुख शोध दृष्टियां (10 घंटे)**

- शास्त्रीय दृष्टि
- मनोविश्लेषणवादी दृष्टि
- सांस्कृतिक अध्ययन
- समाजशास्त्रीय दृष्टि
- मार्क्सवादी दृष्टि

**इकाई 4 : हिंदी साहित्य में शोध के नवीन क्षेत्र (10 घंटे)**

- स्त्री विमर्श और हिंदी साहित्य
- दलित विमर्श और हिंदी साहित्य, जनजातीय विमर्श, विकलांग विमर्श और हिंदी साहित्य
- भाषा विज्ञान, अनुवाद
- जनसंचार माध्यम के विविध रूप और हिंदी साहित्य

**व्यावहारिक कार्य :**

- हिंदी भाषा एवं साहित्य में संभावित शोध विषयों की सूची तैयार करना ।
- हिंदी भाषा एवं साहित्य विषयक शोध में सहायक सॉफ्टवेयर पर रिपोर्ट लेखन ।
- सर्वेक्षण एवं साक्षात्कार हेतु प्रश्नावली का निर्माण ।
- साहित्य समीक्षा ।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना अथवा अन्य कार्य ।

**सहायक ग्रंथ:**

- शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, उत्तर प्रदेश ।
- द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य का आदिकाल, राजकमल प्रकाशन, संस्करण, दिल्ली
- सिंह, नामवर सिंह, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण.2008 उत्तर प्रदेश ।
- तिवारी, रामचंद्र; हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर, संस्करण.2016 उत्तर प्रदेश।



- जैन, नेमिचंद; रंगदर्शन, राधाकृष्ण प्रकाशन, संस्करण.2015, नई दिल्ली ।
- शर्मा, देवेंद्रनाथ; भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, संस्करण.2014, नई दिल्ली ।
- शर्मा, राम विलास; भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- सिंह, सुधा, जनमाध्यम सैद्धांतिकी मॉडल और विचारधारा, एकैडमिक पब्लिकेशन, 2021, दिल्ली ।
- चतुर्वेदी, जगदीश्वर; दलित साहित्य और विचारधारा, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2021 दिल्ली ।
- विद्यार्थी, ललित प्रसाद; भारतीय आदिवासी, उनकी संस्कृति और सामाजिक पृष्ठभूमि,
- रविकांत; हिंदी सिनेमा का साहित्यिक परिदृश्य, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली ।
- मुकुल, मंजु; मीडिया में अनुवाद का संप्रेषणधर्मी नवीन मॉडल, हंस प्रकाशन, दिल्ली ।



## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. हिंदी

Structure 3 (Level 6.5) : Research

Semester I ( For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

DSE - आदिकालीन साहित्य: शोध की संभावनाएं एवं समस्याएं

| Course title & Code                                              | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|------------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                  |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>आदिकालीन<br>साहित्य : शोध की<br>संभावनाएं एवं<br>समस्याएं | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

## पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- ☐ विद्यार्थियों को आदिकालीन हिंदी साहित्य के विभिन्न शोध क्षेत्रों से परिचित कराना।
- ☐ आदिकालीन साहित्य संबंधी विभिन्न समस्यामूलक शोध विषयों की जानकारी देना।
- ☐ आदिकालीन साहित्य में शोध की संभावनाओं से अवगत कराना।

## पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- ☐ विद्यार्थियों में आदिकालीन साहित्य की काल-निर्धारक शोध दृष्टि विकसित हो सकेगी।
- ☐ आदिकालीन साहित्य संबंधी विभिन्न समस्यामूलक शोध विषयों से अवगत हो सकेंगे।
- ☐ आदिकालीन साहित्य के विविध क्षेत्रों एवं विषय संबंधी शोध की संभावनाओं का बोध होगा।

## इकाई 1 : आदिकालीन हिंदी साहित्य : काल विभाजन और नामकरण

(10 घंटे)

- आदिकालीन हिंदी साहित्य का आरंभ
- काल निर्धारण का ऐतिहासिक एवं भाषिक आधार
- आदिकाल का नामकरण संबंधी विविध दृष्टिकोण
- आदिकाल एवं भक्तिकाल : हिंदी साहित्य का संक्रांति स्थल

## इकाई 2 : आदिकालीन साहित्य के पाठ-अनुसंधान की समस्याएं

(13 घंटे)

- पाठ अनुसंधान के प्राथमिक स्रोत



- पाठ के विविध संस्करणों की उपलब्धता एवं प्रामाणिकता का प्रश्न
- आदिकालीन भाषा काव्य और अर्थ अन्वेषण
- उपलब्ध पाठों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भ

### इकाई 3 : आदिकालीन रासक एवं रासो काव्य : शोध की संभावनाएं

(11 घंटे)

- रास काव्य की परंपरा
- रासक काव्य की सौन्दर्य चेतना
- रासो काव्य का स्वरूप एवं अर्थ अन्वेषण
- रासो काव्य की प्रामाणिकता का प्रश्न एवं लोक मान्यताएं

### इकाई 4 : आदिकालीन हिंदी साहित्य की भाषा एवं विविध काव्यरूप

(11 घंटे)

- अपभ्रंश और हिंदी का अंतःसंबंध
- अपभ्रंश की साहित्यिक परंपरा : सिद्ध एवं नाथ साहित्य
- अपभ्रंश के विविध काव्यरूप और प्रारंभिक हिंदी
- विद्यापति, अमीर खुसरो एवं अन्य रचनाकारों की भाषा एवं काव्यरूप

### सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, रामचंद्र. हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, 2025, वाराणसी
2. द्विवेदी, हजारी प्रसाद. हिंदी साहित्य का आदिकाल, वाणी प्रकाशन, 2021
3. द्विवेदी, हजारी प्रसाद. हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, संस्करण. 2017 दिल्ली
4. गुलेरी, चंद्रधर शर्मा. पुरानी हिंदी, नागरी प्रचारिणी सभा, संस्करण. 1960 वाराणसी
5. त्रिपाठी, राममूर्ति. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादेमी, संस्करण. 1973 भोपाल
6. सिंह, नामवर. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग, लोकभारती प्रकाशन, संस्करण. 1952 प्रयागराज
7. राय, अनिल. आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएं, वाणी प्रकाशन, संस्करण. 2024 दिल्ली
8. कोछड़, हरिवंश. अपभ्रंश साहित्य, आत्माराम एण्ड संस, संस्करण. 1965, दिल्ली



## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Structure 3 (Level 6.5) : Research

Semester I ( For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

DSE – भक्तिकालीन साहित्य: शोध की संभावनाएं एवं समस्याएं

| Course title & Code                                               | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                   |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>भक्तिकालीन<br>साहित्य: शोध की<br>संभावनाएं एवं<br>समस्याएं | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

## पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- ❑ विद्यार्थियों को भक्तिकाल की सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और भाषा-आधारित पृष्ठभूमि को समझाना ।
- ❑ भक्तिकालीन काव्य और साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियां, कवि तथा संप्रदायों का ज्ञान विकसित करना ।
- ❑ भक्तिकालीन साहित्य के आलोचनात्मक विमर्श, समकालीन प्रासंगिकता और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों की पहचान करना ।

## पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- ❑ विद्यार्थी भक्तिकालीन साहित्य के सामाजिक, धार्मिक, भाषाई और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य को समझने में सक्षम होंगे ।
- ❑ भक्तिकाल पर विभिन्न समकालीन आलोचनात्मक दृष्टिकोण (जैसे नारीवादी, दलित, उत्तर-औपनिवेशिक) से विचार कर सकते हैं ।
- ❑ भक्ति साहित्य के प्रति गहरी समझ, सांस्कृतिक सहिष्णुता, मानवता और समाज सुधार के प्रति जागरूकता विकसित होगी ।

## इकाई 1 : भक्तिकाल का उदय

- भक्ति कविता और भारतबोध
- राजनीतिक हस्तक्षेप, विदेशी आक्रमण और धार्मिक दृष्टि
- अवतरवाद, लीला, लोक और भारतीय समाज
- भक्तों की यात्राएं, भाषा संस्कार और भारतभाव



**इकाई 2 : भक्ति साहित्य : दार्शनिक पीठिका**

- अद्वैत, विशिष्टाद्वैत
- द्वैत, द्वैताद्वैत
- शुद्धाद्वैत, सूफी
- भक्तिकाल की धाराएं

**इकाई 3 : भक्तिकाल का आदर्शलोक**

- संत काव्यधारा
- सगुण काव्यधारा
- निर्गुण काव्यधारा
- सूफी काव्यधारा

**इकाई 4 : भक्तिकाल का सातत्य : शिल्प और उत्सव का आरोहण**

- गार्हस्थ्य बोध की प्रेम कविताएं
- काव्यशास्त्रीय पदचिह्न : शिल्प का सौंदर्य
- निर्गुण-सगुण अभिव्यक्ति का अभिव्यंजना कौशल
- संस्कृति का उत्सव बोध : रस का लोकतंत्र

**व्यावहारिक कार्य:**

- भक्ति काल के उदय की विभिन्न मान्यताओं पर समूह चर्चा
- भक्ति काल के दार्शनिक पक्षों को साथ रखकर भक्त कवियों की समीक्षा करना
- वर्तमान में भक्त कवियों के स्वप्नलोक की प्रासंगिकता की दृष्टि से लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य अथवा अन्य कार्य

**सहायक ग्रंथ :**

1. शुक्ल, रामचंद्र. हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1929.
2. ताराचंद, भारतीय संस्कृति में इस्लाम का प्रभाव, ग्रंथ शिल्पी, इंडिया
3. द्विवेदी, हजारी प्रसाद. हिंदी साहित्य की भूमिका. हिंदी-ग्रंथ रत्नाकर कार्यालय, बंबई, 1940.
4. शर्मा, कृष्ण गोपाल, भारत की संत परंपरा और सामाजिक समरसता, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 2011
5. शर्मा, रामविलास. भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2001.
6. मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद. हिंदी साहित्य का अतीत, भाग 1-2, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी, 1959-1960.
7. सिंह, सुधा (सं.), मध्यकालीन साहित्य विमर्श, ई-बुक, नॉटनल डॉट कॉम
8. पचौरी, सुधीश, तीसरी परंपरा की खोज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2019



9. .., आचार्य (डॉ.) चन्दन. ... हिंदुवानी हों रहूँगी, भारतीय विद्या अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली, 2025

### राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Structure 3 (Level 6.5) : Research

Semester I ( For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

DSE – रीतिकालीन साहित्य: शोध की सम्भावनाएँ एवं समस्याएँ

| Course title & Code                                              | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|------------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                  |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>रीतिकालीन<br>साहित्य: शोध की<br>संभावनाएँ एवं<br>समस्याएँ | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

#### पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

- ❑ विद्यार्थियों को रीतिकालीन साहित्य की साहित्यिक, सौन्दर्यशास्त्रीय और कला बोध की परम्परा से परिचित कराना.
- ❑ विद्यार्थियों को रीतिकालीन साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियों, साहित्यायिक तत्वों और उसके सामाजिक संदर्भों की जानकारी देना.
- ❑ रीतिकालीन साहित्य के माध्यम से भारतीय सौन्दर्यबोध की मान्यताओं, काव्यशास्त्रीय मानदंडों और भाषाई उपलब्धियों के क्षेत्र में शोध की नवीन संभावनाओं से परिचित कराना.

#### पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- ❑ विद्यार्थी रीतिकालीन साहित्य के सौन्दर्य और उसमें अंतर्निहित कलात्मक अभिरुचि से परिचित हो सकेंगे.
- ❑ हिन्दी का रीतिकालीन साहित्य की काव्यात्मक, काव्यशास्त्रीय और व्याकरणिक दृष्टि से अध्ययन-अध्यापन एवं शोध की नवीन दृष्टियों और दिशाओं की जानकारी प्राप्त करेंगे.
- ❑ इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी के रीतिकालीन साहित्य की संरचना और ब्रज भाषा के अन्तर्सम्बन्धों जानकारी प्राप्त करने के साथ ही इस क्षेत्र में शोध एवं अनुसन्धान की समस्याओं को समझने और उनके तार्किक समाधान की दिशा में अग्रसर हो होंगे.

इकाई 1 : रीतिकालीन साहित्य : परम्परा, प्रेरणा और काव्यशास्त्र

(13 घंटे)



- रीतिकालीन साहित्य और हिन्दी साहित्य का इतिहास, ऐतिहासिक सन्दर्भ, सामाजिक-सांस्कृतिक अवस्थिति, साहित्येहास की संरचना और रीतिकालीन साहित्यिक तत्वों का अध्ययन विश्लेषण, साहित्येहास में रीतिकाव्य के आंतरिक विभाजन (रीतिबद्ध, रीति सिद्ध और रीतिमुक्त) सम्बन्धी अध्ययन की समस्याएँ, औचित्य और उक्त विभाजन सम्बन्धी वैकल्पिक एवं नवीन दृष्टिकोणों का शोध
- रीतिकालीन साहित्य और संस्कृत काव्यशास्त्र : रस, रीति, वक्रोक्ति, ध्वनि, औचित्य, संस्कृत काव्यशास्त्र के साहित्यिक मानदंड और रीतिकालीन काव्य में नव्य तत्वों का शोध-विश्लेषण
- रीतिकालीन साहित्य और आचार्य परम्परा, आचार्यत्व की भंगिमा, लक्षण-ग्रन्थ एवं अन्य साहित्यिक कृतियों का शास्त्रीय, सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन एवं इसकी समकालीन साहित्य के संरचना, कला पक्ष और भाव पक्ष के आधार पर उपादेयता की खोज और शोध-अध्ययन
- रीति काव्य , रीति तत्व, रस, छंद और अलंकार, काव्य निरूपण, नायिका भेद, शास्त्रीय विवेचन, प्रेम, भक्ति, श्रृंगार, नीति, रीति, वीर रस से सम्बन्धी प्रवृत्तियों का सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन

( 1 1

## इकाई 2 : रीतिकालीन साहित्य और भारतीय सौन्दर्यशास्त्र (घंटे)

- सौन्दर्यशास्त्र : अर्थ, अवधारणा और भारतीय एवं पाश्चत्य सौन्दर्यशास्त्र के मानदंडों के आलोक में रीतिकालीन साहित्य का अध्ययन.
- रीतिकालीन साहित्य में सौन्दर्यशास्त्रीय तत्व और कला सम्बन्धी समकालीन बहसों का तार्किक विश्लेषण और शोध.
- रीतिकालीन साहित्य और समकालीन कलाएँ : चित्रकला, स्थापत्यकला, मूर्तिकला और संगीत की आपसदारी तथा प्रेरणा और प्रभाव की अन्योन्याश्रयिता का शोध और अध्ययन.
- रीतिकालीन साहित्य : लक्षण ग्रन्थ, पद्य रचनाएँ, गद्य रचनाएँ और समकालीन उर्दू कविता के साथ सहसम्बन्धों की दिशा और दशा का विश्लेषण. रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख एवं अल्पज्ञात ग्रन्थों का पाठालोचन, पाठकेन्द्रित अध्ययन और विश्लेषण.

## इकाई 3 : रीतिकालीन साहित्य के मूल्यांकन की समस्याएँ और आलोचकीय कसौटियाँ (11 घंटे)

- आलोचना और रीतिकालीन साहित्य, रीतिकालीन साहित्य संदर्भित विभिन्न आलोचना-दृष्टियाँ, काव्य निरूपण, श्रृंगारपरक, भक्तिपरक, नीतिपरक, वीरपरक रीतिकालीन साहित्य सम्बन्धी आलोचना की समर्थ और सीमाओं का अध्ययन
- औपनिवेशिक साहित्यिक नैतिकता और रीतिकालीन साहित्य के मूल्यांकन की समस्याएँ और समाधान की नई दृष्टि, भारतीय चिन्तन परम्परा के साहित्यिक मूल्य और रीतिकालीन साहित्य
- दरबारी साहित्य, जन साहित्य, साहित्य की सामाजिक भूमिका जैसी आलोचकीय संरचनाएँ और रीतिकालीन साहित्य के मूल्यांकन सम्बन्धी तथ्य, तार्किकता और वास्तविकता का शोध अध्ययन
- रीतिकाव्य द्वारा अध्यात्मिक व्यंजना के बरक्स इहलौकिकता के कलात्मक सौन्दर्य के वैभव की प्रतिष्ठा, भौतिकता का आकर्षण के मूल्यांकन की सीमाओं का अध्ययन एवं तत्कालीन उर्दू-फारसी कविता की साझा सांस्कृतिक एवं भाषायी भूमि और भूमिका का अध्ययन-विश्लेषण

## इकाई : 4 – रीतिकालीन साहित्य : शोध अध्ययन की नई संभावनाएँ

(10 घंटे)



- मध्यकालीन काव्य शैलियाँ, लक्षण ग्रन्थ, प्रबंध ग्रन्थ, खंड काव्य, मुक्तक काव्य. कथानक रुढ़ियाँ, कवि समय और पारम्परिक काव्य प्रतिमानों के आलोक में रीतिकालीन साहित्य का अध्ययन.
- ब्रजभाषा का विकास, रीतिकालीन साहित्य, उर्दू और फारसी कविता और ब्रज भाषा में रचित रीतिकालीन साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन.
- रीतिकालीन साहित्य में चित्रित मध्यकाल का समाज, सामंतवादी परिदृश्य, कृषक, मजदूर, स्त्री-समाज और जीवन के वास्तविक तथ्यों की खोज, रीतिकालीन कवियों की व्यक्तिगत रुचि, लौकिक प्रेम का आधुनिक बोध के संदर्भ में शोध और विश्लेषण.
- भक्तिकाल के रीतिकाल में रूपांतरण की साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक परिस्थितियों सम्बन्धी पारम्परिक मान्यताओं का मूल्यांकन, साहित्यिक परम्परा के रूप में आदिकालीन साहित्य से रीतिकालीन साहित्य की यात्रा के साझा साहित्यिक तत्वों का शोध और विश्लेषण.

#### संदर्भ ग्रन्थ :

1. शुक्ल, रामचन्द्र, रस मीमांसा, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, 2020
2. नगेन्द्र, डॉ., रीतिकाव्य की भूमिका, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, 2021
3. शुक्ल, रामदेव, साक्षात रसमूर्ति : आनन्दघन कृत 'कृपानंद', अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017
4. Santayana, George The Sense of Beauty, Anson Street Press, America, 2025
5. मिश्र, भगीरथ, हिन्दी रीति साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1999
6. जैन, निर्मला, रस सिद्धांत और सौंदर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1999
7. पाण्डेय. के.सी. कम्परेटिव एस्थेटिक्स, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1950
8. तिवारी, रामचन्द्र, रीतिकालीन हिन्दी कविता और सेनापति, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2002
9. मेघ, रमेश कुंतल, मध्ययुगीन रस दर्शन और समकालीन सौन्दर्यबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
10. पचौरी, सुधीश. रीतिकाल सेक्सुअलिटी का समारोह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2017.



## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

## एम. ए. हिंदी

## Structure 3 (Level 6.5) : Research

## Semester I ( For One Year PG)

## Semester III (For Two Year PG)

## DSE – आधुनिक हिंदी कविता : शोध की संभावनाएं और समस्याएं

| Course title & Code                                               | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                   |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>आधुनिक हिंदी<br>कविता : शोध की<br>संभावनाएं और<br>समस्याएं | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

## पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

- ❑ विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी कविता के शोध की संभावनाओं और दिशाओं की जानकारी देना।
- ❑ विद्यार्थियों में आधुनिक हिंदी कविता के विकास के ऐतिहासिक संदर्भों की समझ पैदा करना।
- ❑ विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी कविता में शोध की चुनौतियों से अवगत कराना।

## पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- ❑ विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता की पृष्ठभूमि, विकासक्रम और शोध के क्षेत्र को समझेंगे
- ❑ विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता की शोध की संभावनाओं और चुनौतियों को जानेंगे।
- ❑ विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता के प्रयोग किए जा रहे शोध के मानकों, पद्धतियों आदि से परिचित होंगे

## इकाई 1 : आधुनिक हिंदी कविता की अवधारणा एवं ऐतिहासिक संदर्भ

- आधुनिक हिंदी कविता की पृष्ठभूमि
- आधुनिक हिंदी कविता की प्रवृत्ति
- राष्ट्रीय बोध, नवजागरण और स्वच्छंदतावाद

## इकाई 2 : आधुनिक हिंदी कविता : शोध की संभावनाएं



- ऐतिहासिक विकास क्रम एवं प्रवृत्तिगत परिवर्तनों का विश्लेषण
- आधुनिकता के परिवेशगत अनुभव और पश्चिमी आधुनिकतावाद के अंतःसंबंधों का विश्लेषण
- आधुनिक हिंदी कविता में विश्व साहित्य के प्रभावों का अध्ययन

### इकाई 3 : आधुनिक हिंदी कविता : शोध की समस्याएं

- केंद्रीय विषय की अस्पष्टता
- पाठ आधारित मूल्यांकन की चुनौती
- समकालीन कविता का काल निर्धारण एवं सीमांकन

### इकाई 4 : आधुनिक हिंदी कविता : शोध की चुनौतियां

- शोध पद्धति और आलोचकीय मानक
- गद्यात्मक, प्रतीक-बिम्ब एवं काव्यशास्त्र
- विविध सामाजिक संदर्भ एवं विमर्शों के प्रवेश की सार्थकता

### संदर्भ ग्रंथ :

1. पाठक, अभिजीत. आधुनिकता, भूमंडलीकरण और अस्मिता, आकार प्रकाशन, संस्करण.2013
2. सिंह, नामवर आधुनिकता, साहित्य की प्रवृत्तियां, राजकमल प्रकाशन, संस्करण.2025
3. सिंह, नामवर, छायावाद, राजकमल प्रकाशन, संस्करण.2024
4. बाली, तारकनाथ. हिंदी साहित्य का आधुनिक इतिहास, प्रभात प्रकाशन, संस्करण.2017
5. नवल, नंद किशोर. हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, संस्करण.2025
6. मोहन, डॉ एन. समकालीन हिंदी कविता, राजपाल, संस्करण.2022
7. तिवारी, विश्वनाथ, प्रसाद. समकालीन हिंदी कविता, राजकमल प्रकाशन, संस्करण.2010
8. तिवारी, अजय. आधुनिकता पर पुनर्विचार, वाणी प्रकाशन, संस्करण.2024
9. विमल, गंगा प्रसाद. आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता, नयी किताब प्रकाशन संस्करण.2021
10. नवल, नन्द किशोर. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास, वाणी प्रकाशन, संस्करण.2023



## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. हिंदी

Structure 3 (Level 6.5) : Research

Semester I ( For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

DSE – काव्यशास्त्र: शोध की संभावनाएँ एवं समस्याएँ

| Course title & Code                                         | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                             |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>काव्यशास्त्र:<br>शोध की<br>संभावनाएँ एवं<br>समस्याएँ | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

## पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- ❑ विद्यार्थियों में भारतीय काव्यशास्त्र और पश्चिमी साहित्य में समान रूप से विशिष्ट परंपरा को परखने की समझ विकसित करना।
- ❑ विद्यार्थियों को काव्य के रूप, भाषा और अर्थ को समझने की दिशा का बोध कराना।
- ❑ काव्य की रचनात्मक प्रक्रिया, शास्त्रीय सिद्धांतों और उसे समाज में मिलने वाली स्वीकृति की ज्ञान-विज्ञान सम्मत समझ बढ़ाना।

## पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- ❑ काव्यशास्त्र से विद्यार्थियों को साहित्य के शास्त्रीय और तात्त्विक रूप को समझने में सहायता मिलेगी और वे नई स्थापनाओं की खोज कर सकेंगे।
- ❑ भारतीय काव्यशास्त्र और पश्चिमी साहित्य में समान रूप से विशिष्ट परंपरा को परखने की समझ विकसित होगी।
- ❑ काव्यशास्त्र में शोध की संभावनाएँ और समस्याएँ दोनों एक विशिष्ट क्षेत्र को संपुष्ट करते हैं, जिससे शोध के क्षेत्र में और अधिक व्यापकता बढ़ेगी।

## इकाई-1:

(10 घंटे)

- काव्यशास्त्र के भारतीय और पश्चिमी दृष्टिकोणों का परिचयात्मक अध्ययन



- काव्य की अवधारणा और उसकी भूमिका का विभिन्न संस्कृतियों में विकास
- भारतीय काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों और पश्चिम के विचारकों के साहित्यिक सिद्धांतों के बीच तुलना
- काव्यशास्त्र में भाषाई और सांस्कृतिक अवरोध

#### इकाई -2:

(11 घंटे)

- काव्यशास्त्र और साहित्यिक आलोचना
- काव्यशास्त्र के सिद्धांतों का समकालीन साहित्य और संस्कृति के संदर्भ में परीक्षण और विश्लेषण
- भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांतों में भिन्नताएँ और परिभाषाएँ
- प्रत्येक सिद्धांतों की अपनी व्याख्याएँ और एक समग्र या सार्वभौमिक सिद्धांत विकसित होने की समस्याएँ

#### इकाई -3:

(11 घंटे)

- भारतीय काव्यशास्त्र पर संस्कृत साहित्य के विभिन्न तत्व और अंग के स्वरूप
- संस्कृत काव्यशास्त्र के आचार्यों द्वारा दी गई परिभाषाओं और सिद्धांतों की काव्यप्रवृत्तियों के संदर्भ में नए अनुसन्धान
- समकालीन काव्यशास्त्र में पश्चिमी आलोचना पद्धतियों और दृष्टिकोणों के बीच संतुलन और उनके बीच सामंजस्य
- भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य आलोचना के विमर्श : संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद, स्त्री विमर्श

#### इकाई -4:

(13 घंटे)

- काव्यशास्त्र और संस्कृति, काव्यशास्त्र की समाज में उपयोगिता
- काव्यशास्त्र और भाषा के उपयोग और उसके प्रभाव पर गहन शोध
- काव्यशास्त्र और आधुनिक साहित्य में शोधकर्ताओं को नए काव्यशास्त्रीय दृष्टिकोणों और सिद्धांतों को विकसित करने की आवश्यकता
- काव्यशास्त्र का उद्देश्य : काव्य का सौंदर्यशास्त्र या रसात्मक अनुभव

#### सहायक ग्रंथ:

1. डॉ. नगेन्द्र - शोध और सिद्धांत, पब्लिकेशन हॉउस, दिल्ली
2. डॉ. विजयपाल सिंह, हिन्दी अनुसन्धान, राजपाल एंड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली
3. डॉ. शशिभूषण सिंघल - साहित्यिक शोध के आयाम, आर्य बुक डिपो, दिल्ली
4. डॉ. विनय मोहन शर्मा - शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिकेशन हॉउस, दिल्ली
5. डॉ. मनमोहन सहगल - हिन्दी शोध तंत्र की रूपरेखा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
6. रवीन्द्र कुमार जैन - साहित्यिक अनुसन्धान के आयाम, नेशनल पब्लिकेशन हॉउस, दिल्ली
7. डॉ.एस.एन. गणेशन - अनुसन्धान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. डॉ. ओमप्रकाश- अनुसन्धान की समस्याएँ, आर्य बुक डिपो, करोलबाग, नई दिल्ली



9. डॉ. म.ह. राजुरकर - हिन्दी अनुसंधान स्वरूप और विकास, नेशनल पब्लिकेशन हॉउस, दिल्ली

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**  
**M.A. (Hindi) 1<sup>st</sup> / 2<sup>nd</sup> Year**  
**Structure 3 (Level 6.5) : Research**  
**SemesterI (For One Year PG)**  
**SemesterIII (For Two Year PG)**  
**DSE – शोध : प्रविधि, प्रक्रिया एवं उपकरण**

| Course title & Code                             | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                 |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>शोध : प्रविधि,<br>प्रक्रिया एवं<br>उपकरण | 4       | 3                                 | 1        | —                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- ☐ विद्यार्थियों को शोध के स्वरूप एवं अवधारणा से परिचित कराना ।
- ☐ शोध के प्रकार एवं प्रक्रिया से अवगत कराना ।
- ☐ शोधकार्य में कंप्यूटर के उपयोग की जानकारी के साथ शोध संहिता से परिचय प्राप्त करना ।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- ☐ विद्यार्थी शोध के स्वरूप एवं अवधारणा से परिचित हो सकेंगे ।
- ☐ शोध के प्रकार एवं प्रक्रिया से अवगत होंगे ।
- ☐ शोधकार्य में कंप्यूटर के उपयोग की जानकारी के साथ शोध संहिता से परिचय प्राप्त करेंगे ।

**इकाई –1: शोध का सैद्धांतिक पक्ष**  
**घंटे)**

(11

- शोध और आलोचना
- शोध और इतिहास बोध



- शोध में तथ्य एवं सत्य
- शोध में तर्क, अनुमान, कल्पना आदि की भूमिका

#### इकाई-2 :शोध की पद्धतियां

(11 घंटे)

- ऐतिहासिक, तुलनात्मक, विधेयवादी
- पाठानुसंधान, पाठालोचन, भाषा वैज्ञानिक
- सांस्कृतिक अध्ययन, समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक
- संरचनावादी, उत्तर- संरचनावादी

#### इकाई-3 :शोध की प्रक्रिया

(13 घंटे)

- शोध कार्य हेतु विषय चयन, शोध समस्या का निर्धारण एवं शोध के उद्देश्य
- पूर्व उपलब्ध साहित्य की समीक्षा
- शोध सामग्री संकलन और उसकी विभिन्न पद्धतियां
- शोध प्रबंध की रूपरेखा निर्माण की पद्धतियां, अध्यायीकरण, प्रस्तावना एवं उपसंहार लेखन
- संदर्भ ग्रंथ सूची निर्माण, उद्धरण तथा संदर्भोल्लेख की पद्धतियां (MLA, APA, Chicago)
- शोध प्रबंध / शोधार्थी की भाषा-शैली

#### इकाई – 4 : शोध : कंप्यूटर नेटवर्क और संहिता

(10 घंटे)

- शोध : कंप्यूटर प्रौद्योगिकी, ICT, AI एवं इंटरनेट सामग्री का प्रयोग
- ई-स्रोतों का परिचय, शोध कार्य में उनकी प्रासंगिकता, विभिन्न वेबसाइट, पत्रिकाएं, पुस्तकें, पुस्तकालय एवं ऑनलाइन आर्काइव का उपयोग एवं प्रयुक्ति
- सॉफ्टवेयर उपकरण :साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर, जैसे – टर्नटिन, उरकुंड, ड्रिलबिट, क्यूटेक्स्ट, प्लेगस्कैन, आदि ।
- प्रकाशन संबंधी नैतिकता, अनैतिक व्यवहार एवं समस्याएं
- बौद्धिक ईमानदारी एवं शोध-निष्ठा, बौद्धिक संपदा संबंधी कानून

#### व्यावहारिक कार्य :

- शोध हेतु ई-सामग्री की वेबसाइट, ऑनलाइन आर्काइव, पत्रिकाओं एवं पुस्तकों की सूची तैयार करना ।
- शोध में सहायक सॉफ्टवेयर पर रिपोर्ट लेखन ।
- सर्वेक्षण एवं साक्षात्कार हेतु प्रश्नावली का निर्माण ।
- साहित्य समीक्षा ।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना अथवा अन्य कार्य ।

#### सहायक ग्रंथ सूची :



1. सिन्हा एवं स्नातक, सावित्री एवं विजयेन्द्र. अनुसंधान की प्रक्रिया, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1960.
2. शर्मा, विनयमोहन. शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1973.
3. सिंह, सरनाम. शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली, 1964.
4. त्रिपाठी, विनायक. शोध प्रविधि : अवधारणा एवं तकनीक, ओमेगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2020.
5. गणेशन, एस. एन.. अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, 2021.
6. सिंहल, बैजनाथ; शोध : स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2023.
7. राजूरकर एवं बोरा, भ.ह., एवं राजमल (संपादक), हिंदी अनुसंधान का स्वरूप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, 1978.
8. सूरती, डॉ. उर्वशी जे; अनुसंधान का व्यावहारिक स्वरूप, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, मुंबई, महाराष्ट्र, 1973.



## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

## M.A. Hindi

## Structure 3 (Level 6.5) : Research

## Semester II (For One Year PG) /

## Semester IV (For Two Year PG)

| N<br>o. | Paper<br>Type                           | Paper Name                                                         | Page<br>No. |
|---------|-----------------------------------------|--------------------------------------------------------------------|-------------|
| 1       | Pool of<br>DSE<br>(For II/IV<br>Sem)    | 1. नाटक और रंगमंच : शोध की संभावनाएं और समस्याएं                   |             |
|         |                                         | 2. कहानी एवं उपन्यास : शोध की संभावनाएं और समस्याएं                |             |
|         |                                         | 3. सिद्धांत और आलोचना : शोध की संभावनाएं और समस्याएं               |             |
|         |                                         | 4. अस्मितामूलक विमर्श : शोध की संभावनाएं और समस्याएं               |             |
|         |                                         | 5. स्त्री चिंतन और अनुसंधान                                        |             |
|         |                                         | 6. अनुवाद, जनसंचार एवं भाषा विज्ञान : शोध की संभावनाएं और समस्याएं |             |
|         | Techniques<br>of<br>Research<br>writing | 1. शोध लेखन की तकनीक                                               |             |



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

**Structure 3 (Level 6.5) : Research****Semester II ( For One Year PG)****Semester IV (For Two Year PG)****DSE : नाटक और रंगमंच : शोध की संभावनाएं एवं समस्याएं**

| Course title & Code                                            | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|----------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>हिंदी नाटक और रंगमंच :<br>शोध की संभावनाएं एवं समस्याएं | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- > विद्यार्थियों को हिंदी नाटक और रंगमंच से संबंधित शोध के विभिन्न क्षेत्रों से परिचित कराना।
- > हिंदी रंगमंच के अखिल भारतीय स्वरूप की समझ विकसित करना।
- > हिंदी के मंचीय नाटकों के अनुभव को परस्पर संवाद द्वारा प्रकट करने में सक्षम होंगे।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**



- विद्यार्थियों हिंदी नाटक और रंगमंच से संबंधित शोध के विभिन्न क्षेत्रों से परिचित होंगे।
- हिंदी रंगमंच के अखिल भारतीय स्वरूप की समझ विकसित होगी।
- हिंदी के मंचीय नाटकों के अनुभव को परस्पर संवाद द्वारा प्रकट करने में सक्षम होंगे।

इकाई -1: भक्ति संदर्भित रंगमंच / भक्ति रंगमंच (9 घंटे)

इकाई -2: लोकनाट्य भक्ति पद्धतियां (12 घंटे)

इकाई -3: रंगमंच का अखिल भारतीय स्वरूप (12 घंटे)

इकाई -4: प्रदर्शनकारी कलाएं और रंगमंच / हिंदी के मंचीय नाटकों का अनुभव संवाद / पुनर्पाठ / पुनर्अध्ययन (12 घंटे)

सहायकग्रंथ:

1. जैन, नेमिचंद. रंगदर्शन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, दूसरा संस्करण, 1983
2. तनेजा, जयदेव, हिंदी रंगकर्म. दशा और दिशा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1998
3. अंकुर, देवेन्द्रराज. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण, 2006
4. राकेश, मोहन. मेरे साक्षात्कार, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण, 2003
5. ओक्षा, दशरथ. हिंदी नाटक, उद्भव और विकास, राजपाल एंड संस प्रकाशन, संस्करण, 2008
6. गार्गी, बलवंत. रंगमंच, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम हिंदी संस्करण, 1968
7. कुमार, सिद्धनाथ. नाटकालोचन के सिद्धांत, भावना प्रकाशन, संस्करण, 1998
8. कपिला वात्स्यायन. पारंपरिक भारतीय रंगमंच, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली, संस्करण, 2011
9. डॉ. अज्ञात. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, पुस्तक संस्थान, कानपुर, प्रथम संस्करण, 1978
10. Varadpande, ML. *History of Indian Theatre*, Abhinav publications, Delhi, 1987



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

**Structure 3 (Level 6.5) : Research****Semester II (For One Year PG)****Semester IV (For Two Year PG)****DSE2 कहानी और उपन्यास: शोध की संभावनाएं और समस्याएं**

| Course title & Code                                             | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-----------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                 |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE2<br>कहानी और<br>उपन्यास: शोध<br>की संभावनाएं<br>और समस्याएं | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- कथा साहित्य की सैद्धांतिकी और प्रविधियों का अध्ययन ।
- कहानी के क्षेत्र में शोध की नयी संभावनाओं की तलाश ।
- उपन्यास के क्षेत्र में शोध की नयी संभावनाओं की तलाश ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक बदलावों की पहचान ।



- कथा साहित्य के क्षेत्र में विकसित नए क्षेत्रों की पहचान ।
- कथा साहित्य में नए प्रयोगों की पहचान ।

इकाई 1 : सिद्धान्त, आलोचना और उपन्यास

(दास्तानगोई, यथार्थवाद और उपन्यास, व्यक्ति और उपन्यास, उपन्यास का समाजशास्त्र, राष्ट्रवाद और उपन्यास, इतिहास और उपन्यास, महाकाव्य और उपन्यास आदि सिद्धांतों/धारणाओं का पाठ के उदाहरण से अध्यापन)

इकाई 2 : सिद्धांत, आलोचना और कहानी

(किस्सागोई की परंपरा, औपनिवेशिक दौर और कहानी, इतिहास, मिथक, संस्कृति और कहानी, व्यक्ति, समाज और कहानी, कहानी के बदलते आयाम, कहानी और लंबी कहानी, आदि बिन्दुओं का पाठ के उदाहरण से अध्यापन)

इकाई 3 : ऐतिहासिक सामाजिक बदलाव और कथा साहित्य

(जासूसी कहानियाँ, औपनिवेशिक दौर और उपन्यास, स्वातंत्र्योत्तर कथा साहित्य, साठोत्तरी कथा साहित्य, भूमंडलीकरण और कथा साहित्य आदि बिन्दुओं पर आर्थिक-सामाजिक बदलावों की दृष्टि से पाठ के उदाहरण से अध्यापन)

इकाई 4 : समकालीन विमर्श और कथा साहित्य

(आदिवासी, दलित, स्त्री और अन्य समकालीन विमर्शों पर पाठ के उदाहरण से अध्यापन)

संदर्भ ग्रंथ :

1. फाक्स, रैल्फ. नागर, (अनु.). नरोत्तम उपन्यास और लोक जीवन, पी.पी.एच, नयी दिल्ली, 2008 ।
2. यादव, राजेंद्र. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना, वाणी प्रकाशन, सं. 2020 नयी दिल्ली ।
3. सिंह, नामवर (संपा). आधुनिक हिन्दी उपन्यास 1, 2, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2020 ।
4. पाण्डेय, मैनेजर. उपन्यास और लोकतंत्र-वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2018 ।
5. तिवारी, नित्यानंद. आधुनिक साहित्य और इतिहास बोध-वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2009 ।
6. मदान, इन्द्रनाथ. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, सं. 2025, दिल्ली ।
7. ब्युरैक, ए.एस. चतुर्वेदी, राममित्र (अनु.), शुक्ल, रमेश चन्द्र (अनु.). उपन्यास-लेखन शिल्प, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादेमी, भोपाल ।
8. फास्टर, ई. एम., भार्गव, राजुला (अनु.), उपन्यास के पक्ष, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादेमी, जयपुर ।
9. यादव, वीरेंद्र. उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता-राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2017 ।
10. तिवारी, विनोद (संपा.) उपन्यास : कला और सिद्धान्त -1, 2, अजय आनंद, अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016 ।
11. Georg Lukacs, translated by Anna Bostock. *The Theory of the Novel* - The MIT Press, USA., 1977
12. James, Henry. *The Art of Fiction*, Partial Portraits (Macmillan).
13. James, Henry. *Selected Literary Criticism*, Morris Shapira (Edt.) – Penguin Books Ltd. England., 1987
14. Lubbock, Percy. *The Craft of Fiction* – Read A Classic, Jonathan Cape, London, 1963, U.S.A.



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

**Structure 3 (Level 6.5) : Research**  
**Semester II (For One Year PG)**  
**Semester IV (For Two Year PG)**

**DSE:सिद्धांत और आलोचना: शोध की संभावनाएं और समस्याएं**

| Course title & Code                                               | Credits | Credit distribution of the course |          |                      | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-------------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                   |         | Lecture                           | Tutorial | Practical / Practice |                                      |                                       |
| DSE3<br>सिद्धांत और<br>आलोचना: शोध<br>की संभावनाएं<br>और समस्याएं | 4       | 3                                 | 1        | 0                    | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विभिन्न साहित्यिक सिद्धांतों और आलोचना पद्धतियों की जानकारी प्रदान करना।
- संस्कृत और हिंदी आलोचना सिद्धांतों की समझ विकसित करना।
- पाश्चात्य शोध सैद्धान्तिकियों और हिंदी साहित्य में उनके प्रयोग की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):



- संस्कृत और हिंदी आलोचना सिद्धांतों को जानेंगे।
- पाश्चात्य शोध सैद्धान्तिकियों और हिंदी आलोचना सैद्धान्तिकियों को जानेंगे।
- सिद्धांत, आलोचना, रचना के अंतर्संबंधों को जानेंगे।

इकाई : 1 संस्कृत और हिंदी आलोचना- सिद्धांत: शोध की संभावनाएं  
( हिंदी कविता, कथा साहित्य और अन्य विधाओं पर संस्कृत और हिंदी के काव्य शास्त्र का प्रभाव, हिंदी आलोचना पर काव्यशास्त्र का प्रभाव)

इकाई : 2 पाश्चात्य काव्य चिंतन: शोध की संभावनाएं  
( पाश्चात्य काव्य चिंतन का हिंदी साहित्य पर प्रभाव; शास्त्रवाद, स्वछंदतावाद और आधुनिकतावाद के विशेष संदर्भ में)

इकाई : 3 साहित्यिक सिद्धांतिकी: शोध की संभावनाएं  
( रूपवाद, कला कला के लिए, यथार्थवाद, मार्क्सवाद, नई समीक्षा, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, उत्तर औपनिवेशिकता के विशेष संदर्भ में)

इकाई : 4 सिद्धांत, आलोचना और रचना का अंतर्संबंध

संदर्भ ग्रंथ:

1. कुमार, सुशील, संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास भाग-1, हिंदी बुक सेंटर, 1960
2. मीणा, रमेश चंद, आदिवासी विमर्श, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, 2021
3. मिश्र, जितेन्द्र नाथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विजय प्रकाशन मंदिर, 2023
4. नागेन्द्र, भारतीय काव्यशास्त्र, राजकमल प्रकाशन, 1952
5. पाण्डेय, रणजीत कुमार, संस्कृत काव्यशास्त्र और आचार्य वामन, विजय प्रकाशन, 2021
6. पुष्पा, मैत्रेयी, अल्मा कबूतरी, वाणी प्रकाशन, 2000
7. वाल्मीकि, ओमप्रकाश, जूठन, राधाकृष्ण प्रकाशन, 1997
8. शुक्ल, रामचन्द्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, 1929 (पुनर्मुद्रण 2020).
9. सोबती, कृष्णा, मित्रो मरजानी, राजकमल प्रकाशन, 1966
10. सिंह, सुधा, ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ, नॉट नल डॉट कॉम
11. Aristotle Poetics, Translated by Malcolm Heath, Penguin Classics, 1996
12. Arya, Sunaina, and Aakash Singh Rathore, editors, Dalit Feminist Theory: A Reader, Routledge, 2019
13. Culler, Jonathan, Literary Theory: A Very Short Introduction, Oxford University Press, 1997
14. de Beauvoir, Simone, The Second Sex, Translated by Constance Borde and Sheila Malovany-Chevallier, Vintage, 2011
15. De, S. K, Sanskrit Poetics as a Study of Aesthetic, University of California Press, 1963
16. Eagleton, Terry, Literary Theory: An Introduction, Anniversary ed., Blackwell, 2008



17. Ingalls, Daniel H. H., translator and editor, An Anthology of Sanskrit Court Poetry: Vidyākara's "Subhāṣitaratnakoṣa", Harvard University Press, 1965
18. Shahani, Parmesh, Queeristan: LGBTQ Inclusion in the Indian Workplace, Westland, 2020
19. Shekhar, Hansda Sowvendra, The Adivasi Will Not Dance, Speaking Tiger, 2015

### राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए.(हिंदी)

### Structure 3 (Level 6.5) : Research Semester II ( For One Year PG) Semester IV (For Two Year PG)

| Course title & Code                                                                    | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|----------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                                        |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practise |                                      |                                       |
| DSE<br>अस्मितामूलक विमर्श : शोध की संभावनाएं और समस्याएं<br>(आदिवासी, स्त्री एवं दलित) | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

**DSE:** अस्मितामूलक विमर्श: शोध की संभावनाएं और समस्याएँ

#### पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- अस्मिताओं का विश्लेषणात्मक ज्ञान की समझ को विकसित करना।
- आदिवासी विमर्श की भूमिका, स्वर और सरोकारों का विश्लेषण करना।



- दलित साहित्य की पहचान और प्रतिरोध की चेतना की समझ विकसित करना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी अस्मिताओं का विश्लेषणात्मक ज्ञान की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।  
➤ विद्यार्थी आदिवासी विमर्श साहित्य से परिचित होंगे।  
➤ विद्यार्थी दलित साहित्य की उपस्थिति के महत्व से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई 1: अस्मिता की निर्मिति और इतिहास

(13 घंटे)

- अस्मिता की अवधारणा और सिद्धांत
- अस्मिता निर्माण की प्रकृति
- अस्मिता के प्रकार
- भूमंडलीकरण और अस्मिता

इकाई 2 : शोध-क्षेत्र के रूप में दलित साहित्य

(11 घंटे)

- दलित विमर्श और साहित्य का स्वरूप
- दलित साहित्य का ऐतिहासिक आधार : अंबेडकरवाद
- दलित साहित्य के प्रमुख सरोकार और सामाजिक न्याय की स्थापना का संवैधानिक लक्ष्य
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

इकाई 3 : शोध-क्षेत्र के रूप में स्त्री साहित्य

(11 घंटे)

- स्त्री लेखन और स्त्री विमर्श की परम्परा
- स्त्री साहित्य लेखन के प्रमुख प्रतिमान
- हिंदी का दलित स्त्री साहित्य और आलोचना के प्रमुख विचार बिंदु
- भारत और पश्चिम के विभिन्न आंदोलनों के संदर्भ में स्त्री लेखन: कविता, कहानी, उपन्यास और निबन्ध

इकाई 4: आदिवासी अस्मिता और हिन्दी साहित्य

(10 घंटे)

- आदिवासी साहित्य की अवधारणा और वाचिक परम्परा
- उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया और आदिवासी आन्दोलन
- आज़ादी के बाद विकास की प्रक्रिया और आदिवासी अधिकार



- वैश्विक परिप्रेक्ष्य में आदिवासी

सहायक ग्रंथ :

1. मुंडा, रामदयाल. आदिधर्म. पेंगुइन प्रकाशन वर्ष (मूल संस्करण 1937 या बाद में, हिन्दी संस्करण नव प्रकाशित)
2. नेगी, स्नेहलता. आदिवासी समाज और साहित्य, अनुज्ञा बुक्स प्रकाशन
3. शर्मा, ब्रह्मदेव. आदिवासी स्वशासन. प्रकाशन संस्थान, 1994
4. तिवारी, बजरंग बिहारी, दलित साहित्य एक अंतर्गता (द्वि.सं. 2023, प्र. सं. 2015), नवारुण प्रकाशन, गाजियाबाद।,
5. मीणा, गंगा सहाय. आदिवासी चिंतन की भूमिका. अनन्या प्रकाशन, 2016
6. गुप्ता, रमणिका. आदिवासी कौन. राधाकृष्ण प्रकाशन, 2016.
7. लिंगाले, शरणकुमार. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र. वाणी प्रकाशन, 2020.
8. वाल्मीकि, ओमप्रकाश. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, 2010.
9. चौहान, सुशीला टाकभौरे. दलित साहित्य की मुख्य धारा. वाणी प्रकाशन, 2011.
10. नैमिशराय, मोहनदास. दलित आंदोलन का इतिहास (खंड 1-4). राजकमल प्रकाशन, 2024.
11. चतुर्वेदी, जगदीश्वर, सिंह सुधा, लिंगभेद पितृसत्ता और स्त्रीवाद, एकेडमिक पब्लिकेशन, दिल्ली, 2021
12. अग्रवाल, रोहिणी, स्त्री लेखन स्वप्न और संकल्प, राजकमल प्रकाशन दिल्ली, 2025
13. तलवार, वीर भारत, उत्पीड़ितों के विमर्श, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2025
14. गिरि, राजीव रंजन, (सं.) स्त्री मुक्ति: यथार्थ और यूटोपीया, अनुज्ञा बुक्स प्रकाशन, दिल्ली 2023



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

**Structure 3 (Level 6.5) : Research**  
**Semester II (For One Year PG)**  
**Semester IV (For Two Year PG)**

**DSE: स्त्री चिंतन और अनुसंधान**

| Course title & Code             | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                 |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE<br>स्त्री चिंतन और अनुसंधान | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- स्त्री चिंतन की भारतीय परंपरा से परिचित होना।
- स्त्री चिंतन और लेखन के क्षेत्र में भारतीय और यूरोपीय लेखन के संदर्भों को समझना।
- विभिन्न दार्शनिक/सामाजिक/ राजनीतिक परिस्थितियों और स्त्री लेखन के अंतर्संबंधों को समझना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी स्त्री लेखन की सुदीर्घ भारतीय परंपरा से परिचित होंगे।
- वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय स्त्री लेखन की विशेषताओं को समझेंगे।



➤ दर्शन, संस्कृति, साहित्य, सामाजिक चिंतन और स्त्री लेखन के अंतर्संबंधों को समझेंगे।

**इकाई : 1 प्राचीन काल और मध्यकाल में स्त्री की स्थिति और चिंतन की दिशाएँ** (11 घंटे)

- वैदिक और मिथकीय साहित्य में स्त्री
- परिवार संरचना का महत्व और स्त्री
- शिक्षा व्यवस्था में स्त्री जीवन
- एकल परिवार में स्त्री की स्थिति

**इकाई : 2 औपनिवेशिक दौर और स्त्री चिंतन** (13 घंटे)

- बंगाल, महाराष्ट्र और हिंदी क्षेत्र का औपनिवेशिक स्त्री चिंतन
- यूरोपीय प्रभाव और स्त्री साहित्य
- सामाजिक क्रांति और स्त्री चिंतन की दिशाएँ
- आधुनिक परिवर्तन के रूप और साहित्यिक दृष्टि

**इकाई : 3 भारत का स्वतंत्रता संग्राम और स्त्री आंदोलन** (11 घंटे)

- स्वतंत्रता और स्त्री अधिकार
- भारत और यूरोप की आधुनिक महिला आंदोलनों का प्रभाव
- हिंदी का आरंभिक स्त्री चिंतन

**इकाई : 4 लोकतंत्र, स्त्री आंदोलन और स्त्री विमर्श** (10घंटे)

- स्त्री के प्रति दार्शनिक दृष्टिकोण / स्त्री की सामाजिक स्थिति
- स्त्री आंदोलन और विमर्श की राजनीति
- लोकतंत्र में परिवार और स्त्री के विकास की चुनौतियाँ और दिशाएँ

**सहायक ग्रंथ:**

1. कपिला वात्स्यायन, मानव समाज, लोकभारती प्रकाशन, 2004
2. सांकृत्यायन, राहुल, वोल्गा से गंगा, किताब घर, 2018
3. एंगेल्स फ्रेडरिक, परिवार, राज्य और व्यक्तिगत जीवन का विकास, प्रकाशन संस्थान, 2014
4. शर्मा, ब्रह्मदेव, भारतीय समाज और यूरोपीय प्रभाव, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1996
5. सिंह, सुधा, हिंदी का आरंभिक स्त्री-चिंतन, एकैडमिक प्रकाशन, दिल्ली, 2025



6. Eunice De Souza, Lindsay Pereira, *Women's Voices*, OUP India, 2002

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. हिंदी

**Structure 3 (Level 6.5) : Research**  
**Semester II ( For One Year PG)**  
**Semester IV (For Two Year PG)**

**DSE 6:** अनुवाद, जनसंचार एवं भाषाविज्ञान : शोध की संभावनाएं एवं समस्याएँ

| Course title & Code                                                                     | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|-----------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                                                                         |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| DSE 6<br>अनुवाद,<br>जनसंचार एवं<br>भाषाविज्ञान :<br>शोध की<br>संभावनाएं एवं<br>समस्याएँ | 4       | 3                                 | 1        | 0                   | स्नातक उत्तीर्ण                      | —                                     |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)**

> शोध-क्षेत्र के रूप में अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान के विविध परिप्रेक्ष्य को उद्घाटित करना।



- अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान में शोध की संभावनाओं को तलाशना।
- अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान में शोध में आनेवाली समस्याओं से परिचित कराना।

#### पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी शोध-क्षेत्र के रूप में अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान के विविध परिप्रेक्ष्य को उद्घाटित कर सकेंगे।
- अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान में शोध की संभावनाओं की तलाश करेंगे।
- अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान में शोध में आनेवाली समस्याओं से परिचित होंगे।

#### इकाई 1 : अनुवाद, जनसंचार एवं भाषाविज्ञान : अवधारणा और स्वरूप (10 घंटे)

- अनुवाद का अर्थ एवं स्वरूप
- जनसंचार की अवधारणा
- भाषाविज्ञान की संकल्पना एवं क्षेत्र

#### इकाई 2 : शोध क्षेत्र के रूप में अनुवाद (11 घंटे)

- भारत का बहुभाषिक संदर्भ और अनुवाद
- भाषिक प्रयुक्ति और अनुवाद
- वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली का निर्माण और अनुप्रयोग
- अनुवाद का सांस्कृतिक संदर्भ

#### इकाई 3 : जनसंचार में शोध का परिदृश्य (11 घंटे)

- संचार शोध : अवधारणा, महत्व एवं प्रकार
- जनसंचार में शोध की विभिन्न दृष्टियाँ और शोध-प्रक्रिया
- जनसंचार में शोध के तकनीकी आयाम
- डिजिटल मीडिया : शोध की संभावनाएं एवं चुनौतियाँ

#### इकाई 4 : भाषाविज्ञान में शोध का स्वरूप (13 घंटे)

- भाषा एवं भाषाविज्ञान का अंतःसंबंध
- भाषाविज्ञान और व्याकरण का अंतःसंबंध
- संरचनावाद और आधुनिक भाषाविज्ञान
- साहित्य का भाषावैज्ञानिक अध्ययन

सहायक ग्रंथ :



1. श्रीवास्तव, रवीन्द्रनाथ. हिंदी भाषा का समाजशास्त्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, 1994
2. तिवारी, भोलानाथ. आधुनिक भाषाविज्ञान. किताब महल, 1976
3. ब्लूमफील्ड, (लियोनार्ड ब्लूमफील्ड). भाषा (*Language*). मूल संस्करण 1933
4. शर्मा, रामविलास. भाषा और समाज. राजकमल प्रकाशन, 1961/1977
5. शर्मा, रामविलास. ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा. राजकमल प्रकाशन, 1981
6. शर्मा, राजमणि. आधुनिक भाषाविज्ञान. वाणी प्रकाशन, 2003
7. कुमार, सुरेश. अनुवाद विज्ञान की रूपरेखा
8. टंडन, डॉ. पूरनचंद, और डॉ. हरीश सेठी. अनुवाद के विविध आयाम
9. चतुर्वेदी, जगदीश्वर. जनमाध्यम: प्रौद्योगिकी और विचारधारा.
10. सिंह, सुधा. डिजिटल युग में मास कल्चर और विज्ञापन, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली
11. शर्मा, कुमुद, विज्ञापन की दुनिया, प्रभात प्रकाशन



## राष्ट्रीयशिक्षानीति 2020

एम. ए. हिंदी

**Structure 3 (Level 6.5): Research****SemesterII (For One Year PG)****SemesterIV (For Two Year PG)****SBC : शोध लेखन के उपकरण (टूल)**

| Course title & Code                  | Credits | Credit distribution of the course |          |                     | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|--------------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|
|                                      |         | Lecture                           | Tutorial | Practical/ Practice |                                      |                                       |
| SBC<br>शोध लेखन<br>के उपकरण<br>(टूल) | 2       | 1                                 | 0        | 1                   | स्नातक<br>उत्तीर्ण                   | —                                     |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- > विद्यार्थियों को शोध के उपकरणों से परिचित कराना ।
- > शोध लेखन के लिए आवश्यक तकनीक से अवगत कराना ।
- > शोध संहिता से परिचय प्राप्त करना ।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- > विद्यार्थी शोध के उपकरणों से परिचित हो सकेंगे।
- > शोध के लेखन के लिए आवश्यक तकनीक से अवगत होंगे।



> शोध संहिता से परिचय प्राप्त करेंगे।

> इकाई 1: ग्रंथसूची संग्रह और संदर्भ उपकरण (Bibliographic Archives and Referencing Tools)

> गूगल विद्वान, JSTOR, प्रोजेक्ट MUSE

- इंटरनेट आर्काइव, भारत के अभिलेखागार, पुस्तकालयों के डिजिटल संग्रह
- Zoetrope, Mendelay, End Note

इकाई 2 : पाठ विश्लेषण, लेखन, साइटेशन और प्लैज़रिज्म जाँच के टूल्स

.Voyant Tool, AntConc

. व्याकरणिक (Grammarly), माइक्रसॉफ्ट वर्ड, लैटेक्स

. एम एल ए हैंड बुक, और एपीओ

. Turnitin, iThenticate

सहायक ग्रंथ :

1. सिन्हा एवं स्नातक, सावित्री एवं विजयेन्द्र. अनुसंधान की प्रक्रिया, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1960.
2. शर्मा, विनयमोहन. शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1973.
3. सिंह, सरनाम. शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली, 1964.
4. त्रिपाठी, विनायक. शोध प्रविधि : अवधारणा एवं तकनीक, ओमेगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2020.
5. गणेशन, एस. एन.. अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, 2021.
6. सिंहल, बैजनाथ; शोध : स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2023.
7. राजूरकर एवं बोरा, भ.ह., एवं राजमल (संपादक), हिंदी अनुसंधान का स्वरूप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, 1978.
8. सूरती, डॉ. उर्वशी जे; अनुसंधान का व्यावहारिक स्वरूप, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, मुंबई, महाराष्ट्र, 1973.



PS error: error occurred in processing invalid font